वर्ष 72 अंक 200 पृष्ठ 12
रीवा, शनिवार 19 अप्रैल, 2025
वैशाख पक्ष 07, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

अगर आप मुखर हैं और सत्ता से सवाल पूछते हैं, तो आपका मुंह बंद कराने की कोशिश सत्ता जरूर करेगी।
- जयप्रकाश नारायण

रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ तीन मामलों में ईडी की कार्रवाई पूरी, पूरे गांधी परिवार पर शिकंजे की तैयारी

ईडी की चार्जशीट में प्रियंका भी आरोपी

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ अपनी जांच को निर्णायक मोड़ पर ले जाने की तैयारी में है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और उनके पति और व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा पर मनी लॉन्ड्रिंग के तीन प्रमुख मामलों में चार्जशीट दाखिल की जा रही है। ये तीन मामले गुरुग्राम भूमि सौदा, बीकानेर जमीन घोटाला और हथियार दलाल संजय भंडारी से जुड़े लेनदेन से संबंधित हैं।

ईडी सूत्रों के अनुसार, तीनों मामलों में वाड्रा से अब तक कुल 16 घंटे की पूछताछ हो चुकी है। चार्जशीट दाखिल होने के बाद इन मामलों में उनके खिलाफ आरोप तय होने का रास्ता साफ हो जाएगा। यह भी माना जा रहा है कि अगर चार्जशीट मज़बूत रही, तो कोर्ट में अभियोजन की प्रक्रिया जल्द शुरू हो सकती है। अदालत तय करेगी कि उनके खिलाफ आरोप तय किए जाएं या नहीं। यदि आरोप तय होते हैं, तो ट्रायल की प्रक्रिया शुरू होगी। अगर कोर्ट को लगता है कि वाड्रा ने सहयोग नहीं किया या सबूतों से छेड़छाड़ की संभावना है, तो गिरफ्तारी की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

वाड्रा आरोप नकारते रहे हैं और इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हैं। उनका कहना है कि 'मुझे इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि मैं गांधी परिवार का हिस्सा हूं।' उनका दावा है कि वे जांच में सहयोग कर रहे हैं लेकिन यह भी इशारा किया कि यह चुनावों से पहले उन्हें और कांग्रेस को बदनाम करने की कोशिश है।

प्रियंका गांधी पर भी उठ रहे सवाल

ईडी की कार्रवाई अभी तक सीधे तौर पर प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ नहीं है, लेकिन सूत्र बता रहे हैं कि नई चार्जशीट में प्रियंका गांधी का नाम जोड़ा गया है। हालांकि कांग्रेस का कहना है कि यह राजनीतिक हथियारबंदी का हिस्सा है, जहां सत्ता पक्ष ईडी और अन्य जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करके विपक्ष को दबाने का प्रयास कर रहा है।

गुरुग्राम भूमि सौदाः सस्ते में खरीद, महंगे में बिक्री

साल 2008 में जब केंद्र में यूपीए-1 की सरकार थी, तब रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने गुरुग्राम के शिकोहपुर (अब सेक्टर 83) में मात्र 7.5 करोड़ रुपए में 3.5 एकड़ ज़मीन खरीदी। इस ज़मीन को कुछ ही महीनों में रियल एस्टेट की बड़ी कंपनी डीएलएफ को लगभग 58 करोड़ रुपए में बेच दिया गया। यानि इस सौदे से वाड्रा को लगभग 50 करोड़ रुपए से अधिक का फायदा हुआ। ईडी को संदेह है कि इस सौदे में केवल बाजार लाभ नहीं, बल्कि मनी लॉन्ड्रिंग और सियासी पहुंच का भी उपयोग हुआ। हरियाणा पुलिस ने वर्ष 2018 में इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी। तब से यह केस ईडी के रडार पर है।

बीकानेर जमीन घोटाला बनाए फर्जी दस्तावेज

राजस्थान के बीकानेर जिले में सरकारी योजना के तहत विस्थापितों के लिए सुरक्षित जमीन के कथित रूप से फर्जी दस्तावेज बनवाकर रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी द्वारा 275 बीघा जमीन की खरीद-फरोख्त की गई। आरोप है कि वाड्रा की कंपनी ने यह ज़मीन महज 72 लाख रुपए में खरीदी और कुछ समय बाद 5.2 करोड़ रुपए में बेच दी। ईडी को संदेह है कि यह सौदा अवैध तरीके से लाभ कमाने के इरादे से किया गया था, जिसमें सरकारी भूमि की लूट और वित्तीय अनियमितता शामिल थी। इस मामले में राजस्थान सरकार और स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर भी कई सवाल उठ चुके हैं।

क्या होगा आगे?

ईडी ने पूछताछ और दस्तावेजी सबूतों के आधार पर चार्जशीट का मसौदा तैयार कर लिया है। जल्द ही इसे विशेष पीएमएलए कोर्ट में दाखिल किया जा सकता है। चार्जशीट दाखिल होने के बाद रॉबर्ट वाड्रा को अदालत में पेश होना पड़ सकता है।

संजय भंडारी मामलाः हथियार डील और लंदन प्रॉपर्टी कनेक्शन

यह मामला सबसे पेचीदा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैला हुआ है। इसमें स्विट्जरलैंड की कंपनी पिलाटस के साथ भारत द्वारा किए गए रक्षा सौदे में दलाली का आरोप है। 2012 में यूपीए सरकार के दौरान 75 ट्रेनर विमानों की खरीद के लिए हुए इस सौदे में ईडी को यह जानकारी मिली कि 310 करोड़ रुपए की कथित घूस दुबई स्थित कंपनी आफसेट इंडिया सॉल्यूशन के खाते में ट्रांसफर हुई। यह कंपनी हथियार डीलर संजय भंडारी की बताई जाती है।

इसी पैसे से लंदन और दुबई में संपत्तियां खरीदी गईं। लंदन की इन संपत्तियों से वाड्रा के कथित संबंध सामने आए हैं। ईडी पहले ही संजय भंडारी और उनके करीबी सहयोगी सीसी थंपी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। अब रॉबर्ट वाड्रा की बारी है। ईडी के अनुसार, इस डील के जरिए वाड्रा को भी आर्थिक लाभ मिला। ईडी ने भंडारी की भारत स्थित 26 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त कर ली है, और लगभग 150 करोड़ रुपए की संदिग्ध संपत्तियों का पता लगाया है।

उज्जैन में होटल बुकिंग के नाम पर ठगी

जागरण, उज्जैन। उज्जैन में शुक्रवार को महाकाल दर्शन के लिए आए श्रद्धालु से होटल बुकिंग के नाम पर ठगी की गई। साइबर ठगों ने श्रद्धालु से मंदिर के सामने होटल बुक करने के नाम पर 5100 रुपए ठग लिए। ठग पिछले आठ महीनों से एक फर्जी वेबसाइट के माध्यम से माहेश्वरी एवेन्यू होटल के नाम पर देशभर के कई भक्तों से ठगी कर चुके हैं। हैरानी के बात यह है कि ठग फर्जी ऑनलाइन बुकिंग के बाद होटल के बिल की हूबहू सॉफ्ट कॉपी भक्तों को भेज देते हैं, जिससे लोगों को उस समय भरोसा हो जाता है कि उनकी बुकिंग हो गई, लेकिन जब वह होटल पहुंचते हैं तो ठगी का खुलासा हो जाता है। दरअसल, अभिषेक सिंह ने 13 अप्रैल को ऑनलाइन रूम बुक कराए थे। उन्होंने एसबीआई की नोएडा शाखा के एक अकाउंट में 5100 रुपए डाल दिए। शुक्रवार को दर्शन के लिए पहुंचने से पहले उन्हें ठगी का पता चला।

दिल्लीः कुणाल हत्याकांड की मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, जेएनएन। सीलमपुर हत्याकांड की आरोपी लेडी डॉन जिकरा को पकड़ लिया है। उसके साथ-साथ अन्य तीन लोगों को भी पुलिस हिरासत में लिया गया है। सीलमपुर में 17 साल के लड़के कुणाल की हत्या के मामले में जिकरा का नाम सामने आ रहा था। बताया जा रहा था कि जिकरा और उसके भाई साहिल ने इस वारदात को मिलकर अंजाम दिया है। पुलिस साहिल की खोज कर रही है।

बता दें कि गुरुवार शाम कुणाल सीलमपुर के जे ब्लॉक में दूध लेने जा रहा था। इसी दौरान उसकी चाकू से हत्या कर दी गई थी। उसकी हत्या के बाद से इलाके में तनाव पसरा हुआ है। इसे हिंदू मुस्लिम का रंग देने की कोशिश की जा रही है।

स्टालिन का अमित शाह पर निशाना

हम गुलाम नहीं हैं जो धमकी के आगे झुकें

चेन्नई, जेएनएन। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर जोरदार हमला करते हुए कहा है कि नीट परीक्षा, तीन-भाषा नीति, वक्फ कानून संशोधन और परिसीमन जैसे मुद्दों को उठाना 'ध्यान भटकाने' की कोशिश नहीं, बल्कि राज्यों के अधिकारों की रक्षा की लड़ाई है। उन्होंने शाह को चुनौती देते हुए कहा कि अगर डीएमके जनता का ध्यान भटका रही है, तो अमित शाह को इन मुद्दों पर तमिलनाडु की जनता को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। उन्हें तमिलनाडु के लोगों को बताना चाहिए कि वे तमिल भाषा को कमजोर क्यों करना चाहते हैं। उनकी सरकार मेडिकल की पढ़ाई में तमिल भाषियों को मौका क्यों नहीं देना चाहती। महंगाई और बेरोजगारी के दौर में वक्फ कानून की क्या जरूरत थी।

बता दें कि हाल ही में अमित शाह ने स्टालिन पर जनता का ध्यान बांटने के लिए भाषा का मुद्दा उठाने का आरोप लगाया था। चेन्नई में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु केवल अपने हक की नहीं, बल्कि पूरे देश के राज्यों के अधिकारों की बात करता है। स्टालिन ने अमित शाह के उस बयान का भी जवाब दिया, जिसमें शाह ने 2026 में तमिलनाडु में भाजपा सरकार बनाने का दावा किया था। उन्होंने कहा, छापेमारी, राजनीतिक तोड़फोड़ और धमकी देने का जो फॉर्मूला आपने बाकी राज्यों में अपनाया है, वह तमिलनाडु में नहीं चलेगा। 2026 में केवल द्रविड़ मॉडल की सरकार बनेगी।

तमिलों पर कोई शाह शासन नहीं कर सकता

स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु दिल्ली के नियंत्रण में नहीं है। कोई शाह तमिलों पर शासन नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के कुछ मंत्रियों ने तमिल भाषा और तमिल संस्कृति का अपमान किया है। क्या केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तमिलों को असभ्य नहीं कहा था? क्या एक और मंत्री ने तमिलों को बम धमाकों से जोड़ने की कोशिश नहीं की? और क्या भाजपा ने इसके लिए माफी मांगी? स्टालिन ने कहा, भाजपा तमिलों के बीच फूट नहीं डाल सकती है। तमिल अपनी भाषा-संस्कृति और सम्मान के लिए एकजुट हैं।

ऑफ बीट

मंगल की गुफाओं में एलियन्स का घर !

वॉशिंगटन, जेएनएन। नासा ने खुलासा किया है कि मंगल ग्रह पर एक बहुत बड़ा छेद पाया गया है। यह रहस्यमय गड्ढा किसी सुरंग नेटवर्क का हिस्सा है। इस छेद की चौड़ाई 30 फीट हो सकती है, जबकि गहराई कितनी है, इसके बारे में किसी को पता नहीं। नासा ने इस छेद के चित्र को पिक्चर ऑफ द डे के रूप में शेयर किया है। इसके बाद अटकलें प्रारंभ हो गई हैं, मंगल ही वह ग्रह है जहां एलियन हो सकते हैं। मंगल पर जो छेद हैं, वे एलियन को छिपाने वाली जगह हैं। नासा ने यह भी बताया है कि मंगल पर कई छेद हैं जिनमें से केवल एक को छोड़कर सभी में अंधेरा है। शोधकर्ताओं ने कहा कि इस तरह के छेद विशेष रूप से दिलचस्प हैं।

आईपीएल में आज

IPL 2025 TATA IPL

गुजरात बनाम दिल्ली
समय : अपराह्न 3.30 बजे से

लखनऊ बनाम राजस्थान
समय : शाम 7.30 बजे से

प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स
जियो हॉटस्टार पर

पूजा और आस्था के स्थलों का संरक्षण करेगी सरकार

सीएम यादव ने सांपों की गिनती कराने के भी दिए निर्देश

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वन क्षेत्र में विद्यमान जनजातीय समुदाय के पूजा और आस्था स्थलों के संरक्षण के लिए उचित व्यवस्था की जाएगी। आवश्यकता होने पर केंद्र सरकार से भी सहयोग प्राप्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वनों के विकास से जनजातीय वर्ग के हित प्रभावित न हों।

सीएम शुक्रवार को जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापना, जलवायु परिवर्तन और समुदाय आधारित आजीविका पर प्रशासन अकादमी में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना चाहिए, लेकिन सागौन के ही लगने चाहिए, यह समझ में नहीं आता। जंगल में पेड़ लग रहे हैं या फिर फसल पैदा हो रही है। जंगल तो वही है, जिसमें सभी तरह के पड़े पौधे होने चाहिए। हम अंग्रेजों की भावना को नहीं समझ पाए कि वह इससे फायदा कमा कर चले गए। अंग्रेज तो चले गए, लेकिन हम उनकी लाश ढो रहे हैं। हम उस रास्ते पर जा रहे हैं, जिससे हमें बाहर आना चाहिए था। सीएम ने कहा कि अधिकारियों ने एक नया शब्द निकाला है, बिगड़े वन। उजड़े वन तो समझ में आता है, लेकिन बिगड़े वन समझ से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्र में पूजा पाठ के कई स्थान हैं। ये भावना-आस्था से जुड़े हैं। आस्था पर चोट कर हम किसको बचाएंगे।

उन्होंने प्रदेश में सांपों की गिनती को लेकर कहा कि रेप्टाइल में सांपों की गिनती नहीं होती। फारेस्ट का यह हिसाब समझ में नहीं आता। प्राणी तो वह भी हैं। इसकी वजह से किंग कोबरा धीरे-धीरे गायब हो रहा है। जिस तरह जंगल में टाइगर की कमी की वजह से ईको सिस्टम बिगड़ता है, इसी तरह किंग कोबरा की वजह से वनों का ईको सिस्टम बिगड़ा है। उन्होंने कहा कि सांपों की गिनती भी कराई जानी चाहिए। सीएम ने मंच के सामने बैठे एसीएस अशोक वर्णवाल से सवाल किया कि क्या सांपों की गिनती का एक्ट में प्रावधान है। केन्द्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि एक्ट में इसका प्रावधान है। तब सीएम ने कहा कि मैं पहले भी कह चुका हूं। सीएम ने कहा कि प्रदेश वन की दृष्टि से संपन्न है। प्रदेश में यद्यपि कोई ग्लेशियर नहीं है, किन्तु प्राकृतिक रूप से वनों से निकलने वाली जल राशि से ही प्रदेश से निकलने वाली बड़ी नदियां आकार लेती हैं। सोन, केन, बेतवा, नर्मदा नदियां देश के कई राज्यों में जल पहुंचा रही हैं। बिहार, गुजरात और उत्तर प्रदेश की प्रगति में प्रदेश के वनों से निकले इस जल का महत्वपूर्ण योगदान है।

राज्यपाल मालदा पहुंचे, हिंसा पीड़ितों से की मुलाकात

आज मुर्शिदाबाद दौरा कर केंद्र को भेजेंगे रिपोर्ट

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस शुक्रवार को मालदा पहुंचे। यहां उन्होंने हिंसा पीड़ित लोगों से मुलाकात की। राच्यपाल ने कहा- मैंने शिविर में रह रहे परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। उनकी शिकायतें सुनीं और भावनाओं को समझा। उन्होंने मुझे यह भी बताया कि वे क्या चाहते हैं। राज्यपाल ने कहा कि हालत बहुत भयावह हैं। राच्यपाल शनिवार को मुर्शिदाबाद जाएंगे। उन्होंने कहा- मैं जमीनी स्थिति का जायजा लूंगा। वहां जो कुछ भी हुआ, वह

चौंकाने वाला है। किसी भी कीमत पर शांति स्थापित होनी चाहिए। इसकी रिपोर्ट केंद्र सरकार को देंगे।

इससे पहले गुरुवार को सीएम ममता बनर्जी ने राज्यपाल से दौरा स्थगित करने का अनुरोध किया था। ममता ने कहा- मैं गैर-स्थानीय लोगों से अनुरोध करूंगी कि वे अभी मुर्शिदाबाद का दौरा न करें। राज्यपाल से कुछ और दिन प्रतीक्षा करने की अपील करूंगी।

विहिप आज करेगी विरोध प्रदर्शन

उधर, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने ऐलान किया है कि वह शनिवार को देशभर में विरोध प्रदर्शन करेगी। वीएचपी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि देश भर के हर जिला मुख्यालय में जिलाधिकारियों को ज्ञापन देकर मांग की जाएगी कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार करे। जब तक राष्ट्रपति शासन नहीं लगेगा, आंदोलन जारी रहेगा।

फिल्म जाट से हटाया गया विवादित सीन

जालंधर, जेएनलएन। जाट फिल्म से शुक्रवार को चर्च का विवादित सीन हटा दिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पंजाब के जालंधर में एफआईआर के बाद यह फैसला लिया गया। गुरुवार को ईसाई समुदाय के अल्टीमेटम के बाद बॉलीवुड एक्टर सनी देओल और रणदीप हुड्डा समेत 5 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई थी। ईसाई समुदाय का आरोप था कि जाट फिल्म में चर्च वाले सीन से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। ईसाई समाज ने जालंधर में प्रदर्शन भी किया था। यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज हुई थी। ईसाइयों का आरोप है कि इसमें उनके धार्मिक प्रतीकों का अपमान किया गया है। फिल्म के एक सीन में रणदीप हुड्डा चर्च के अंदर प्रभु ईसा मसीह की तरह खड़े थे।

14 साल पुराने मनी लॉन्ड्रिंग के केस में जगन पर शिकंजा

27.5 करोड़ के शेयर जब्त, डालमिया सीमेंट की 793 करोड़ रुपए की जमीन भी अटैच

हैदराबाद, जेएनएन। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी के 27.5 करोड़ रुपए के शेयर जब्त कर लिए हैं। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के 14 साल पुराने मामले में की गई है। इसमें 'क्विड प्रो क्वो' (कुछ पाने के बदले कुछ देना) निवेश के आरोप हैं।

ईडी ने जगन की तीन कंपनियों- कार्मेल एशिया होल्डिंग्स, सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और हर्षा फर्म के शेयर जब्त किए और डालमिया सीमेंट लिमिटेड की करीब 377.2 करोड़ रुपए की जमीन भी जब्त की। डीबीसीएल के मुताबिक, यह जमीन 793.3 करोड़ रुपए की है। यह मामला 2011 में सीबीआई केस से जुड़ा है, जिसमें आरोप है कि डीबीसीएल ने रघुराम सीमेंट्स लिमिटेड (जगन से जुड़ी कंपनी) में 95 करोड़ निवेश किए। इसके बदले में जगन ने अपने पिता, तत्कालीन सीएम राजशेखर रेड्डी के प्रभाव से आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में 407 हेक्टेयर की खनन लीज दिलाई थी।

2013 में दायर हुई थी चार्जशीट

सीबीआई ने 2013 में जगन, डीबीसीएल और अन्य के खिलाफ आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें आरोप यह भी है कि जगन, उनके ऑडिटर और पूर्व सांसद वी विजय साई रेड्डी तथा डीबीसीएल के पुनीत डालमिया ने मिलकर रघुराम सीमेंट के शेयर एक फ्रेंच कंपनी परफीसिम को 135 करोड़ में बेचे थे। इसमें से 55 करोड़ जगन को नकद दिए, जो मई 2010 से जून 2011 के बीच दिल्ली में इनकम टैक्स विभाग की रेड में मिले दस्तावेजों से सामने आए।

पासिया को भारत लाने की तैयारी में एनआईए

नई दिल्ली, जेएनएन। विदेश में बैठकर भारत में हमले कराने का आरोपी गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया अमेरिकी एजेंसियों के हत्थे चढ़ गया है। इसकी जानकारी मिलते ही भारतीय एजेंसियां उसे भारत लाने की कोशिश में जुट गई हैं।

एनआईए ने इसके लिए अमेरिकी विदेश मंत्रालय से संपर्क साधा है। पासिया पर पंजाब में 14 ग्रेनेड हमले करने या फिर कराने का आरोप है। वह सिख आतंकी संगठनों से जुड़ा हुआ है। उस पर भारत में पांच लाख रुपए का इनाम है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि पासिया की गिरफ्तारी आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल के खिलाफ एक बड़ी सफलता और मील का पत्थर है। वह बब्बर खालसा इंटरनेशनल से भी जुड़ा हुआ है। बता दें कि पासिया को एफबीआई ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया था।

तकनीक | टेक्सास में विज्ञान सम्मेलन में बोले शीर्ष वैज्ञानिक- 'हम दूरी को मिटा सकते हैं'

वैज्ञानिकों ने हासिल की 'समय और अंतरिक्ष' पर जीत!

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका के टेक्सास में आयोजित विज्ञान सम्मेलन में गुरुवार को एक ऐतिहासिक दावा किया गया। इस सम्मेलन में ट्रंप प्रशासन के शीर्ष वैज्ञानिक सलाहकार और व्हाइट हाउस की विज्ञान एवं तकनीकी नीति कार्यालय के निदेशक माइकल क्राटसियस ने चौंकाने वाला बयान दिया कि अमेरिका के पास अब ऐसी तकनीक है जिससे वह 'समय और अंतरिक्ष को नियंत्रित कर सकता है' और 'दूरी को समाप्त किया जा सकता है'।

टेक्सास में 'एंडलेस फ्रंटियर्स रिट्रीट' में उन्होंने कहा कि अमेरिका 'नई तकनीकों को विकसित करने और खोजों में खुद को समर्पित करने के ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां समय और स्थान झुकाए जा सकते हैं।' 21 मार्च को उन्होंने एफ-47 नामक फाइटर जेट की क्षमताओं की तारीफ की थी।

दुनिया की सबसे ताकतवर तकनीक

माइकल क्राटसियस के इस बयान के बाद से इंटरनेट पर बहस तेज हो गई है। लोग पूछ रहे हैं—क्या यही वह रहस्यमय हथियार है जिसकी ओर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में इशारा किया था? दरअसल, 9 अप्रैल को ट्रंप ने कहा था, 'हमारे पास ऐसा हथियार है जिसके बारे में किसी को कोई अंदाजा नहीं है। यह दुनिया का सबसे ताकतवर हथियार है। किसी भी दूसरे हथियार से कहीं ज्यादा ताकतवर।'

आइंस्टीन और नासा की राय

1915 में आइंस्टीन ने सामान्य आपेक्षिकता सिद्धांत से सिद्ध किया था कि समय यात्रा संभव है। एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के दार्शनिक और टाइम ट्रैवल विशेषज्ञ डॉ. अलासडर रिचमंड के अनुसार, 'आइंस्टीन बताते हैं कि आपके गति की तीव्रता के अनुसार समय का बहाव बदलता है।' यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर रहने वाले अंतरिक्षयात्री जमीन पर रहने वालों की तुलना में थोड़ा कम उम्र के हो जाते हैं।

'वॉर्प ड्राइव' कल्पना नहीं!

2024 में 'क्लासिकल एंड क्वांटम ग्रैविटी' नामक जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, वैज्ञानिकों ने 'वास्तविक वॉर्प ड्राइव' की संभावना को नया रूप दिया है। अलाबामा विश्वविद्यालय और अप्लाइड फिजिक्स लैब के वैज्ञानिकों ने यह प्रस्ताव रखा कि अगर किसी अंतरिक्ष यान के चारों ओर 'स्पेस-टाइम बबल' बनाया जाए—जिसमें सामने का स्थान संकुचित हो और पीछे का स्थान फैल जाए—तो वह प्रकाश की गति से भी तेज यात्रा कर सकता है, बिना भौतिक नियमों का उल्लंघन किए। इसमें किसी 'नकारात्मक ऊर्जा' की जरूरत नहीं होगी, जैसा कि पहले सोचा जाता था, बल्कि यह सामान्य मैटर (जैसे डार्क मैटर या घने कण) से भी संभव हो सकता है।

शादी के बंधन में बंधीं केजरीवाल की बेटी

नई दिल्ली, जेएनएन। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की बेटी हर्षिता शादी के बंधन में बंध गई हैं। उन्होंने अपने आईआईटी बैचमेट संभव जैन से शादी की है। शादी दिल्ली के कपूरथला हाउस में हुई जिसमें कुछ करीबी लोग ही शामिल हुए थे। जानकारी के मुताबिक संभव जैन कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट के तौर पर काम कर रहे हैं। वह केजरीवाल की बेटी हर्षिता के साथ एक स्टार्टअप भी शुरू कर चुके हैं। इससे पहले गुरुवार को हर्षिता की मेहंदी और अन्य कार्यक्रम हुए थे। इसमें भी कुछ करीबी लोग ही शामिल हुए थे।

समाज के गुणों के आधार पर अपनी सामर्थ्य बढ़ानी चाहिए : प्रहलाद पटेल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने उचेहरा में सामाजिक कार्यक्रम को किया संबोधित

जागरण, सतना

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल सतना जिले के प्रवास के दौरान उचेहरा में वीरांगना अवंती बाई लोधी बलिदान दिवस और बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह में भी शामिल हुए। इस मौके पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए खुले मन से काम करना चाहिए। समय बचाना ही पैसा बचाने के समान है। समाज के गुणों के आधार पर ही व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य बढानी चाहिए। अपनी मातृभाषा सबसे बड़ी सामर्थ्य है और सामाजिक जीवन में अपना परिवार, जाति और समाज के संस्कार सबसे बड़ी ताकत होते है। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह, पूर्व विधायक कल्पना वर्मा, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, पूर्व स्पीकर अनिल जैसवाल, मनसुखलाल पटेल, जिला पंचायत सदस्य ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू, शंकर महतो, लवकेश कुमार लोधी उपस्थित थे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने कहा कि किसी भी व्यक्ति, नदी, क्षेत्र विशेष अथवा जाति का विशेष गुण होता है और उनके इन गुणों को समाज ऊचाइंयों को पहुंचाने में सहायता करता है। महापुरूषों का सम्मान अपनी हैसियत के आधार पर अवश्य करनी चाहिए। यह हमारा चरित्र, धर्म और संस्कार भी है। उन्होंने कहा कि समाज वही समृद्ध होता है जिसके पास सबसे अधिक सामाजिक कार्यकर्ता हों। स्वाभिमान से जिंदा रहने और जीना किसी भी व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण होता है। निराशा व्यक्ति के अंदर से उपजती है इसके लिए कोई बाहरी कारण जिम्मेदार नहीं होता है। हमें अपनी कमजोरियों को चिन्हित करना चाहिए और आने वाली पीढी को नशे तथा दुर्गुणों से बचाने का कार्य करना चाहिए। अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी दें।

शालाओं में 22 अप्रैल को होगा पृथ्वी दिवस का आयोजन

सतना। प्रदेश की सभी शालाओं में 22 अप्रैल 2025 मंगलवार के दिन पृथ्वी दिवस का आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन के संचालन के लिए संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने समस्त जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये हैं। विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा इको क्लब फॉर मिशन लाइफ कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जा रही हैं। पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए विद्यालयों में इको क्लब का गठन भी किया गया है। प्रदेश में विद्यालयों में गठित इको क्लब से फ्लोरा (वनस्पति) के लिए क्यूआर कोड नामक एक शैक्षिक पहल की शुरूआत की गई है। इसका प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल का विकास करना, क्यूआर कोड निर्माण और डिजिटल जानकारी प्रदान करना है। पृथ्वी दिवस के आयोजन में विद्यालय द्वारा ''इको क्लब फॉर मिशन लाईफ'' पोर्टल पर पंजीयन किया जायेगा। विद्यालय के इको क्लब प्रभारी द्वारा विद्यार्थियो के समूह बनाएँ जाकर स्कूल परिसर एवं आस-पास के बाग बगीचों इत्यादि में उपलब्ध पेड़-पौधों का सर्वेक्षण कर सूची तैयार की जायेगी। विद्यार्थी सूची अनुसार पेड़-पौधों से संबंधित जानकारी एकत्रित कर डिजिटल डेटाबेस भी तैयार करेंगे। इसके आधार पर प्रत्येक पेड़-पौधों के लिए स्थिर (स्टेटिक) क्यूआर कोड बनायेंगे।

एनएसएस के स्वयं सेवकों को ग्रामोदय के कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा ने किया पुरस्कृत

जागरण, सतना। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के सप्त दिवसीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर के प्रतिभागी स्वयं सेवकों को आज कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस मौके पर उन्होंने संपन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओ में स्थान अर्जित करने वाले छात्र छात्राओं को सील्ड भी दी। रजत जयंती सभागार में आयोजित प्रमाण पत्र कार्यक्रम में कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना सदैव स्वयंसेवकों को निस्वार्थ रूप से देश सेवा करने का उपदेश देती है। उन्होंने स्वयंसेवकों को देश हित के कार्यों में सदैव अग्रणी रहने के लिए उत्साहित किया। प्रो मिश्रा ने कुलगुरु ने विद्यार्थियों को सदैव कठिन से कठिन रास्ते पर भी खड़े रहने की सीख देते हुए कहा कि रास्ता कठिन देखकर कभी भी पीछे नहीं हटना चाहिए बल्कि उस रास्ते को सुगम कैसे बनाया जाए इस पर चिंतन करना चाहिए। तत्पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के स्वयं सेवकों ग्राम दर्शन प्रकल्प में श्रमदान किया। ग्राम दर्शन परिसर में ग्राम्य संस्कृति के सजीव दृश्य को देखा और सामूहिक अल्पाहार शामिल हुए। इस अवसर पर ग्रामीण विकास एवं व्यवसाय प्रबंधन संकाय प्रो अमर जीत सिंहए बीएड पाठ्यक्रम के समन्वयक डॉ श्याम सिंह गौरए श्रीमती गौर आदि मौजूद रहे। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ उमेश कुमार शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

महापौर ने पुलिया व नाली निर्माण का किया भूमि पूजन

सतना। शहर विकास की अनवरत इबारत लिखने के लिए कटिबद्ध योगेश ताम्रकार महापौर नगर पालिक निगम सतना द्वारा 17 अप्रैल को वार्ड 18 नई बस्ती में विभिन्न स्थानों में नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य लागत राशि रू 19.75 लाख का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर योगेश ताम्रकार महापौर नगर पालिक निगम सतना अध्यक्षता राजेश चतुर्वेदी अध्यक्ष विशिष्ट अतिथि गोपी गेलानी निर्माण विभाग नगर पालिक निगम सतना भाजपा उपाध्यक्ष बाबूलाल सिंह श्रीमती मनीषा अजय सिंह मिंटू पार्षव वार्ड क्र 18 एवं बड़ी संख्या में वार्ड के नागरिक उपस्थित रहे।

अधिकारी सत्ता के नशे में चूरः उर्मिला त्रिपाठी

सतना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेत्री उर्मिला त्रिपाठी ने महिलाओं के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए कहा की अमरपाटन जनपद अध्यक्ष माया पाण्डेय को जिस प्रकार से जनपद सीइओ गोली मराने की धमकी दे रहे है उससे पता चल रहा है मध्यप्रदेश में अधिकारी सत्ता के नशे में ऐसे चूर है की मानो इनको गुंडा गर्दी का लाइसेंस सरकार ने जारी कर दिया है। भाजपा की ही महिला जनपद अध्यक्ष के लिए भाजपा की तरफ़ से कोई प्रतिक्रिया नहीं जारी की गई यह भी संदेह के दायरे में है की किस सफेद पोश सत्ताधारी नेता के कहने पर अधिकारी ने गोली मराने की धमकी दी इसकी भी जांच होनी चाहिए और जब महिलाओं के लिए सरकार मोंन होकर शांत बैठे है मैं पूछना चाहती हूं कि इनका बुलडोजर कहां है गिरफ्तारी से काम नहीं चलेगा जनपद सीईओ अस्थाना को नौकरी के बर्खास्त करें और भ्रष्टाचार की काली कमाई से बनी इमारत पर प्रशासन बुलडोजर चलाएं नहीं तो हम सरकार को बुलडोजर सौंपेगे ।

डॉ हेमन्त डेनियल अवॉर्ड एवं पिन से सम्मानित

सतना। लॉयंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233सी आठवीं डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस दिनांक 12-13 अप्रैल 25 को होटल रॉयल आर्बिट एम जे एफ डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन सुधीर जैन प्रथम वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन विजय अग्रवाल द्वितीय वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन रिपुदमन सिंह पुसरी की उपस्थिति में की नीट स्पीकर लायन द्वारका जालान मोटिवेशनल स्पीकर पुणे द्वारा डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट एडिशनल सेक्रेटरी एडमिनिस्ट्रेशन डॉ हेमन्त कुमार डेनियल को इंटरनेशनल पिन से एवं डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन सुधीर जैन ने एक्सीलेंस सर्विस अवार्ड देकर सम्मानित किया गया।

पंचायत मंत्री का उचेहरा के रेस्ट हाउस में हुआ स्वागत

जागरण उचेहरा। जनपद पंचायत सी ई ओ की अगुवाई में प्रथम नगर आगमन पर रेस्ट हाउस में प्रदेश के पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल को उचेहरा की पहचान फूल थाली में उकेरी गई मंत्री की तश्वीर स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की गई। इस दौरान सहायक यंत्री उपयंत्री व पंचायत सचिव तरुण मिश्रा के अलावा पार्टी के जिम्मेदार मौजूद रहे।

रिपोर्टिंग स्टेटस 25 प्रतिशत होने पर 2 मेडीकल ऑफिसर को नोटिस

फार्मासिस्ट का एक सप्ताह का वेतन काटने के निर्देश

जागरण, सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान आईडीएसपी कार्यक्रम के लैब कम्पोनेन्ट में रिपोर्टिंग स्टेटस अत्यंत कम 25 प्रतिशत पाये जाने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केद्र कोठी के अंतर्गत 2 मेडीकल ऑफिसर को नोटिस जारी करने और संबंधित फार्मासिस्ट कोठी का एक सप्ताह का वेतन काटने के निर्देश दिये हैं। गुरूवार को कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग और महिला बाल विकास के अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा की। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, सिविल सर्जन डॉ. मनोज शुक्ला, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय आरख, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुचित्रा अग्रवाल, आरएमओ डॉ शरद दुबे, डॉ. विजेयता सहित डीपीएम राकेश कुमार कर्ष, बीएमओ, बीपीएम, जिला कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह एवं सभी परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास भी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने जिले के ऐसे उप स्वास्थ्य केन्द्र की जानकारी ली जहां एएनएम पदस्थ नहीं है।

सीएमएचओ ने बताया कि जिले में कुल 450 से भी अधिक एएनएम पदस्थ है। ऐसे 49 उप स्वास्थ्य केन्द्र है। जहां एएनएम पदस्थ नहीं है। कुल 312 उप स्वास्थ्य केन्द्र जिले में स्थापित है। कलेक्टर ने कहा कि उप स्वास्थ्य केन्द्र की संख्या के मान से ए.एन.एम की पर्याप्त उपलब्धता है। इनका युक्तिकरण कर सुनिश्चित करे कि प्रत्येक उप स्वास्थ्य केन्द्र में एक एएनएम की पद स्थापना होनी चाहिए। माह मार्च 2025 के आईडीएसपी की स्टेटस की समीक्षा में कोठी सीएससी का लो परसेंट पाये जाने पर कलेक्टर ने संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये। समीक्षा में रामपुर बघेलान 98 प्रतिशत, सतना अर्वन 86 प्रतिशत, चित्रकूट, मझगवां 80 प्रतिशत, उचेहरा 78 प्रतिशत, नागौद 73 प्रतिशत तथा सबसे कम सोहावल, कोठी का 25 प्रतिशत रिपोर्टिंग स्टेटस पाया गया। टीकाकरण की समीक्षा में मीजेल्स रूबेला में ड्रापआउट एक प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए लेकिन सीएचसी में 2 से 4 प्रतिशत पाया गया। कलेक्टर ने इस पर अप्रसन्नता व्यक्त की।

सीएचओ व स्वास्थ्य कार्यकर्ताओ की करो रैंकिंग : कलेक्टर ने कहा कि मैदानी क्षेत्र में पदस्थ सीएचओ और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की रैंकिंग करें। अगली बैठक में अच्छा परफार्म देने वाले 5 स्वास्थ्य विभाग और 5 महिला बाल विकास के मैदानी कर्मचारियों को प्रोत्साहन दिया जायेगा।

उन्होंने कहा कि जो अच्छे वर्कर है। उन्हें चिन्हांकित कर प्रोत्साहित करें और जो ठीक काम नहीं कर रहे उन पर कार्यवाही भी सुनिश्चित करे। महिला बाल विकास की समीक्षा के दौरान लाडली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, लाडली बहना योजना, टीएचआर वितरण एवं पोषण प्रबंधन पर चर्चा की गई।

मोदी सरकार एक देश एक शिक्षा पर भी विचार करे : सुरेंद्र शर्मा

सतना। जदयू राष्ट्रीय कार्यसमिति के पूर्व सदस्य अधिवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि एक देश एक चुनाव अच्छी बात है वहीं यदि इसी तर्ज पर एक देश एक शिक्षा यानी समान शिक्षा नीति पर एनडीए की मोदी सरकार विचार करे तो और अच्छी बात हो समाजवादी चिंतक डा राममनोहर लोहिया ने वर्षो पहले समान शिक्षा नीति की बात कही थी जिससे यक़ीनन पूरे देश के छात्रों को इसका गुणात्मक लाभ मिल सकता है और देश के विद्यालयों की स्थिति उनके स्तर साधन सुविधाओं से सुसज्जित हो सकतें हैं और अभी अमीरी और गरीबी के बीच शैक्षणिक कार्यों में भी बाधा बनी गैरबराबरी खत्म हो सकती है यदि यह काम हो जाय तो मंत्रीए अधिकारी का बेटा और सबसे नीचे पायदान में पले बढ़े आम आदमी का बेटा एक साथ शैक्षणिक सुविधा लेगा तो स्वाभाविक है देश का शिक्षा का स्तर अपने आप ठीक हो जाएगा । श्री शर्मा ने कहा कि वन नेशन वन एजुकेशन यानी समान शिक्षा नीति के विषय पर केंद्र सरकार विचार करे तो अच्छा होता

खुशबू तिवारी ने जीता मिसेज स्टार फ्रेस ऑफ मध्यप्रदेश का खिताब

जागरण, सतना। ए आर इवेंट द्वारा आयोजित इवेंट में सतना की खुशबू तिवारी ने प्रथम स्थान अर्जित कर मिसेज़ स्टारफ़ेस ऑफ़ मध्यप्रदेश का अवार्ड अपने नाम किया । इस जीत पर खुशबू ने महिलाओं के लिए एक संदेश भी दिया है उन्होंने कहा अगर आपको अपने सपनों को साकार करना तो सबसे पहले खुद से लड़ना होगा समाज से लड़ना होगा क्योंकि एक लड़की को विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है । खुशबू तिवारी ने कहा बचपन से उन्हें फैशन और मॉडलिंग के क्षेत्र में रुचि थी परन्तु वैवाहिक जीवन के साथ साथ परिवार की देखभाल की करना उनकी पहली प्राथमिकता थी इसके साथ ही कई फैशन शो में भाग लिया तब जाके आज यह जीत हासिल हुई है । युवा समाज सेवी अमन मिश्रा ने बधाई देते हुए खुशबू तिवारी के उज्जवल भविष्य की कामना की है । खुशबू तिवारी इस जीत पर अपने परिवार और सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया है ।

तृतीय एसोसिएशन ऑफइंडियन यूनिवर्सिटी द्वारा नेशनल वीमेन स्टूडेंट पार्लियामेंट का आयोजन

सतना। तृतीय एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी द्वारा नेशनल वीमेन स्टूडेंट पार्लियामेंट 2024-25 का आयोजन 2 से 4 अप्रैल के बीच किया गया। आयोजित महिला छात्र संसद के ऐतिहासिक छात्र सम्मेलन में एकेएस विश्वविद्यालय सतना से अनुपमा पटनहा, सुधीक्षा सिंह बघेल एवं अनु कुमारी ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए पूरे देश के सर्वश्रेष्ठ वक्ताओं में स्थान प्राप्त कर सम्मानित होने का गौरव प्राप्त किया। उन्होंने एंपावरिंग वॉयस शेपिंग फ्यूचर्स विकसित भारत विषय पर व्याख्यान देकर सर्टिफिकेट भी प्राप्त किया। यह उपलब्धि एसएसडी विभाग में पदस्थ एसि प्रो प्रतीक निगम के मार्गदर्शन मे अर्जित की है। एसएसडी फैकल्टी निगम ने यह भी बताया कि इसका उद्देश्य भविष्य में भारत के आगामी महिला छात्र नेताओं को देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार करना है । आयोजन सेंचुरियन यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट उड़ीसा में आयोजित हुआ। स्टूडेंट्स की सहभागिता एवं उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर अनंत कुमार सोनी प्रति कुलपति डॉ हर्षवर्धन, प्रो आर एस त्रिपाठी ने हर्ष व्यक्त करते हुए अनुपमा पटनहा सुधीक्षा सिंह बघेल एवं अनु कुमारी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

द विट्स स्कूल बना बैडमिंटन प्रीमियर लीग का चैंपियन

सतना। बोनांजा स्कूल में आयोजित 2 दिवसीय इंटर स्कूल बैडमिंटन प्रीमियर लीग में जिले के विभिन्न स्कूल के छात्रों ने सहभागिता दर्ज की जिसमें द् विट्स स्कूल के छात्र रविशंकर बुनकर ने डीपीएस स्कूल के छात्र को पराजित कर जीत दर्ज की। छात्र ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के साथ-साथ कोच प्रकाश तिवारी एवं स्पोर्टस टीचर को दिया। छात्र रविशंकर ने बताया कि विद्यालय में उपलब्ध उत्कृष्ट खेल सुविधाओं एवं कोच के निरंतर मार्गदर्शन से यह संभव हो पाया। ज्ञात हो कि द् विट्स स्कूल के छात्र विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाओं में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित कर चुके हैं। छात्र की इस सफलता पर विट्स संस्थान के चेयरमैन सुनील सेनानी, प्राचार्या श्रीति सोम, एचआर एण्ड फाइनेंस हेड निवेदिता मिश्रा, एसोसिएट एकेडमिक डीन पंकज शर्मा, क्रीडा प्रभारी रविशंकर द्विवेदी समेत सभी शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए आगामी प्रतिस्पर्धाओं के लिए शुभकामनायें प्रेषित की।

भोपाल के प्रख्यात हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ पवन मिश्रा 20 अप्रैल रविवार को रीवा में

रीवा-भोपाल के प्रख्यात हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ पवन कुमार मिश्रा, MBBS, DNB (ऑर्थोपेडिक) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ, ऑर्थोस्कोपिक एंड ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन, सहायक प्राध्यापक चिरायु मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल भोपाल, पूर्व सहायक प्राध्यापक शासकीय मेडिकल कालेज बिलासपुर, पूर्व चिकित्सक AIIMS नई दिल्ली के द्वारा दिनाँक 20 अप्रैल रविवार (प्रत्येक रविवार रीवा में) को सुबह 10 से दोपहर 02 बजे तक हड्डी व जोड़ रोग से सम्बंधित सभी प्रकार के रोगीयों का जैसे घुटनो में दर्द/सूजन, कंधे का जकड़ना/दर्द होना, कमर व कूल्हें के जोड़ों का दर्द, साईटिका/गठियावात, कंधे के मांस का कटना, घुटने का न मुड़ना, चलने में लड़खड़ाना, जमीन पर न बैठ पाना, लिगामेंट से सम्बंधित समस्याएं, रीड़ की हड्डी से सम्बंधित समस्याएं, सामान्य एवं जटिल फ्रैक्चर, आधुनिक तकनीक द्वारा जोड़ प्रत्यारोपण, बच्चों के हाथ व पैरों की विकृतिया, पुराने फ्रैक्चरों का न जुड़ना, हड्डी में पस पड़ना, समस्त प्रकार के जोड़ों से सम्बंधित रोग, घुटने व कंधे का दूरबीन विधि द्वारा इलाज/आपरेशन आदि रोगों का परामर्श देकर इलाज किया जाएगा, डॉ मिश्रा को दुरबीन विधि से सम्बंधित सभी प्रकार के आपरेशन में महारथ हासिल है डॉ मिश्रा अब तक लगभग 05 (पाँच) हजार से ऊपर आपरेशन सफलतापूर्वक कर चुके है, डॉ मिश्रा के द्वारा कामता क्लीनिक रीवा में प्रत्येक रविवार को नियमित OPD परामर्श दिया जाता है। क्लीनिक में इकोकार्डियोग्राफी, TMT, ECG, होल्टर, ABPM, पैथोलॉजी, डिजिटल एक्सरे, यूरोफ्लोमेट्री आदि जांचों की सुविधा उपलब्ध है। अधिक जानकारी हेतु कामता मेडिकल रीवा में संपर्क करें। -Advt.

प्रख्यात ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो रोग विशेषज्ञ डॉ सचिन सिंह 20 अप्रैल रविवार को रीवा में

रीवा-राष्ट्रपति पदक से सम्मानित प्रख्यात ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो रोग सुपर स्पेशलिस्ट एंडोस्कोपिक सर्जन डॉ सचिन सिंह MBBS, MS, MCh (न्यूरो) PGI नई दिल्ली, निर्देशक-लाइफ लाइन हॉस्पिटल प्रयागराज, के द्वारा, दिनांक 20 अप्रैल 2025 को (प्रत्येक माह के पहले एवं तीसरे रविवार) सुबह 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक, कामता मेडिकल (कामता मल्टीस्पेशलिटी क्लीनिक/डाइग्नोस्टिक×विजन हार्ट सेंटर)- A ब्लॉक समदड़िया कॉम्प्लेक्स न्यू बस स्टैंड रीवा में, ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो से सम्बंधित सभी प्रकार की बीमारियां जैसे रीड़ की हड्डी की चोट/दर्द, गर्दन, कमर व घुटने का दर्द, लकवा, सिर का दर्द (माइग्रेन की समस्या), मिर्गी रोग, बेहोसी व चक्कर आना, अंगों में कंपन-झुनझुनी-शून्यता, मांसपेशियों/नसों में कमजोरी, मस्तिष्क ज्वर, ब्रेन हैमरेज, सर्वाइकल स्पोंडलाइटिस, स्नायु रोग, साइटिका, रीड़ की हड्डी की टी.बी., एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी आदि न्यूरो से संबंधित सभी प्रकार के रोगों का परामर्श देकर इलाज किया जाएगा, डॉ सचिन सिंह लगभग 15000 (पंद्रह हजार) से ज्यादा ब्रेन, सर्वाइकल एवं स्पाइन से संबंधित सर्जरी सफलता पूर्वक कर चुके है, डॉ सचिन को न्यूरो से सम्बंधित सभी प्रकार की सर्जरी में महारथ हासिल है, डॉ सचिन के द्वारा प्रत्येक माह के पहले एवं तीसरे रविवार को विगत सात (07) वर्षो से कमाता क्लीनिक में मरींजों को OPD परामर्श दिया जा रहा है। क्लीनिक में इकोकार्डियोग्राफी, TMT, ECG, होल्टर, ABPM, पैथोलॉजी, डिजिटल एक्सरे, यूरोफ्लोमेट्री आदि जांचों की सुविधा उपलब्ध है। अधिक जानकारी हेतु कामता मेडिकल रीवा मोबाइल नं 9399312433 में संपर्क करें। -Advt.

2.26 लाख रुपए की नशीली कफ सिरप पकड़ाई

3 आरोपी अर्टिका कार सहित गिरफ्तार 1162 शीशी नशीली कफ सिरप जब्त

जागरण, रीवा। रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र अंतर्गत जोगिनहाई टोल प्लाजा के पास गुरुवार को पुलिस ने घेराबंदी कर नशीली कफ सिरप की बड़ी खेप के साथ 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यूपी के बनारस से आरोपी नशीली कफ सिरप लेकर रीवा तस्करी के लिए ला रहे थे, जिन्हें मुखबिर की सूचना के बाद पुलिस ने धर दबोचा। आईजी रीवा जोन गौरव राजपूत ने अवैध नशे के विरुद्ध कार्रवाई के लिए पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, जिसका असर अब दिखने लगा है। कुख्यात ड्रग माफिया के विरुद्ध कार्यवाही हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत थाना रायपुर कर्चुलियान पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 लाख 26 हजार रुपए की नशीली कफ सिरप जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। रायपुर पुलिस से हासिल जानकारी के मुताबिक सूचना मिली थी कि यूपी के बनारस से अवैध नशीली कफ सिरप की खेप एक आर्टिका कार में लेकर आरोपी रीवा आ रहे हैं। सूचना के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर पुलिस ने कार को घेराबंदी कर पकड़ा जिसकी तलाश लेने पर 03 आरोपियो से अवैध नशीली कफ सिरप का जखीरा पुलिस ने जब्त किया। कार के अंदर 05 प्लास्टिक की बोरियों में कुल 1162 शीशी बरामद हुई जिन्हें जब्त कर तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, साथ ही इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

ये आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने अर्टिका कार क्रमांक एमपी 17 जेड जी 2513 को जब्त कर आरोपी वीरेन्द्र कुमार नामदेव पिता चन्द्रमणि नामदेव 28 वर्ष निवासी हरदुआ थाना सेमरिया, रवि साकेत पिता बृजनाथ साकेत 19 वर्ष निवासी खारा थाना सेमरिया व अनिल साकेत पिता जागेश्वर साकेत 40 वर्ष निवासी ऐलहा थाना सेमरिया को गिरफ्तार किया है।

कई थानों की पुलिस की रही भूमिका

अवैध रूप से लाई जा रही ऑनरेक्स नशीली कफ सिरप के साथ आरोपियों को पकड़ने में समान थाना प्रभारी विकास कपीश, थाना प्रभारी उनि. महेन्द्र मिश्रा, गुढ़ थाना प्रभारी शैल यादव, अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल, चाकघाट थाना प्रभारी घनश्याम मिश्रा के साथ साइबर सेल टीम आईजी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नौकरी दिलाने के बहाने छात्रों से ठगी का आरोपी गिरफ्तार

कार जब्त, मुख्य आरोपी निर्मल कुमार की तलाश जारी

पीड़ितों की शिकायत के बाद पुलिस ने की कार्रवाई

जागरण, रीवा। नौकरी दिलाने के नाम छात्रों से लाखों की ठगी करने वाले एक आरोपी मुनिराज विश्वकर्मा को समान थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है, साथ ही आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने एक कार भी जब्त की है। मामले का मुख्य आरोपी निर्मल कुमार अभी फरार है,जिसकी तलाश पुलिस द्वारा सरगर्मी से की जा रही है। घटना की शिकायत 13 अप्रैल को ठगी का शिकार हुए लोगों ने समान थाना पुलिस से की थी। पीड़िता लक्ष्मी विश्वकर्मा निवासी चिरहुला कॉलोनी थाना बिछिया ने बताया था कि मुनिराज विश्वकर्मा एवं निर्मल कुमार नौकरी दिलाने के नाम पर बेईमानी पूर्वक धोखाधड़ी कर करीब 11 लाख रुपए अलग-अलग लोगों से लिए हैं। छात्रा ने बताया था कि रोजगार दिलाने के नाम पर प्रमिला साकेत उसे टीआरएस कॉलेज के बाहर मिली और इसके बाद स्मार्ट वैल्यू कंपनी की उर्रहट स्थित ऑफिस में काउंसलिंग कराने के नाम पर नवंबर 2022 में ले गई थी, इसके बाद उससे ज्वाइनिंग करने के नाम पर 16 हजार रुपये मुनिराज विश्वकर्मा ने लिए जो स्मार्ट वैल्यू कंपनी में निर्मल कुमार के अधीनस्थ कार्य करते हैं। पीड़िता ने बताया कि मुनिराज विश्वकर्मा एस. पी. एस होटल रीवा में नौकरी दिलाने के लिए मीटिंग लिया करते थे जहां अन्य लड़कों व लड़कियों को ज्वाइनिंग फीस के नाम पर लाखों रुपए ठगे गए। पीड़ित छात्रों ने बताया कि मुनिराज विश्वकर्मा द्वारा कम्पनी का हेड ऑफिस जबलपुर में बताया गया था। फिलहाल समान पुलिस ने मुनिराज विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि निर्मल कुमार की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

जिला बदर का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

रीवा। अमहिया पुलिस ने जिला बदर के एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। पकड़ा गया आरोपी आदतन बदमाश है, जिस पर जिला दण्डाधिकारी ने उसे जिला बदर का आदेश दिया था, इसके बावजूद आरोपी शहर में रहकर चोरी छिपे वारदात को अंजाम दे रहा था। मुखबिर की सूचना के बाद अमहिया पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर धारा 14 म.प्र. राज्य सुरक्षा अधि 1990 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी को जेल भेजा गया है।

सीधी जागरण
दैनिक जागरण रीवा 19 अप्रैल 2025 www.dainikjagranmpcg.com
सूर्य उदय - अस्त
06.25 अस्त : आज
05.38 उदय : कल
शहर का तापमान
42.0 0 अधिकत
23.0 0 न्यूनतम
11 राज्य 31 संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

तृतीय वर्ग कर्मचारी को मिला खनिज अधिकारी का प्रभार

जागरण अनियमितता

डिप्टी कलेक्टर की जगह सर्वेयर बने खनिज अधिकारी

सर्वेयर पर अवैध वसूली के पूर्व से लगते आ रहे हैं आरोप

जागरण, सीधी

सीधी जिला प्रभारी अधिकारी के भरोसे चल रहा है। कलेक्टर, जिला सीईओ के अतिरिक्त अधिकांश विभाग प्रभारी अधिकारी के सहारे चल रहे हैं। पद एवं योग्यता न होने के बावजूद भी कर्मचारी प्रभार लेकर मलाई छान रहे हैं। ऐसा ही एक मामला खनिज विभाग का प्रकाश में आया है। जहां तृतीय श्रेंणी के कर्मचारी खनिज सर्वेयर को खनिज अधिकारी का प्रभार दे दिया गया। जबकि उसे खनिज इंस्पेक्टर तक का प्रभार देने का नियम नहीं है। इसके बावजूद भी शासन के नियम-निर्देशों को दरकिनार करते हुए एक ऐसे कर्मचारी को खनिज अधिकारी का प्रभार दे दिया गया जो हमेंशा अवैध वसूली के नाम से चर्चित रहा है और उसके ऊपर निरंतर अवैध वसूली करने के आरोप लगते रहे हैं। हालांकि खनिज विभाग में सबसे बड़े कर्मचारी के रूप में सहायक मानचित्रकार, लिपिक, सर्वेयर, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं चपरासी कार्यरत हैं। यदि खनिज विभाग के कर्मचारियों को खनिज अधिकारी का प्रभार देना था तो सहायक मानचित्रकार को दिया जा सकता था। हालांकि उन्हें भी इस पद के प्रभार लेने की पात्रता नहीं है। अभी तक जब कभी भी खनिज अधिकारी का प्रभार देने की बात आती थी तो डिप्टी कलेक्टरों को खनिज अधिकारी का प्रभार दे दिया जाता था। इतना ही नहीं खनिज इंस्पेक्टर का प्रभार राजस्व निरीक्षकों को दिया जाता था। किंतु सीधी जिले में सबकुछ उल्टा ही होता है। पहले सहायक मान चित्रकार और सर्वेयर को खनिज इंस्पेक्टर का प्रभार दे दिया गया और अब सर्वेयर को खनिज अधिकारी बना दिया गया। खनिज विभाग की हालत काफी दिनों से दयनीय स्थिति में चल रही है। विगत कई वर्षों से सिंगरौली जिले के खनिज अधिकारी सीधी के प्रभार में रहे हैं। खनिज विभाग सीधी का मुख्य राजस्व आय का स्त्रोत है। इन सबके बावजूद भी खनिज विभाग की तरफ किसी की नजर नहीं जा रही है। जिले में अवैध उत्खनन चरम सीमा में हैं। रेत कोयला एवं पत्थर का ओव्हरलोड खुलेआम हो रहा है। खनिज अमला सुविधा शुल्क लेकर खुलेआम अवैध उत्खनन करा रहा है।

ठेकेदारों की बंद आईडी खोलने का चल रहा है खेल

यदि किसी अपात्र व्यक्ति को बड़ा पद दे दिया जाए तो वह दोनों हांथ से बटोरने लगता है। उसे लगता है कि उधार का जो पद मिला है जितना मिले सब इकट्ठा कर लो फिर अवसर मिलता है या नहीं। ऐसा ही कुछ हाल सर्वेयर बने खनिज अधिकारी का देखने को मिल रहा है। जिन डिफाल्टर ठेकेदारों की आईडी पूर्व के खनिज अधिकारियों द्वारा बंद कर दी गई थी अब उनकी आईडी खोलने का खेल चालू हो गया है। जिले में ऐसे कई कोयला भंडारण करने वाले व्यक्ति थे जो मापदंडों के विपरीत अवैध तरीके से कोयले का भंडारण कर अवैध व्यापार करते थे। उनका भंडारण निरस्त कर दिया गया था या बंद करने के निर्देश दे दिए गए थे। ऐसे कोयले के अवैध व्यापारियों को भंडारण की अनुमति देने की प्रक्रिया खनिज अधिकारी के द्वारा प्रारंभ कर दी गई है। जिले में दर्जनों ऐसे कोयले एवं रेत के भंडारण हैं जिनकी अनुमति खनिज विभाग के द्वारा नहीं ली गई है। खनिज अमला ऐसे अवैध व्यापार करने वाले व्यापारियों के खनिज को भंडारण किए गए खनिज को जप्त करने की कार्यवाही की बजाय सुविधा शुल्क लेकर उन्हें खुली छूट दे रखी है। अवैध खनिज उत्खनन एवं अवैध खनिज भंडारण की निरंतर शिकायत होने के बाद भी खजिन विभाग के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जाती। पूरा खनिज अमला वसूली में लिप्त रहता है। जिसके कारण शासन को हर महीनें लाखों रुपए राजस्व की हानि हो रही है।

नवागत पुलिस उप महानिरीक्षक ने ली थाना चौकी प्रभारियों की बैठक

एसपी कार्यालय,पुलिस लाईन, पुलिस कण्ट्रोल रूम, सीसीटीव्ही का किये निरीक्षण

जागरण, सीधी

नवागत पुलिस उप महानिरीक्षक रीवा क्षेत्रए रीवा भ्रमण हेतु पहुंचे सीधीए जिले के सभी थाना/चौकी प्रभारियों कि बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस लाईन, पुलिस कण्ट्रोल रूम तथा पुलिस सीसीटीव्ही कण्ट्रोल रूम का निरीक्षण किये। पुलिस उप महानिरीक्षक रीवा क्षेत्र रीवा राजेश सिंह पदभार ग्रहण करने के बाद भ्रमण पर पहली बार पुलिस अधीक्षक कार्यालय सीधी पहुंचे। जहां पर पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविंद्र वर्मा द्वारा पुष्पगुच्छ भेट कर उनका स्वागत किया गया तथा जिले के राजपत्रित अधिकारियों का परिचय कराया गया। तत्पश्चात सलामी गार्ड ने सलामी दी एवं सलामी लेने के पश्चात पुलिस उप महानिरीक्षक द्वारा सभागार पहुंचकर सभी थाना/चौकी प्रभारियों से विधिवत परिचय प्राप्त कर उनके क्षेत्रों के भौगोलिक एवं सामाजिक क्षेत्र की जानकारी लिये। पुलिस अधीक्षक सीधी द्वारा जिला सीधी के थाना/चौकी क्षेत्रों का संक्षिप्त विवरण दिया। तदुपरान्त पुलिस उप महानिरीक्षक रीवा जोन रीवा ने जिले मे हुए अपराधों की वर्तमान वर्ष के साथ विगत के वर्षों से तुलनात्मक समीक्षा किये एवं आवश्यक निर्देश दिए। दिशानिर्देश देने के उपरांत पुलिस उप महानिरीक्षक रीवा जोन रीवा ने अच्छा कार्य करने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत किया एवं बैठक का विसर्जन किया। बैठक मे पुलिस अधीक्षक डॉ. रविंद्र वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीमती गायत्री तिवारी, एसडीओपी कुसमी सुश्री रौशनी ठाकुर, एसडीओपी चुरहट आशुतोष द्विवेदी, रक्षित निरीक्षक वीरेंद्र कुमरे एवं समस्त थाना/चौकी प्रभारी तथा पुलिस अधीक्षक कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा। बैठक लेने के बाद पुलिस उप महानिरीक्षक रीवा क्षेत्र रीवा ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस लाईन, पुलिस कण्ट्रोल रूम तथा पुलिस सीसीटीव्ही कण्ट्रोल का भ्रमण कर निरीक्षण किये।

शहर/ग्रामीण अंचल की खबरें

पाइपों में लगी भीषण आग

जागरण, सीधी। नेशनल हाइवे रोड़ रोली मेमोरियल के पास नाले के पास रखे पाइप में आज शाम करीब 5 बजे आग लग गई। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि कूडे-करकट के ढेर में कचरा जलाने के उद्देश्य से कोई आग लगा दिया होगा। धीरे-धीरे आग चारों ओर कचरे में फैल गई एवं पास में रखे पाइपों के ढेर में आग पहुंच गई एवं देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। नेशनल हाइवे से निकलते हुए लोगों ने नगर पालिका परिषद एवं सिटी कोतवाली को कई बार सूचना दिए। किंतु करीब शाम 6 बजे तक आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड नहीं पहुंच पाई। पाइपों के ऊपर 33 हजार केव्ही की बड़ी लाईन निकली है। जिसमें भी आग पहुंच गई है एवं पास में खड़े ट्रकों में भी आग पहुंच सकती है।

डॉ. एसबी खरे को पुनः मिला सिविल सर्जन का पदभार

जागरण, सीधी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद डॉण्एसण्बी खरे को पुनः जिला अस्पताल सीधी में सिविल सर्जन सह अधीक्षक का पदभार मिल गया है। डॉण् खरे ने आज जिला अस्पताल पहुंचकर अपना पदभार ग्रहण किये। उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा याचिका क्रमांक 22491/2024 में पारित आदेश के अनुक्रम में राज्य शासन द्वारा विचारोपरांत डॉ. एसबी खरे को सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक का पदभार संभालने का आदेश जारी किया। उच्च न्यायालय ने आदेश में कहा था कि पूर्व चयन आदेश दिनांक 15 मार्च 2024 के अनुक्रम में डॉ. एसबी खरे यथावत सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक पद हेतु चयनित मान्य किये जावेगे। राज्य शासन ने डॉ. एसबी खरे, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक की नवीन पदस्थापना तत्काल प्रभाव से सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला सीधी के पद पर पदस्थ करने का जारी किया।

भाजपा युवा मोर्चा ने सोनिया और राहुल का फूंका पुतला

जागरण, सीधी। नेशनल हेराल्ड मामले मे कांग्रेस के द्वारा लगातार देश को गुमराह किए जाने के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा विरोध प्रदर्शन कर व सोनिया गांधी और राहुल गांधी का पुतला दहन कर भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान और सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक की गरिमामय उपस्थित में अपना विरोध दर्ज किया गया। पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी राहुल गांधी और सोनिया गांधी का पुतला लेकर पार्टी कार्यालय से निकलकर पूजा पार्क के पास पुतला दहन किया। इस दौरान सोनिया और राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगे। इस दौरान जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान, सीधी विधायक रीती पाठक, जिला उपाध्यक्ष अमलेश्वर चतुर्वेदी, सुरेश सिंह चौहान, डॉ. मनीला सिंह चौहान, पूनम सोनी, पंकज पाण्डेय, पुष्पराज सिंह चौहान, मुनिराज विश्वकर्मा, भाजयुमो पदाधिकारी शिवम सिंह, सौरभ द्विवेदी, विक्रमादित्य मिश्रा, जितेंद्र सिंह, प्रदीप मिश्रा, नीरज द्विवेदी, अजय गुप्ता सहित पार्टी पदाधिकारी और युवा मोर्चा के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री से मिले शिक्षक संघ सीधी के पदाधिकारी

जागरण, सीधी। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला इकाई सीधी ब्लॉक इकाई तहसील इकाई नगर इकाई के नवनिर्वाचित पदाधिकारियो का वृहद शपथ ग्रहण एवं दायित्व बोध कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, जिसको लेकर दिनांक 18 अप्रैल 2025 को माननीय राजेंद्र शुक्ला उपमुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन के निज निवास रीवा में शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय, पूर्व जिला अध्यक्ष राजबहोर पाठक, जिला सचिव रामजी शुक्ला, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी एवं उपाध्यक्ष श्याम सुंदर तिवारी सौजन्य भेंट कर मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए उपमुख्यमंत्री को निवेदन पत्र सौंपा गया। जिसमें मुख्यमंत्री द्वारा बहुत ही उदारता पूर्वक समारोह में उपस्थित होने के लिए स्वीकृत प्रदान की गई। शिक्षक संघ के पदाधिकारी द्वारा उपमुख्यमंत्री का पुष्प हार से स्वागत किया गया। इस मौके पर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ संस्कृतिक आयाम के संयोजक कौशलेंद्र मणि त्रिपाठी, शिक्षक संघ रीवा के जिला अध्यक्ष जितेंद्र चतुर्वेदी कोषाध्यक्ष, सचिव एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

झंडी दिखा विधायक करेंगे बसों को रवाना

जागरण, मझौली। सीएम राइज उत्कृष्ट विद्यालय मझौली को तीन-चार वर्षों बाद शासन स्तर से इस वर्ष तीन बसों की सौगात मिली है, जिन्हें आज 19 अप्रैल दिन शनिवार को क्षेत्रीय विधायक धौंहनी कुंवर सिंह टेकाम द्वारा दोपहर 11 हरी झंडी दिखा रवाना किया जाएगा। इस अवसर पर समारोह पूर्वक भव्य उद्घाटन कार्यक्रम संपन्न होगा। विद्यालय प्राचार्य के एल विश्वकर्मा द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि शिक्षा सत्र 2025-26 के बच्चों के लाने ले जाने के लिए शासन स्तर तीन बस विद्यालय को उपलब्ध हुई हैं, जिसका उद्घाटन समारोह कार्यक्रम 19 अप्रैल को क्षेत्रीय विधायक धौंहनी कुंवर सिंह टेकाम के मुख्य अतिथि में संपन्न कराया जा रहा है। जहां मुख्य अतिथि द्वारा हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया जाएगा। कार्यक्रम दोपहर 11:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिको, जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों से उपस्थित हो कार्यक्रम को सफल बनाने विद्यालय प्रबंधन द्वारा अपील की गई है।

अवैध रेत परिवहन में लिप्त वाहन चालक व स्वामी पर मामला दर्ज

जागरण, सीधी। अवैध रूप से रेत का परिवहन करने वाले वाहन चालक तथा वाहन स्वामी पर कमर्जी पुलिस ने मामला दर्ज कर अवैध रेत परिवहन मे प्रयुक्त वाहन मय रेत जप्त किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. रविंद्र वर्मा के कुशल निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव के व एसडीओपी चुरहट आशुतोष द्विवेदी के कुशल मार्गदर्शन तथा कमर्जी थाना प्रभारी उप निरी पवन सिंह के नेतृत्व मे कमर्जी पुलिस नें अवैध रूप से रेत का परिवहन करने वाले चालक व वाहन स्वामी पर मामला दर्ज करते हुए परिवहन मे प्रयुक्त वाहन मय रेत जप्त किया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी कमर्जी उनि पवन सिंह को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम चिलरी घाट सोन नदी तट पर लाल रंग के महिंद्रा ट्रैक्टर में अवैध रूप से रेत लोड की जा रही है। थाना प्रभारी कमर्जी ने सूचना की तस्दीक एवं कार्रवाई हेतु पुलिस टीम गठन कर रवाना किया जो मुखबिर के बताये स्थान चिलरी घाट पहुंची तो पुलिस को देखते ही ट्रैक्टर चालक ने लोड रेत को खाली कर भागने का प्रयास किया। पुलिस स्टाफ द्वारा घेराबंदी कर ट्रैक्टर को रोका गया, किंतु ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को छोड़कर फरार हो गया। मौके पर लाल रंग का महिंद्रा ट्रैक्टर मय ट्रूली में लगभग 10-12 तगाड़ी रेत लोड पाई गई। अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख रुपये आंकी गई। जिसके पश्चात ट्रैक्टर ट्रूली सहित रेत को पुलिस कब्जे में लिया गया। अज्ञात चालक एवं अज्ञात वाहन स्वामी का उक्त कृत्य अवैध रेत खनन परिवहन एवं चोरी से संबंधित धारा 303 (2), 317 (5) बीएनएस एवं धारा 4/21 खान खनिज अधिनियम 1957 एवं धारा 27, 29, 39, 51 वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 एवं धारा 2, 4, 21 भारतीय वन अधिनियम 1927, धारा 15 पर्यवारण संरक्षण अधिनियम 1986, धारा 53 (1), मप्र गौड खनिज नियम 1996 के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विवेचना मे लिया गया है। उक्त समस्त कार्रवाई में थाना प्रभारी कमर्जी उप निरी पवन सिंह, प्रधान आर राजू जायसवाल, अभय वर्मा, आर सोनू यादव, शुभम सिंह व मुकेश रावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में की जा रही सहभागिता

जागरण, सीधी। जल गंगा संवर्धन अभियान में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा जिले के सभी 25 सेक्टर में निरंतर जन सहभागिता से जल को बचाने एवं जन जागरूकता हेतु अनेकों प्रकार के कार्यक्रम संपन्न किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में कुसमी विकासखंड में स्थित बरी नदी पर डैम की साफ-सफाई एवं पानी को रोकने हेतु श्रमदान किया गया। श्रमदान में अखंड प्रताप सिंह, दसमतिया साहू तथा नवांकुर संस्था से रंजना नामदेव, लालता प्रसाद केवट, मनीषा केवट आदि ने श्रमदान किया। वहीं विकासखंड मझौली के सेक्टर खड़ौरा में यथार्थ लाल सेवा समिति के द्वारा निरंतर जलाशयों की सफाई अभियान का कार्यक्रम योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है। जिला समन्वयक शिवदत्त उरमलिया के द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार यह कार्य निरंतर 30 जून तक संचालित किया जाएगा जिसमें प्रस्फुटन समितियां, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के छात्र-छात्रा, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा जन सहभागिता से कार्यक्रम संपन्न होंगे।

सतपहरा विद्यालय में तीन साल से जल संकट, 1 किमी दूर से बच्चे लाते हैं पानी

जागरण, सीधी। जिले के बहरी तहसील अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरपुर संकुल में स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय सतपहरा में पानी की भारी किल्लत बनी हुई है। यह समस्या कोई नई नहीं, बल्कि बीते दो से तीन वर्षों से लगातार बनी हुई है। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिससे समस्या का समाधान हो सके। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने कई बार विभाग को अवगत करायाए आवेदन भी सौंपे गए, लेकिन अब तक कोई राहत नहीं मिली। विशेष रूप से पीएचई विभाग को आवेदन देने के बाद नल की स्वीकृति तो हुई, लेकिन उसमें भी भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई। दरअसल बहरी तहसील के अंतर्गत दो सतपहरा नामक विद्यालय हैं। एक अमरपुर संकुल में और दूसरा बाहरी संकुल में। स्वीकृति के बाद नल बाहरी संकुल वाले विद्यालय में स्थापित कर दिया गया, जबकि अमरपुर संकुल के सतपहरा विद्यालय की समस्या जस की तस बनी रही। विद्यालय में पढ़ने वाले छोटे-छोटे बच्चों को प्रतिदिन लगभग एक किलोमीटर दूर से पानी लाकर लाना पड़ता है। इससे बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी बढ़ गए हैं। गर्मी के मौसम में यह परेशानी और भी गंभीर हो जाती है। इस गंभीर समस्या को लेकर विद्यालय के कक्षा अध्यापकों सहित छात्रों ने गुरुवार शाम 4 बजे जिला शिक्षा अधिकारी पवन सिंह को शिकायत दर्ज करवाई है। ग्रामीणों ने भी मांग की है कि जल्द से जल्द विद्यालय में पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि बच्चों और शिक्षकों को इस मूलभूत समस्या से राहत मिल सके।

मेंटिनेंस कार्य के कारण 24 तक विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

जागरण, सीधी। अधीक्षक अभियंता (संचा-संधा) म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं. लिमि. ने जानकारी देकर बताया है कि सीधी (शहर) उपसंभाग क्षेत्रान्तर्गत पावर हाउस में 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र लाइनों के साथ-साथ डी.टी.आर. मेन्टीनेंस हेतु 150 मानव शक्ति प्री मानसून कार्य हेतु फीडरों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि 11 के.व्ही. सिटी 2 में दिनांक 19 अप्रैल 2025 को हास्पिटल चौक सम्राट चौक नूतन कॉलोनी पुलिस लाइन पड़ैनिया बटौली हिनौता, 11 के.व्ही. गोपालदास फीडर में दिनांक 20 अप्रैल 2025 एवं 21 अप्रैल 2025 को गोपालदास मंदिर नया बसस्टैण्ड मुठिगमा, 11 के.व्ही. सिटी 01 में दिनांक 22 अप्रैल 2025 को अमहा इन्द्रनगर थनहवा टोल, 11 के.व्ही. हाउसिंह बोर्ड में दिनांक 23 अप्रैल 2025 को प्रियदर्शनी नगर कॉलोनी एवं 11 के.व्ही. कॉलेज फीडर में दिनांक 24 अप्रैल 2025 को करौदिया उत्तर अर्जुन नगर मधुरी जिला पंचायत वर्मा कॉलोनी में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। मेंटिनेंस का कार्य निर्धारित दिवसों में सुबह 7 बजे से 12 बजे तक किया जाएगा। कार्य की अधिकता के आधार पर समय को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

नरवाई जलाने से घटती है खेत की उर्वरा शक्ति

जागरण, सीधी। वर्तमान में गेहू फसल की कटाई चल रही है। कटाई के बाद कुछ किसान भाई गेहूँ के अवशेष (नरवाई) को जला देते है। नरवाई जलाने से पर्यावरण को भारी क्षति पहुँचती है, साथ ही खेत की मिट्टी के लाभदायक सूक्ष्म जीवाणु मर जाते हैं। कहने का आशय है कि भूमि गर्म हो जाने से उर्वरता घट जाती है। इसलिए किसान भाईयों से अपील की गई है कि गेंहूँ की कटाई के बाद नरवाई न जलाएँ। नरवाई जलाना दण्डनीय अपराध है। फसल के अवशेष जलाने से फैलने वाले प्रदूषण पर अंकुश, अग्नि दुर्घटनाएँ रोकने एवं जान-माल की रक्षा के उद्देश्य से नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के दिशा-निर्देशों के तहत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा आदेश जारी कर जिले में गेहूँ की नरवाई इत्यादि जलाने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जा चुका है। आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-223 के तहत कार्रवाई होगी। साथ ही किसी ने अवशेष जलाए तो उसे पर्यावरण मुआवजा भी अदा करना होगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि दो एकड़ से कम भूमि धारक को 2500 रूपए प्रति घटना, दो एकड़ से अधिक व पाँच एकड़ से कम भूमि धारक को पाँच हजार रूपए प्रति घटना एवं पाँच एकड़ से अधिक भूमि धारक को 15 हजार रूपए प्रति घटना पर्यावरण मुआवजा देना होगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि हार्वेस्टर मशीन संचालकों को हार्वेस्टर के साथ अनिवार्यतः स्ट्रारीपर (भूसा बनाने की मशीन) लगाकर कटाई करनी होगी। यदि कोई कृषक बिना स्ट्रारीपर के फसल काटने के लिये दबाब डालता है तो उसकी सूचना संबंधित पुलिस थाने, ग्राम पंचायत सचिव या ग्राम पंचायत निगरानी अधिकारी को देना होगी।

पात्र हितग्राही खुद कर सकते हैं ई-केवायसी

जागरण, सीधी। प्रदेश में पीडीएस अंतर्गत उचित मूल्य की दुकानों से राशन प्राप्त करने वाले सभी हितग्राहियों की ई-केवायसी कराने के लिए 9 से 30 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन पर ई-केवायसी की सुविधा भी गुरूवार से उपलब्ध करायी जा रही है। इसके लिए मेरा ई-केवायसी ऐप प्रदेश में लांच किया गया है। इस ऐप के माध्यम से राशन लेने वाले वृद्ध, दिव्यांग एवं बच्चों सहित कोई भी हितग्राही किसी भी एन्ड्राइड मोबाईल फोन से अपना और अपने परिजन का आधार नम्बर ओटीपी दर्ज करके घर बैठे ई-केवायसी कर सकते हैं। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि ऐप के साथ ही राशन लेने वाले हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हर जिले में गांव और वार्ड स्तर पर ई-केवायसी कराने के लिए शिविर लगाये जा रहे हैं। खाद्य मंत्री ने प्रदेश के सभी राशन लेने वाले हितग्राही, जिन्होने अभी तक ई-केवायसी नहीं करवाई है, उन सभी से अपील की है कि अभियान के तहत मोबाईल फोन अथवा पीओएस मशीन से अतिशीघ्र अपनी और अपने परिवारजनों की शत-प्रतिशत ई-केवायसी पूर्ण करायें। इससे मई माह से आप सभी को सुविधापूर्वक राशन प्राप्त हो सकेगा।

दस हजार से अधिक लोगों ने भंडारे का प्रसाद किया ग्रहण

अधिकारी, कर्मचारी सहित राष्ट्रीय नेता, पूर्व विधायक, कार्यकर्ता हुए शामिल

जागरण, मझौली

जिले के मझौली नगर परिषद क्षेत्र अन्तर्गत पुलिस थाना मझौली के पीछे आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानामृत ज्ञान यज्ञ के समापन विगत 16 अप्रैल संपन्न हुआ। इसके उपरांत 17 अप्रैल दिन गुरुवार को हवन पूजनए कन्या व ब्राह्मण भोज के साथ विशाल भंडारा आयोजित किया गया। जहां लगभग 10 हजार के संख्या में पहुंचे लोगों ने प्रेम पूर्वक प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किए। जिसमें राष्ट्रीय स्तर नेता, पूर्व विधायक, जिला स्तर तक के पार्टी कार्यकर्ता, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे। भंडारा दोपहर 12 बजे से चालू किया गया जो रात लगभग 11 बजे तक चलता रहा। बता दें कि कथा का शुभारंभ 10 अप्रैल को विशाल कलश शोभा यात्रा के साथ किया गया था। जहां 7 दिनों तक सुनियोजित ढंग से लोगों को कथा का रसपान कर पुण्य लाभ प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया गया। आठवे दिन 17 अप्रैल को हवन पूजन कन्या व ब्राह्मण भोज के साथ विशाल भंडारा आयोजित किया गया। जहां पर हजारों की संख्या में पहुंचे भक्त प्रेमी, लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त कर कार्यक्रम की जमकर सराहना भी किये। आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के भंडारे में सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध को ध्यान में रखते हुए यहां लोगों को जमीन पर बैठा पत्तल की पतली में रुचिकर प्रसाद, पूड़ी, तीन तरह की सब्जी, दाल, चावल, सलाद, बूंदी, फल परोस जमीन में बैठाकर लोगों को प्रसाद ग्रहण कराया गया। जहां अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक भी लोगों के बीच बैठकर प्रेम पूर्वक प्रसाद ग्रहण किये। तथा आयोजक भक्तगणों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम की सराहना की।

हनुमान मंदिर के पास हुआ विसर्जन

आज 18 अप्रैल को सुबह-सुबह उत्साह पूर्वक कार्यक्रम स्थल पर लोग एकत्रित हो कथा स्थल पर प्रतिस्थापित देवी देवताओं का विसर्जन मझौली क्षेत्र कि पश्चिम दिशा में सीधी शहडोल सीमा बनाने वाली पवित्र बनास नदी में जहां तट पर प्राचीन मंदिर में संकट मोचन वीर बजरंगबली प्राचीन मूर्ति स्थापित है किया गया इस दौरान भी आयोजक भक्तिगणों के साथ क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, लोग व सहयोगीगण सैकड़ो की संख्या में शामिल रहे।

थाना प्रभारी ने जताया आभार

कथा के इस सफल आयोजन को लेकर दंडी संन्यासी महाराज, कथावाचक ध्रुव, सभी साधू सन्तए भजन गायक एवादक मंडली के कलाकारो जो बनारस यूपी से आए हुए थे। दूर दराज से कथा श्रवण करने व भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने आए नेताओं, पार्टी कार्यकर्ताओं जन प्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों, आयोजक धर्म प्रेमी भक्तों, सह्योगियों के साथ उन सभी जनता जर्नादन का जिन्होंने अपना अमूल्य समय देकर कथा श्रवण किये तथा कार्यक्रम को सफल-सफल बनाने में विशेष सह्योग प्रदान किये। आयोजक धर्म प्रेमी भक्तों की तरफ से थाना प्रभारी मझौली दीपक सिंह का तहे दिल से आभार ज्ञापित किया गया।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं में फूंका जोश

जिला कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में जीतू पटवारी ने सरकार पर बोला हमला

जागरण, छतरपुर

जिला मुख्यालय पर शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी का जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, मध्यप्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और सह प्रभारी चंदन यादव ने शिरकत की। सम्मेलन में छतरपुर जिले की सभी 6 विधानसभा सीटों से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने का मंत्र दिया गया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, देश की जनता ने हमें इस समय विपक्ष की भूमिका दी है, जिसे हम पूरी जिम्मेदारी से निभा रहे हैं। हमारा पहला कर्तव्य संगठन को मजबूत करना है और उसके लिए हम कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर रहे हैं। आप सभी का जज्बा यह बता रहा है कि कांग्रेस कार्यकर्ता सरकार से लडने् के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। पटवारी ने प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि, अगर मध्यप्रदेश के मंत्रियों की जांच की जाए तो सभी जेल में होंगे। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है, कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ चुकी है। आज ही बिजावर में खुलेआम एक इनामी बदमाश ने हत्या की है, और इस सबके बावजूद सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने भारत को विश्वगुरु बनाने की बात कही थी लेकिन आज भारतीय पासपोर्ट की स्थिति ही सब कुछ बयां कर रही है। देश में अघोषित इमरजेंसी जैसे हालात हैं और माफियाओं का बोलबाला है।

पुलिस ने 88 गुम हुए मोबाइल फोन खोजकर लौटाए

छतरपुर। छतरपुर पुलिस ने तकनीकी सहायता से 88 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके स्वामियों को लौटाए हैं। इन मोबाइल की कुल कीमत लगभग 12 लाख रुपये आंकी गई है। मोबाइल फोन गुम होने से संबंधित आवेदनों पर कार्रवाई करते हुए साइबर सेल और जिले के विभिन्न थानों की पुलिस टीम ने यह सफलता हासिल की है।

पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने बताया कि गुम हुए मोबाइल खोजने के लिए थानों के पुलिसकर्मियों को तकनीकी पोर्टल संबंधी प्रशिक्षण भी दिया गया था। पुलिस ने सैमसंग, वन प्लस, रेडमी, रियलमी, ओप्पो, वीवो, आई टेल समेत विभिन्न कंपनियों के मोबाइल ट्रेस कर बरामद किए। ये मोबाइल छात्र-छात्राओं, मजदूरों, रिक्शा चालकों, एनजीओ कर्मचारियों, किसानों और गृहणियों के थे। पुलिस कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में मोबाइल फोन उनके स्वामियों को सौंपे गए। शेष मोबाइल फोन संबंधित थानों में वितरित किए गए। मोबाइल मिलने पर लोगों ने पुलिस टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विदिता के मार्गदर्शन में साइबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक किशोर पटेल, किशोर कुमार, धर्मराज, विजय सिंह, राजीव सिंह, मयंक यादव, अभय एवं जिले के सभी प्रशिक्षित पुलिसकर्मी शामिल रहे।

ग्राम अमहा वासुदेव की भूमियों के क्रय विक्रय न किये जाने के सम्बंध में सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भूमि क्र. 544, 551, 554, 545, 474/2 475 कुल 6 किता स्थित ग्राम अमहा बासुदेव तहसील हनुमना का स्वत्व/पटटा श्री मान. एस. बी. वर्मा द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट मऊगंज द्वारा, नियमित सिविल अपील क्र. 64ए/2006 आदेश दिनांक 16-10-2006 को अवैध एवं फर्जी घोषित कर दिया गया है। उक्त भूमियां शासन के हित में सरकारी घोषित है जिसके सम्बन्ध में इजराय प्रकरण क्र. 295 ए /74/15-16 माननीय तहसीलदार साहब हनुमना के न्यायालय में विचाराधीन है, उक्त भूमियों के क्रय-विक्रय के संबन्ध में आपत्ति जिला पंजीयक रीवा, एवं उपपंजीयक कार्यालय हनुमना में की गयी है यदि कोई व्यक्ति उक्त भूमियों का क्रय-विक्रय करता है तो होने वाले क्षति का स्वयं जिम्मेदार होगा।

प्रार्थी
राकेश कुमार बहेलिया
ग्राम-अमहा बासुदेव
वार्ड क्र. 3 हनुमना
जिला मऊगंज (म.प्र.)
मो. नं. : 8528713153

नरवाई जलाने पर किसानों को लगेगा जुर्माना

कृषि उत्पादन आयुक्त ने वीसी के माध्यम से की समीक्षा

छतरपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव किसान कल्याण तथा कृषि विकास म.प्र. भोपाल के द्वारा गुरुवार को वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से खेतों में नरवाई में आग लगाने की घटनाओं को रोकने के संबंध में समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। छतरपुर जिले के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर पार्थ जैसवाल सहित कृषि विभाग तथा सम्बन्धित अधिकारी जुड़े रहे। वी.सी. उपरांत कलेक्टर श्री जैसवाल ने अधिकारियों को खेतों की नरवाई में आग लगाने की घटनाओं को रोकने के संबंध में ग्राम पंचायत स्तर पर पटवारी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं संबंधित क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी की कमेटी गठित करने के निर्देश दिए। गठित कमेटी सेटेलाईट से प्राप्त नरवाई जलाने की घटना की पुष्टि कर प्रतिवेदन संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार को प्रस्तुत करेगी। प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार तहसीलदार दण्ड अधिरोपित करने की कार्यवाही सुनिश्चित करेगें।

नेशनल ग्रीन ट्रिव्यूनल द्वारा निर्धारित दंड का प्रावधान

पर्यावरण सुरक्षा के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिव्यूनल द्वारा नरवाई जलाने पर 02 एकड से कम भूमि धारक को 2500 रुपये प्रति घटना, 02 से 05 एकड भूमि धारक कृषक को 5000 रुपये प्रति घटना तथा 05 एकड से अधिक भूमि धारक कृषक को 15000 रुपये प्रति घटना दण्ड का प्रावधान किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा किसान भाइयों से अपील की जाती है कि पर्यावरण प्रदूषण, मृदा की उर्वरता बनाये रखने एवं जन-धन हानि को रोकने अपने खेतों की नरवाई को न जलाएं बल्कि उसका उचित प्रबंधन जैसे स्ट्रारीपर की सहायता से भूषा निर्माण अथवा रिवर्सिवल प्लाऊ, रोटावेटर जैसे उपकरणों से मिट्टी में मिला कर मृदा को उपजाऊ बनाये।

5वीं की फर्जी अंकसूची लगाकर सहायिका के पद पर आंगनवाड़ी केंद्र ठकुर्रा के लिए 2 आवेदिकाओं पर होगी कानूनी कार्रवाई

जागरण, छतरपुर। डीपीओ महिला एवं बाल विकास छतरपुर राजीव सिंह ने बताया कि आंगनवाड़ी केन्द्र ठकुर्रा में आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पद के लिए विभाग द्वारा आवेदन आमंत्रित किए गए थे। जिसमें ग्राम पोस्ट ठकुर्रा निवासी दो आवेदिकाओं द्वारा किए गए आवेदन में 5वीं की अंकसूची फर्जी पाए जाने पर थाना गौरीहार को संबंधित के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने के लिए पत्र भेजा गया है। आवेदिका साधना सिंह पत्नी जयेन्द्र सिंह परिहार द्वारा सहायिका पद हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था। आवेदन के साथ कक्षा 5वीं की अंकसूची संलग्न की गई थी। जिसमें दावा आपत्ति प्राप्त होने पर साधना सिंह पुत्री तेजबहादुर की कक्षा 5वीं की अंकसूची की जांच हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जनपद चित्रकूट (उ.प्र.) को लेख किया गया। उक्त अंकसूची के संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जनपद चित्रकूट (उ.प्र.) के जांच प्रतिवेदन अनुसार क्रमांक 1722 पर दिलीप कुमार साहू का नाम अंकित था जिसको काटकर साधना सिंह का नाम अंकित किया गया है। जिससे स्पष्ट है कि अंकसूची कूटरचित है। साथ ही रन्नो देवी यादव पत्नी विजय बहादुर यादव द्वारा सहायिका पद हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था। आवेदन के साथ कक्षा 5वीं की अंकसूची संलग्न की गई, जिसमें दावा आपत्ति प्राप्त होने पर रन्नो देवी यादव पुत्री रामराज की कक्षा 5वीं की अंकसूची की जांच के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जिला बांदा (उ.प्र.) को लेख किया गया। उक्त अंकसूची के संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बांदा के जांच प्रतिवेदन पत्र अनुसार अंक पत्र में दर्ज प्रवेशांक 2446 में रन्नों देवी यादव की जगह रेखा पुत्री सीताराम निवासी खाईपार बांदा दर्ज पाया गया। अंक प्रमाण के मिलान अनुसार रन्नों देवी की कक्षा 5वी की अंकसूची फर्जी पाई गई।

उक्त दोनों के विरुद्ध जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक में जिला चयन समिति द्वारा लिए गए निर्णय के पालन में थाना गौरीहार में वैधानिक कानूनी कार्रवाई किए जाने के लिए लेख किया गया है।

श्री चित्रगुप्त मंदिर में हुई महाआरती

रीवा। श्री चित्रगुप्त मंदिर तरहटी में गुरुवार को आयोजित साप्ताहिक सामूहिक महाआरती के प्रमुख यजमान यूनियन बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय के उप महाप्रबंधक अजय खरे का श्री चित्रगुप्त अखाड़े के महंत डॉ.गोविन्द नारायण चित्रगुप्त ने सम्मान किया। इस अवसर पर प्राचार्य नवनीत खरे, रेंज ऑफिसर डॉ. गौरव सक्सेना, मंदिर के व्यवस्थापक वीरेंद्र श्रीवास्तव, मीरा श्रीवास्तव सहित काफी भक्त उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या 09/2025/आर.एस./जे.एच.एस. **दिनांक : 16.04.2025**

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर (चल स्टॉक), उत्तर मध्य रेल, झाँसी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं. : झाँसी-आर.एस.-डब्ल्यू.सी.-टी3-2024-25-आर.टी.1

कार्य का विवरण : विद्युत लोको शेड, झाँसी के लिए तीन वर्ष की अवधि के लिए एनर्जी मेनेजमेंट सिस्टम आई.एस.ओ.-50001:2018 का सर्टिफिकेशन एवं आई.एस.ओ.-9001:2015, आई.एस.ओ.-14001:2015, आई.एस.ओ.-45001:2018 का रि-सर्टिफिकेशन करना।

निविदा मूल्य : Rs. 123416.00 | **बयाना राशि : Rs.** 2500.00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि : 32 माह

निविदा सं. : झाँसी-आर.एस.-डब्ल्यू.सी.-टी36-2024-25

कार्य का विवरण : दो वर्ष की अवधि के लिए एच.ई.सी. मेक अण्डरफ्लोर व्हील लेथ मशीन माडल एल. यू. डब्ल्यू-170 बी. के ब्रेक डाउन अनुरक्षण के साथ वार्षिक रखरखाव करना।

निविदा मूल्य : Rs. 5168848.12 | **बयाना राशि : Rs.** 103400.00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि : 27 माह

निविदा बंद होने की तिथि : 13.05.2025

निविदाकार निविदा दिनांक **13.05.2025** को **15:00** बजे तक आनलाईन जमा कर सकेगें। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के बेवसाईट **http://www.ireps.gov.in** पर देखे। **673/25(AS)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

गढ़ा के स्कूल को मिली नई पहचान, अब बागेश्वर धाम के नाम हुआ विद्यालय

छतरपुर। जिले के जनपद शिक्षा केंद्र राजनगर अंतर्गत आने वाले माध्यमिक विद्यालय गढ़ा का नाम परिवर्तित हो गया है। अब यह विद्यालय सिद्ध क्षेत्र बागेश्वर धाम के नाम से जाना जाएगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने नया नाम देते हुए आदेश जारी किया है।

जानकारी के मुताबिक लोक शिक्षण संचालनालय ने पत्र क्रमांक/भवन/ सी/ नाम प्रस्ताव /14/2025/73 दिनांक 17/04/25 को जारी आदेश में शासकीय माध्यमिक शाला गढ़ा विकासखंड राजनगर का नाम परिवर्तित करते हुए शासकीय माध्यमिक शाला श्री बागेश्वर धाम गढ़ा किया है। संचालक लोक शिक्षण डीएस कुशवाह ने आदेश में उल्लेख किया है कि कलेक्टर छतरपुर के प्रस्ताव दिनांक 11 अप्रैल 2025 अनुसार नवीन नामकरण के संबंध में जारी शासन निर्देश क्रमांक/एफ/ 19-196/ 2003/ 1/4 भोपाल दिनांक 23 जून 2004 एवं क्रमांक/एफ-44-20/ 2012/ 20-2 भोपाल दिनांक 4 /9 /2014 के क्रम में जिला स्तर पर गठित समिति के अनुमोदन उपरांत शासकीय माध्यमिक शाला गढ़ा का नाम बदलकर सिद्ध क्षेत्र बागेश्वर धाम के नाम से किया गया है। दुनिया भर में आस्था के केंद्र बागेश्वर धाम में लाखों श्रद्धालु बालाजी के दर्शन करने आते हैं। मूल रूप से यह स्थान ग्राम गढ़ा में है। समूचे विश्व में इस स्थान की पहचान बागेश्वर धाम के रूप में बनी है। इसलिए शासन ने कलेक्टर के प्रस्ताव पर गढ़ा स्थित माध्यमिक शाला का नाम बदलकर माध्यमिक शाला श्री बागेश्वर धाम गढ़ा कर दिया है। गांव के लोगों में इस निर्णय के प्रति खुशी जाहिर की गई है। लोगों का कहना है कि जिस नाम से पूरे दुनिया में गांव विख्यात हुआ है वहां के विद्यालय का नाम अगर बदल गया है तो यह अत्यंत सराहनीय है। ग्रामीणों ने समीपी रेलवे स्टेशन का नाम भी बागेश्वर धाम के नाम से किए जाने की मांग की है।

स्कूलों में नामांकन के मामले में रीवा संभाग प्रदेश में अव्वल, मंत्री ने थपथपाई अधिकारियों की पीठ

जागरण, रीवा। सरकारी स्कूलों में छात्रों को प्रवेश दिलाने के मामले में रीवा संभाग प्रदेश में टॉप पर है। इस उपलब्धि पर प्रदेश के शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों की जमकर तारीफ की। जेडी, डीईओ, डीपीसी की पीठ भी थपथपाई। ज्ञात हो कि इस मर्तबा शैक्षणिक सत्र की शुरुआत 1 अप्रैल से ही हो गई है। सरकारी स्कूलों में प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया। लगातार चार दिनों तक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अधिकारी से लेकर जनप्रतिनिधि तक विद्यालय पहुंचे। स्कूलों में छात्रों का अधिक से अधिक नामांकन कराने के लिए शिक्षकों को गांव गांव, गली गली दौड़ाया गया। शिक्षक भरी दोपहर छात्रों को स्कूल तक लाने में लगे रहे। अब इसका परिणाम सुखद सामने आया है। शिक्षकों की मेहनत का ही नतीजा है कि प्रदेश में रीवा संभाग के सभी जिले नामांकन के मामले में टॉप 10 में जगह बनाने में सफल रहे हैं। गुरुवार को स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने एनआईसी में सभी शिक्षा विभाग के अधिकारियों की वीसी बुलाई। इस वीडियो कान्फ्रेंसिंग में शिक्षा मंत्री ने रीवा संभाग और कमिश्नर की जमकर तारीफ की। रीवा संभाग में भी सतना जिला नामांकन के मामले में सबसे आगे हैं। सतना जिला शिक्षा अधिकारी टीपी सिंह को भी शिक्षा मंत्री ने बधाई दी। जेडी लोक शिक्षण संचालनालय केपी तिवारी को भी बेहतर कार्य के लिए शुभकामनाएं दी। वीसी में रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली जिला के जिला शिक्षा अधिकारी, डीपीसी, डाइट प्राचार्य, जेडी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यालय वनमंडलाधिकारी, वनमण्डल सा० रीवा (म.प्र.)

जयन्ती कुंज, झिरिया, रीवा
E-Mail- dfot.rwa@mp.gov.in , Phone- 07662- 251335

क्रमांक/भण्डार/ 3357 रीवा, दिनांक 11.04.2024
प्रति,

ई-निविदा सूचना

वनमण्डल रीवा अंतर्गत वर्ष 2025-26 में विभिन्न योजनाओं के तहत वानिकी कार्यों में पौधे रोपित किये जाने हेतु समस्त कर एवं परिवहन सहित पौधों की आपूर्ति हेतु ई-निविदा एम0पी0 टेण्डर पोर्टल में www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार हैः-

Tender Sale Start Date -	15.04.2025	Time 11.00 AM
Bid Submission Start Date -	15.04.2025	Time 11:30 AM
Bid Submission Closing Date-	28.04.2025	Time 03.00 PM
Bid Opening Date -	29.04.2025	Time 04:30 PM

1. इच्छुक व्यापारीगण/संस्था ई-निविदा संबंधी संपूर्ण जानकारी www.mptenders.gov.in वेबसाइट पर प्राप्त करें। निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र प्राप्त हो सकेगा।
2. निविदा प्रपत्र शुल्क एवं एवं ई.एम.डी. की राशि ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त की जायेगी। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
3. उक्त निविदा हेतु निर्धारित फार्म एवं विस्तृत शर्तों की जानकारी www.mptenders.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

(लोकेश निरापुरे भा.व.से.)
वनमण्डलाधिकारी
वनमण्डल (सा.) रीवा

G-11735/25

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

आवश्यकता है

दीपाली टाइल्स को रिसेप्सनिष्ट की योग्यता ग्रेजुएट टैली अनिवार्य वेतन 7000 रूपये प्रतिमाह शाप टाइम सुबह 10 से शांय 7:30 तक संपर्क सूत्र
मो. 9406752516, 8770797938
पताः न्यू बस स्टैण्ड टी.वी.एस. एजेन्सी के बगल में रीवा (म.प्र.)
RN 80567 (19.4)

श्रेणी में सुधार के लिए छात्रों को मिलेगा एक और अवसर

जागरण, रीवा। नई शिक्षा नीति की कमियों को एक-एक कर दूर किया जा रहा है। इसमें कुछ संशोधन भी सामने आए हैं। इसमें एक व्यवस्था विद्यार्थियों की श्रेणी सुधार के लिए रखी गई है। विद्यार्थी अपनी पिछली परीक्षा के रिजल्ट से संतुष्ट नहीं होने पर यूजी और पीजी में दोबारा से परीक्षा देकर श्रेणी में सुधार कर सकेंगे। इसके बाद अंकों की बढ़ोतरी होने पर दोबारा से अंकसूची जारी की जाएगी। यह व्यवस्था आगामी सत्र से शुरू कर दी जाएगी। नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों की शिक्षा को बेहतर बनाने और उनकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए तैयार की गई है। ऐसे ही कुछ तथ्य नीति में संशोधन कर जोड़े गए हैं। इससे विद्यार्थियों की मेरिट में सुधार हो सकेगा। इसके तहत अध्यादेश क्रमांक 14 (ए) और 14 (बी) को जारी किया गया है। अध्यादेश में प्रस्तावित बिंदु पांच में श्रेणी सुधार की व्यवस्था बताई गई है। इसके तहत कोई विद्यार्थी स्नातक (यूजी) के प्रथम वर्ष में किसी कारण पेपर में कुछ अंक कम लाता है और वह दूसरे वर्ष में पहुंच जाता है। वह प्रथम वर्ष के रिजल्ट से संतुष्ट नहीं है और उसे लगता है कि वह उक्त विषय का पेपर दोबारा देकर उसमें और अच्छे अंक हासिल कर सकता है, तो उसे इसके लिए श्रेणी सुधार के लिए विवि में आवेदन करना होगा। विवि से स्वीकृति मिलने के बाद विद्यार्थी द्वितीय वर्ष की परीक्षा के साथ प्रथम वर्ष में श्रेणी सुधार के लिए चयनित पेपर की भी परीक्षा दे सकेगा। इसमें वह बेहतर अंक हासिल कर लेता है, तो उसे द्वितीय वर्ष के साथ प्रथम वर्ष की अंक बढ़ोतरी वाली मार्कशीट दी जाएगी। यह व्यवस्था प्रथम और द्वितीय वर्ष के साथ तृतीय वर्ष तक लागू रहेगी। मतलब विद्यार्थी प्रथम और द्वितीय वर्ष के पेपर चयनित कर तीसरे वर्ष के साथ दे सकेगा। उन्हें अंतिम वर्ष में विवि द्वारा श्रेणी सुधार की अंक सूची दी जाएगी। रिजल्ट में विद्यार्थियों के अंक कम आते हैं, तो उन्हें दोबारा से अंकसूची नहीं दी जाएगी। उनकी पूर्व में जारी की गई अंकसूची ही अस्तित्व में बनी रहेगी। यही व्यवस्था स्नातकोत्तर (पीजी) के सेमेस्टर प्रणाली में भी लागू रहेगी। अध्यादेश में व्यवस्था को वर्तमान सत्र से लागू करने का निर्णय लिया गया है, लेकिन विवि में उक्त व्यवस्थाएं होती नहीं दिखाई दे रही हैं।

नाम सुधार सूचना

मैं अनीत कुमार पटेल उम्र 51 वर्ष पिता स्व. श्री रामकिशोर पटेल निवासी वार्ड नं. 43. चिरहुला मंदिर के पास चिरहुला रीवा, तहसील हुजूर नगर, जिला रीवा (म.प्र.) एवं आधार नं. 4491 5995 1354 है। शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे स्वामित्व की भूमियों मौजा चिरहुला, पटवारी हल्का चिरहुला, तहसील हुजूर, जिला रीवा (म.प्र.) में स्थित है जिसमे कुछ राजस्व रिकार्ड में मेरा नाम अनीत कुमार पटेल दर्ज है तथा कुछ रिकार्ड में अनिल कुमार पटेल दर्ज है। उक्त नाम अनीत कुमार पटेल एवं अनिल कुमार पटेल एक ही व्यक्ति अर्थात मेरा ही नाम हैं। अतः राजस्व रिकार्ड में दर्ज मेरा नाम अनिल कुमार पटेल की जगह अनीत कुमार पटेल अंकित किया जाए एवं लिखा, पढ़ा व जाना जाए। यदि भविष्य में कभी कोई विवाद या परेशानी होती है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी।

RN- 80569 अनीत कुमार पटेल

नाम सुधार सूचना

मैं दिव्यांशी वर्मा आयु 19 आत्मजा श्री अशोक कुमार वर्मा मकान नम्बर 15/322, समान चुंगी नाका, रतहरा, इलाहाबाद रोड, तहसील हुजूर नगर, जिला रीवा (म.प्र.) की निवासी हूँ एवं शपथपूर्वक कथन करती हूँ कि मेरा नाम दिव्यांशी वर्मा पिता जी का नाम श्री अशोक कुमार वर्मा एवं माता जी का नाम श्रीमती शान्ति पटेल है। मैंने वर्ष 2022 में 10वीं की परीक्षा ज्योति सीनियर हायर सेकण्डरी स्कूल, इलाहाबाद रीवा में अध्ययनरत रहते हुये उत्तीर्ण की है। मेरी कक्षा 10वीं की मार्क्सशीट में मेरे पिता का नाम डॉ. अशोक कुमार वर्मा एवं माता जी का नाम डॉ. शान्ति पटेल दर्ज है, जबकि मेरे समस्त अभिलेखों में पिता जी का नाम अशोक कुमार वर्मा एवं माता का नाम शान्ति पटेल दर्ज है। अतः मेरे कक्षा 10वीं की मार्क्सशीट में मेरे पिता जी का नाम अशोक कुमार वर्मा एवं माता का नाम शान्ति पटेल दर्ज कर दिया जाय एवं लिखा, पढ़ा व जाना जाए।

RN- 82211 दिव्यांशी वर्मा

न्यायालय नायब तहसीलदार वृत्त मनिकवार तहसील रायपुर कर्चुलियान जिला रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/20/प्रवा./मनिक./2025 रायपुर कर्चुलियान, दिनांक 15.4.2025

प्रकरण क्रमांक 0859/अ-6/2024-25

1. फूलवती पटेल पति दयाशंकर पटेल निवासी ग्राम उमरी तहसील रायपुर कर्चुलियान रीवा (म.प्र.) .....**आवेदक**

बनाम

1. नर्वदा प्रसाद पिता काशी प्रसाद पटेल मृतक (लावल्द फौत) 2. कैलाश प्रसाद पटेल 3. कृष्णा प्रसाद पटेल दोनों के पिता जानकी प्रसाद पटेल दोनों निवासी ग्राम उमरी तहसील रायपुर कर्चुलियान रीवा (म.प्र.) ..... **अनावेदकगण**

आम इश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण सूचित किया जाता है कि उपरोक्त उन्मानी प्रकरण इस न्यायालय में ग्राम उमरी पटवारी हल्का उमरी तहसील रायपुर कर्चुलियान की आराजी नम्बर 139/3, 152/3, 341/1/3, 473, 517/3, 518/3, 519/3, 1217/2 के आधार पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र विचाराधीन है, जिसकी सुनवाई की पेशी दिनांक 29.04.2025 को नियत है।

अतएव उक्त के संबंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित दिनांक को समय 11:00 बजे सुबह स्वतः या अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर प्रकरण में अपना पक्ष रख सकते हैं। नियत दिनांक को उपस्थित न होने पर अथवा नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी। आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी

नायब तहसीलदार
वृत्त-मनिकवार
तहसील रायपुर कर्चुलियान
आर.एन. 82220 **जिला-रीवा (म.प्र.)**

कार्यालय, कलेक्टर एवं भू-अर्जन अधिकारी जिला-रीवा मध्यप्रदेश

क्रमांक 219 /भू-अर्जन/2025 रीवा, दिनांक :- 08.04.2025

आम सूचना का प्रकाशन/इश्तहार

सर्व साधारण को सूचति किया जाता है कि रीवा जिले के रघुराजगढ़ दुअरा मार्ग में दुअरा स्कूल के पास नाले पर जलमग्नीय पुल एवं पहुँचमार्ग निर्माण कार्य के लिए धारणाधिकार की भूमि की आवश्यकता होने से उपरोक्त भू-स्वामियों की भूमि क्रय हेतु विचारार्थ लिया गया है।

ग्राम-दुअरा 04, तहसील-मनगवां, जिला रीवा (म0प्र0)

क्रमांक	भूमि-स्वामी का नाम	खसरा नं0	रकवा (हे0 में)
1	2	3	4
1	यग्ज्ञनारायण पिता छकौड़ी पटेल, गेंदलाल पटेल पिता सत्यनारायण जाति कुर्मी पता रीवा (म0प्र0)	2/1/1/6	0.099

2- निम्न भूमि क्रय करने का प्रस्ताव प्रारूप-क में भू-धारक को उपलब्ध पश्चात् भू-धारक की स्वीकृति प्राप्त होने के उपरांत इस आशय की सार्वजनिक सूचना जारी किया जा रहा है कि ऐसे भूमि धारकों (पूरा नाम व पता सहित) से परियोजना के लिये राज्य सरकार के संबंधित विभाग/उपक्रम के पक्ष में क्रय किये जाने पर विचार किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को भूमि की स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो वह नियत आगामी दिनांक 23.04.2025 के पूर्व अथवा उक्त दिनांक को अपनी आपत्ति ऑनलाइन अथवा लिखित रूप से आधार सहित कलेक्टर के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

नियत अवधि में प्राप्त आपत्तियों के आधार पर कलेक्टर यदि भूमि का खंडित धारणाधिकार (Defectiuetitle) पाता है तो वह ऐसी भूमि को क्रय करने के लिए अग्रसर नही होगा। जारी सार्वजनिक सूचना की अवधि के पश्चात् तक यदि कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होगा तो कलेक्टर भू-धारक से राज्य सरकार से संबंधित विभाग/उपक्रम के पक्ष में भूमि क्रय हेतु अग्रसर होगा। (आज दिनांक 07.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर व पद मुद्रा से जारी किया गया है)

कलेक्टर,
जिला-रीवा मध्यप्रदेश)

G-11734/25

उत्तरवाहिनी माँ नर्मदा परिक्रमा का दूसरा चरण आज से प्रारंभ

घाघी घाट पर होगा रात्रि विश्राम

जागरण मण्डला। उत्तरवाहिनी माँ नर्मदा परिक्रमा का दूसरा सामूहिक आयोजन आज प्रात: 06:00 बजे से प्रारंभ हो रहा है सुबह व्यास नारायण मंदिर में संकल्प पूजा के साथ यह परिक्रमा प्रारंभ होगी जो कि तट पार कर महाराजपुर संगम पहुंचेगी इस स्थान पर परिक्रमा में शामिल लोगों का पंजीयन होगा और सभी को परिचय पत्र दिये जायेंगे यहां से परिक्रमा मंगलेश्वर मंदिर मार्ग ?की ओर आगे बढ़ेगी जहां पर कि ज्वालाजी मंदिर परिसर में चित्रगुप्त मंदिर के समीप चित्रगुप्त कायस्थ सभा के द्वारा बाल भोग की व्यवस्था की गई है और फिर यहां से परिक्रमावासी दादा धनीराम जी के दर्शन कि लिये उनकी समाधि स्थल पहुंचेंगे और दर्शन उपरांत राधाराज आश्रम होते हुये कच्चे मार्ग ?से मानादेई ग्राम की ओर प्रस्थान करेंगे जहां पर घुंघरू वाले महाराज जी के आश्रम में जलपान के साथ-साथ विश्राम की व्यवस्था की गई है यहां से परिक्रमा जब आगे बढ़ेगी तो फिर सुरंगदेवरी ग्राम से एक रास्ता दाहिनी ओर गांव के अंदर जाता है इस मार्ग ?से परिक्रमा आगे बढ़ते हुये मैया जी के तट से होते हुये कोठी घाट आश्रम सिलपुरा पहुंचेगी इस आश्रम में दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई ?है यहां भोजन के साथ-साथ भजन की भी संगत होगी और फिर विश्राम करने के बाद यहां से परिक्रमा कच्चे रास्ते से ही सनकुही या संभव हुआ तो भैसादाह तक जायेगी जहां से परिक्रमा घाघा होते हुये घाघी तट तक पहुंचेगी इसी तट पर रात्रि विश्राम का आयोजन किया गया है घाघी तट पर दो ओर मैदान है जहां पर कि टेंट लगाये गये हैं इन टेंटों के अंदर परिक्रमावासी रात्रि विश्राम करेंगे विश्राम के पूर्व भोजन एवं संगीत संध्या का भी आयोजन किया गया है। हाल ही में महिष्मती माँ नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के सहयोग से एक शेड ?का निर्माण किया गया है इस शेड ?के चारों ओर चाहरदिवारी बनाई गई ?है और अंदर टाइल्स लगाकर इसे परिक्रमावासियों के विश्राम के लिये सुलभ बनाने का प्रयास किया गया है इस शेड ?पर भी महिलायें रात्रि में विश्राम करेंगी और अन्य श्रद्धालुजन मंदिर एवं मंदिर परिसर में रात्रि विश्राम करेंगे। माँ नर्मदा के तट पर पूरी रात बिताने का यह सुनेहरा अवसर माँ नर्मदा परिक्रमावासियों को उपलब्ध होने जा रहा है सभी परिक्रमावासी इस अवसर का लाभ उठावें और परिक्रमा के दौरान माँ नर्मदा का मनन उनका चिंतन करते हुये अपने समय का सदुपयोग करें। अपनी परिक्रमा को सफल बनावें साथ ही दूसरे परिक्रमावासियों का भी सहयोग करें। आयोजन समिति ने सभी परिक्रमावासियों से अपनी थाली, अपनी गिलास एवं दो चादर साथ में लेकर आने का निवेदन किया है ताकि आपको जो भी भोजन या अल्पाहार मिलता है उसे आप पवित्रता के दृष्टिकोण से अपने ही पात्र में ग्रहण करें एवं पत्तल एवं डिस्पोजल का कचरा नर्मदा तट पर न फैलायें, किसी भी स्थिति में प्लास्टिक की गिलास एवं कटोरी का उपयोग न करें यह पूर्ण रूप से वर्जित है। अपने पात्र को साफ कर अपने पास रखें। संध्या पूजन के लिये अपने साथ दीपक, बत्ती एवं माँ नर्मदा का प्रसाद अवश्य लेकर जायें और व्यवस्था सहयोगी बने यह आयोजन आप, हम, सबका आयोजन है।

आम जन जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़कर बनाएं जन अभियान : विधायक

रात्रि कालीन चौपाल लगाकर विधायक एवं कलेक्टर ने ग्रामीणों को दिया जल संरक्षण का संदेश

जागरण शहडोल। जिले में जल के सरक्षण एवं संवर्धन के लिए 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह एवं कलेक्टर डॉ. केदार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियों की उपस्थिति में शहडोल जिले के जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत भुरसी में अखड़ार नदी के किनारे लोगों को पानी की एक-एक बूंद सहजेने एवं जल का महत्व बताने रात्रि कालीन जन चौपाल लगाई।

जन चौपाल को संबोधित करते हुए विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश भर में चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत गांव के तालाबों, कुओं, बावड़ियों जैसी अनेक जल संरचाओं की साफ-सफाई एवं उनके जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। उन्होंनें ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि आप सब भी इस अभियान में जड़कर इसे जनअभियान का स्वरूप दें। इस अभियान के तहत विभिन्न प्रकार की जल संरचनाओं की साफ-सफाई एंव जीर्णाद्धार के कार्य में आगे आएं तथा इस अभियान को सफल बनाने में सहभागिता निभाएं। आपने कहा कि इस अखड़ार नदी में हमेशा पानी रहता हैं इस नदी में पानी की कमी नहीं होती है। हम सब को इस नदी को साफ रखना है और इसे बचाना भी है। इस नदी में स्वच्छ पानी रहेगा तों आमजन एवं जानवरों के लिए यह पानी बहुत उपयोगी होगा। नदी के आस-पास के खेतों में सब्जी लगा सकते हैं तथा कई प्रकार की खेती कर नदी के पानी से सिंचाई कर सकते हैं।

जन चौपाल में जल संरक्षण के महत्व को बताते हुए कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने कहा कि हमारे जिले में यह अभियान 30 जून 2025 तक चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत जिले के प्रत्येक नगर परिषद, नगरीय निकाय, नगर पंचायत एवं ग्राम पंचायत में यह अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के प्रत्येक जल संरचनाओं की साफ-सफाई का कार्य, गहरी करण का कार्य एवं उनके जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। उन्होनें ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि आप सब इस अभियान में जुड़कर अभियान को सफल बनाने में अपनी सहभागिता निभाएं। कलेक्टर ने कहा कि अभियान में प्रत्येक दिन अनकों प्रकार की गतविधियों आयोजित की जा रहीं हैं तथा आम जन तक जल के महत्व एवं जल संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। आपने चौपाल में आए हुए ग्रामीणों से कहा कि आपके जनपद पंचायत गोहपारू में सामूहिक विवाह का भी आयोजन किया जाना है। सामूहिक विवाह में शामिल होने वाले जोड़े अपना आवेदन निर्धारित तिथि तक जमा कर सकते हैं एवं इस सामूहिक विवाह का लाभ ले सकते हैं।

जन चौपाल को उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती फूलवती सिंह, ग्राम पंचायत भुरसी की सरपंच श्रीमती रामकली, उप सरपंच श्री मोहन सिंह ने भी संबोधित किया। जन चौपाल में म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पाण्डेय ने पर्यावरण को बचाने हेतु एक प्रेरक गीत भी गाया।

जन चौपाल में प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरेन्द्र सिंह धुर्वे, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जयसिंहनगर श्रीमती प्रगति वर्मा, तहसीलदार गोहपारू श्री दीपक मंडावी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू श्री वेदमणि मिश्रा, ब्लॉक समन्वयक आलोक सोंधिया, मेंटर्स सर्व श्री प्रवीण दुबे,मुकेश पाठक,मनीषा पांडेय ,शालिनी सोनी, सीएमसीएलडीपी के छात्र प्रस्फुटन समिति सदस्य एव ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

शासकीय विद्यालयों में पढ़ रहे विद्यार्थियों को मिलेगी प्राथमिकता तीन किमी के दायरे में रहने वाले विद्यार्थियों को ही सीएम राइज स्कूल में मिलेगा प्रवेश

जागरण डिंडोरी। लंबे समय से सीएम राइज स्कूल में अपने बच्चों का प्रवेश कराने का इंतजार कर रहे अभिभावकों में प्रदेश शासन की नई गाइडलाइन से मायूसी है। केंद्रीय विद्यालय की तर्ज पर शुरू किए गए सर्वसुविधायुक्त सीएम राइज स्कूलों में प्रवेश के लिए नई गाइडलाइन जारी की गई है। नई गाइड लाइन के अनुसार अब सीएम राइज स्कूल से अधिकतम 3 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले छात्र-छात्राओं को ही प्रवेश मिलेगा। साथ ही शासकीय स्कूलों के बच्चों को ही प्रवेश में प्राथमिकता दी जाएगी। गाइड लाइन के अनुसार जिले के सीएम राइज स्कूल में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों का चयन सीएम राइज स्कुल भवन स्थल कि स्थित अनुसार तीन किमी की दूरी के आधार पर होगा।

पहली प्राथमिकता सरकारी स्कूल के छात्र

लोक शिक्षण संचालनालय ने सीएम राइज स्कूलों में वर्ष 2025-26 के सत्र में प्रवेश के लिए जारी की गई गाइडलाइन के अनुसार पहले चरण में सिर्फ उन्हीं बच्चों को एडमिशन मिलेगा, जो या तो एक किलोमीटर की दूरी में रहते हों या फिर पढ़ते हों। इसके बाद 2 किमी और फिर 3 किमी की दूरी वाले छात्रों को सीएम राइज स्कूलों में प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश में पहले सरकारी स्कूलों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को ही प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद भी सीट खाली रहती है तो फिर निजी स्कूलों के बच्चों को प्रवेश मिल सकेगा।

अभिभावकों में नए निर्देशों से मायूसी

आमतौर पर निजी स्कूलों में प्रवेश दिलाने के लिए अभिभावक हर संभव प्रयास करते हैं। वहीं शासकीय विद्यालयों में बच्चों को प्रवेश दिलाने से अभिभावक कतराते हैं। इसके बाद भी सीएम राइज स्कूल में दर्जनों अभिभावक अपने बच्चों को प्रवेश दिलाने फॉर्म लेने के बाद प्रवेश के इंतजार में हैं। अभिभावकों में शासन की नई गाइड लाइन को लेकर नाराजगी देखने मिल रही है।

रिक्त सीटों पर दिया जाएगा प्रवेश

जिले कि सीएम राइज स्कूल में कक्षा केजी-1 से कक्षा 11वीं तक हिन्दी माध्यम में उपलब्ध रिक्त सीटों के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। सीट रिक्त होने पर शासन के निर्देश अनुसार प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आवेदन पत्र प्राप्त करने एवं जमा करने कि अंतिम तिथि 30 अप्रैल नियत की गई है।

जनपद पंचायत करंजिया अंतर्गत बंजार टोला का मामला नर्मदा नदी में तेजी से बढ़ रहा रेत का अवैध कारोबार, प्रशासन मौन

जागरण डिंडोरी। जनपद पंचायत करंजिया अंतर्गत ग्राम रूसा के बंजार टोला से होकर गुजरने वाली नर्मदा नदी में रेत कारोबारियों की निगाहें टिकी हुई हैं। रेत कारोबारी रात-दिन बिना अनुमति और बिना किसी रोक-टोक के रेत खनन कर रहे हैं। बड़े-बड़े डंपर, पोकलेन मशीनें और ट्रैक्टर दिन-रात दौड़ रहे हैं। इससे न सिर्फ पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है, बल्कि जल स्तर भी लगातार घटता जा रहा है। इससे आने वाले समय में इलाके को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

गांव से लेकर शहर तक फैला नेटवर्क

स्थानीय लोगों के अनुसार रेत कारोबारी इतने बेखौफ हैं कि उन्हें न तो प्रशासन का डर है, न ही कानून का। उनके पास अत्याधुनिक मशीनें हैं और उनका नेटवर्क गांव से लेकर बड़े शहरों तक फैला हुआ है। कुछ स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस पूरे कारोबार में बड़े-बड़े दिग्गज संलिप्त हैं। रेत के अवैध खनन में संलिप्त लोग खुलेआम दिन रात रेत का अवैध खनन व परिवहन कर रहे हैं। कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है।

प्रशासनिक चुप्पी और खनिज विभाग पर सवाल

नर्मदा नदी से बेखोफ रेत के अवैध खनन को लेकर खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। बंजार टोला जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इतने बड़े स्तर पर अवैध खनन हो रहा है और रेत लोड वाहन पुलिस थाना के सामने से गुजर रहे हैं। इसके बाद भी पुलिस इन पर कार्रवाई करने से कतरा रही है। वर्तमान में खनिज विभाग का रवैया बेहद लापरवाह नजर आ रहा है। नर्मदा नदी के किनारे खनन व परिवहन करने वाले किसी भी वाहन पर नंबर प्लेट नहीं होती। इन वाहनों को कोई रोकने-टोकने वाला नहीं है।

जलवायु और ग्रामीण जीवन पर असर

नर्मदा नदी प्रदेश की जीवनरेखा मानी जाती है। इसके जलस्तर का कम होना से पूरे क्षेत्र में संकट गहरा जाएगा। जानकारों का कहना है कि नदी के तल से रेत निकलने से उसकी जलधारण क्षमता भी प्रभावित होती है। इससे भूमिगत जलस्तर तेजी से नीचे चला जाता है। गांवों में पहले जहां 15-20 फीट पर पानी मिल जाता था, अब वहां 50 फीट तक बोरिंग करने पर भी पानी नहीं निकल रहा। किसान बेहाल हैं, फसलें सूख रही हैं और पीने के पानी के लिए संघर्ष बढ़ता जा रहा है।

सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने आदि उत्सव कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर की बैठक

जागरण मंडला। मंडला जिले के रामनगर में 4 से 5 मई तक आदिवासी लोक संस्कृति और संगोष्ठी पर आधारित आदि उत्सव 2025 का आयोजन किया जा रहा है। आदि उत्सव का आयोजन भव्य और गरिमामय पूर्वक होगा। सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कार्यक्रम की व्यापक तैयारियाँ को लेकर जिले के अधिकारियों की बैठक आयोजित कर आदि उत्सव को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री प्रफुल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर श्री राजेंद्र कुमार सिंह, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि आदि उत्सव में आदिवासी लोक नृत्य और आदिवासी संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य शिविर और दिव्यांग शिविरों का भी आयोजन होगा। आदि उत्सव में मुख्यमंत्री विवाह/निकाह योजना के तहत विवाह कार्यक्रम भी सम्पन्न कराए जायेगे। आदि उत्सव कार्यक्रम में आदिवासी लोक संस्कृति पर आधारित गीत संगीत का भी कार्यक्रम होगा। उन्होंने आदि उत्सव कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को शामिल होने को कहा है। सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि आदि उत्सव में आगंतुकों के लिए भोजन, बैठक, पेयजल का भी व्यापक प्रबंध किया जायेगा। कार्यक्रम स्थल पर यतायात पार्किंग आगमन एवं प्रस्थान मार्ग पृथक-पृथक करने के साथ कार्यक्रम स्थल में साज-सज्जा की तैयारियां करने के निर्देश दिए । उन्हेंने कहा कि आयोजित कार्यक्रम का प्रचार प्रसार हो ताकि में अधिक से अधिक नागरिक उत्सव में शामिल होकर इसे सफल बना सकें। सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल का भी निरीक्षण किया।

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत करें वरना होगी कार्यवाही : अपर कलेक्टर

जागरण मंडला। अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह ने सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरण को प्राथमिकता से निराकृत करें। उन्होंने निर्देशित किया कि आगामी दो दिवस में सभी विभाग 80 प्रतिशत के वेटेज स्कोर का बेंचमार्क प्रात्त करना सुनिश्चित करें। इससे कम वेटेज स्कोर वाले विभाग अपना वेटेज स्कोर बढ़ाएं। जिले की रैंकिग को बेतहर करने के लिए 50 दिवस एवं 100 दिवस से अधिक वाले प्रकरणों पर विशेष ध्यान दें। जिले की रैंकिंग जारी होने में 2 दिवस का समय शेष है इसलिए समस्त विभाग प्रमुख प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराते हुए संतुष्टि का प्रतिशत बढ़ाए। बैठक में विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

कमिश्नर ने तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार को जारी किया कारण बताओ नोटिस

. **जागरण शहडोल।** कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले शहडोल संभाग के तहसीलदारो, नायब तहसीलदारो को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिन तहसीलदार, नायब तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया उनमें तहसीलदार अनूपपुर, नायब तहसीलदार कोतमा वृत्त, आमडाड नायब तहसीलदार, तहसील पुष्पराजगढ़, व्रत गिरारी, ना. तह. तहसील पुष्पराजगढ़ व्रत पसान,तहसीलदार तहसील पुष्पराजगढ़, नायब तहसीलदार तहसील ब्यौहारी व्रत बुढ़वा, तहसीलदार तहसील कोतमा, नायब तहसीलदार तहसील पुष्पराजगढ़ व्रत दामेहड़ी, तहसीलदार तहसील जैतहरी,नायब तहसीलदार तहसील जैतपुर वृत्त बिजुरी के नाम शामिल है। गौरतलब है कि 16 अप्रैल को शहडोल संभाग के आयुक्त कार्यालय में कमिश्नर श्री मति सुरभि गुप्ता की अध्यक्षता में कमिश्नर कलेक्टर्स बैठक का आयोजन किया था जिसमें राजस्व के साथ साथ अन्य विभागों की समीक्षा की गई थी।

तीन दिवसीय लीड फार्मर्स का प्रशिक्षण प्रारंभ

जागरण मंडला। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 वाटरशेड विकास घटक योजना अंतर्गत मिशन मुख्यालय भोपाल से प्राप्त निर्देशों के अनुसार उत्पादन प्रणाली मद में क्लस्टर आधारित सब्जी उत्पादन (त्रिवेणी मॉडल) कार्यक्रम में जिला जबलपुर एवं मंडला से पधारे लीड फार्मर्स एवं विषय विशेषज्ञ का तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण आयोजन जिला मंडला में आयोजित किया गया। जिसके अंतर्गत आज सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, जिला परियोजना अधिकारी मंडला श्री उमेश सिंगरौरे द्वारा दीप प्रज्वलन के माध्यम से शुरुआत की गई। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए कार्यों के विषय में अपने अनुभव साझा किए गए। सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट के द्वारा तीन दिवसीय लीड फार्मर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम के विषय में मूल्यवान जानकारी एवं सुझाव कृषक बंधुओं को दिए गए। साथ ही आगे चलकर के अपने-अपने क्षेत्रों में सीखे गए कार्यों के माध्यम से उन्नत किस्म के प्रयासों को अपनाकर श्रेष्ठ कार्य करने की प्रेरणा दी गई।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

जाति जनगणना की लीक हुई रिपोर्ट पर उठ रहे सवाल

कर्नाटक में जाति जनगणना की लीक हुई रिपोर्ट ने राज्य की राजनीति में तूफान ला दिया है। ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के प्रस्ताव और लिंगायत-वोक्कालिगा समुदायों की जनसंख्या के आंकड़ों पर विवाद के कारण सियासी समीकरण बदलने की आशंका है। इस रिपोर्ट के तथ्यों पर उठाए जा रहे सवालों को छोड़ दें, तो भी राज्य की कांग्रेस सरकार के लिए इसे स्वीकार करना आसान नहीं होगा। इससे सियासी और सामाजिक समीकरण पूरी तरह बदल जाएंगे, जिसका असर देश के बाकी राज्यों पर भी पड़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, कर्नाटक में अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी अनुमान से ज्यादा है। ओबीसी के लिए आरक्षण को 32 फीसद से बढ़ाकर 51फीसद और मुस्लिम समुदाय के लिए 4 फीसद से 8 फीसद करने की सिफारिश की गई है। लेकिन, सबसे ज्यादा विरोध हो रहा है लिंगायत और वोक्कालिगा समुदायों की ओर से, जिनकी जनसंख्या अनुमान से कम बताई जा रही है। कर्नाटक की राजनीति में ये दोनों जातियां बेहद प्रभावी हैं।

सामाजिक रूप से भी दोनों का खासा प्रभाव है।

कांग्रेस के सामने मुश्किल यह है कि वह जाति जनगणना का समर्थन करती रही है। राहुल गांधी कई मौकों पर कह चुके हैं कि जिसकी जितनी आबादी है, उसकी उतनी ही हिस्सेदारी होनी चाहिए। लेकिन, इस पर कांग्रेस के भीतर से ही विरोध के सुर उठ रहे हैं।

यह ऐसा मुद्दा है, जिसने जातीय आधार पर नेताओं की गोलबंदी कर दी है। वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले डिप्टी

> कर्नाटक में जाति जनगणना की लीक हुई रिपोर्ट ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, जिससे कांग्रेस सरकार के लिए इसे स्वीकार करना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में सीएम सिद्धारमैया के सामने बहुत सारे सवाल होंगे।

सीएम डीके शिवकुमार ने अपने धड़े के विधायकों के साथ मुलाकात की है ताकि कैबिनेट मीटिंग में सही ढंग से पक्ष रखा जा सके।

सिद्धारमैया और कांग्रेस के सामने अपनों को मनाने की ही नहीं, रिपोर्ट को विश्वसनीय दिखाने की भी चुनौती है। आरोप लग रहे हैं कि रिपोर्ट को वैज्ञानिक तरीके से नहीं तैयार किया गया है। कांग्रेस के ही एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि सर्वे टीम उनके घर नहीं पहुंची तो फिर रिपोर्ट कैसे तैयार की गई? यह भी कहा जा रहा है कि कई उपजातियों ने आरक्षण का फायदा लेने के लिए खुद को अलग कैटेगरी में दर्ज करा दिया। ये दोनों ही बिंदु गंभीर हैं और सरकार को इन्हें जरूर देखना चाहिए।

रिपोर्ट के आधार पर कर्नाटक में कुल आरक्षण करीब 75 फीसद तक हो जाएगा, सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50 फीसद की सीमा से कहीं अधिक। यानी, कानूनी अड़चन भी आ सकती है। ऐसे में कांग्रेस सरकार की राह बहुत मुश्किल होने वाली है।

अनसुलझी कड़ियों से कई जवाब मिलने की उम्मीद

आतंकवादी से पूछताछ

> आखिर एफबीआई 26/11 हमलों के पीछे पाकिस्तान की साजिश को स्वीकारने से क्यों बचती रही? इतने खूंखार हमले की जांच राज्य सरकार के जिम्मे क्यों सौंपी गई? नियोजित हमले का नरीमन हाउस जैसी जगह से क्या संबंध है? तहव्वुर राणा से पूछताछ में साजिश की ऐसी ही कई अनसुलझी कड़ियों के जवाब मिलने की उम्मीद है।

रवींद्र दुबे

मुंबई में 26 नवंबर, 2008 को हुए आतंकवादी हमले में वांछित तहव्वुर हुसैन राणा आखिरकार भारत पहुंच ही गया है, जहां उससे इन दिनों सघन पूछताछ चल रही है। वैसे तो, राणा के दिल्ली पहुंचने का मार्ग फरवरी में ही खुल गया था, जब प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने उसके प्रत्यर्पण की घोषणा की थी। इस हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों सहित 166 लोग मारे गए थे और 300 से अधिक घायल हुए थे। दरअसल, इस आतंकवादी हमले के तुरंत बाद की कहानी में कई कड़ियां गायब थीं। ऐसा समझा जा रहा है कि राणा से पूछताछ में मिली जानकारियों से ये कड़ियां जुड़ सकेंगी।

उदाहरण के लिए, 23 फरवरी, 2009 को काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस में अमेरिकी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के तत्कालीन निदेशक रॉबर्ट एस मुलर के लंबे संबोधन में हमले के तुरंत बाद अमेरिका द्वारा दिए गए सहयोग का विवरण तो सामने आया, लेकिन इसमें पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय साजिश पर कोई चर्चा नहीं हुई। इस साजिश का खुलासा बहुत बाद में प्रोपब्लिका के सेबेस्टियन रोटेला और अमेरिकी विश्वविद्यालय के स्टीफन टैंकेल ने अमेरिकी अदालत में राणा और डेविड कोलमैन हेडली पर मुकदमे के दौरान किया।

दूसरे, 9/11 के बाद गठित आतंकवादी हमलों पर राष्ट्रीय आयोग के विपरीत, 26/11 के बाद दिवंगत राम प्रधान की अध्यक्षता में महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय दो सदस्यीय समिति को आतंकवादी हमले की जांच करने का अधिकार नहीं था। समिति को केवल इस बात की व्यवस्थागत जांच करनी थी कि पुलिस हमले से सफलतापूर्वक क्यों नहीं निपट सकी। दिलचस्प बात तो यह है कि इस तरह के खूंखार हमले-जिसे कत्लेआम कहना ज्यादा मुनासिब होगा-की जांच महज राज्य पुलिस के जिम्मे छोड़ दी गई। पता नहीं केंद्र में उस वक्त बैठे हुक्मरानों की इस बात के पीछे क्या मंशा रही होगी!

हालांकि, 1993 और 1994 में अमेरिकी वार्ताकारों के साथ आतंकवाद पर भारतीय खुफिया टीमों ने वार्षिक चर्चा की थी, लेकिन इन हमलों के बारे में कुछ और जानने के लिए भारत के विदेशी संपर्कों का उपयोग करने के लिए 26/11 समिति को कोई मंजूरी नहीं दी गई थी। इसे मुंबई पुलिस पर छोड़ दिया गया था, जिसके पास अपने निष्कर्षों तक पहुंचने के लिए कोई विदेशी संपर्क नहीं था। इस उच्च स्तरीय समिति के दोनों सदस्य इस बात पर हक्के-बक्के रह गए कि कैसे 'नरीमन हाउस' के नाम से जानी जाने वाली एक नामालूम-सी जगह को 26/11 की रात को हथियारों से लैस आतंकवादियों ने पहले निशाने के रूप में चुना था। स्थानीय कोलाबा पुलिस से पूछताछ करने पर पता चला कि यह एक ऐसी जगह थी, जहां अज्ञात विदेशी, ज्यादातर इस्राइल के हीरा व्यापारी, एक ऐसे रेबाई (यहूदी) के घर ठहरते थे, जिसे बहुत कम लोग जानते थे।

फिर, उक्त समिति के दोनों सदस्यों ने विदेशियों के पंजीकरण के प्रभारी उपायुक्त स्तर के एक वरिष्ठ अधिकारी से पूछताछ की, जिन्होंने उन्हें बताया कि स्थानीय इस्राइली वाणिज्य दूतावास ने भी नरीमन हाउस (चबाड हाउस) को अपनी सूची में शामिल करने के लिए प्राथमिकता वाले आतंकी लक्ष्य के रूप में नहीं माना था। यह सूची नियमित रूप से यहूदी छुट्टियों पर विशेष सुरक्षा के लिए केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को भेजी जाती है। किसी भी अग्रिम खुफिया अलर्ट में 'नरीमन हाउस' का उल्लेख नहीं था। इस्राइली दूतावास से भारत सरकार को हुए पत्राचार में भी आतंकवादियों के निशाने के रूप में इसका कोई जिक्र नहीं था।

इसके महत्व का अंदाजा नवंबर, 2009 में होनोलूलू में एशिया-पेसिफिक होमलैंड सुरक्षा शिखर सम्मेलन के दौरान हुआ। इस सम्मेलन में भाग लेने वालों में ज्यादातर विदेश विभाग, रक्षा, वायु सेना, नौसेना, मरीन, होमलैंड सुरक्षा और हवाई राज्य के अमेरिकी सरकारी अधिकारी शामिल थे। उस बैठक के दौरान, अमेरिकी वायु सेना के एक अधिकारी ने दुनिया भर में चबाड हाउसों के महत्व पर प्रकाश डाला।

बाद में पता चला कि हेडली के आईएसआई हैंडलर, जिसकी पहचान मेजर इकबाल के रूप में की गई है, ने उसे भारत में अपने पिछले पांच टोही मिशनों पर तैनात किया था। मेजर इकबाल के अनुसार, चबाड हाउस पहला निशाना इसलिए था, क्योंकि यह इस्राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद का मुखौटा था। मोसाद की गुप्तचरीय गतिविधियां चबाड हाउस से ही चलती हैं।

राणा की उपस्थिति महत्वपूर्ण होने के और भी कई कारण हैं। पहला कारण 25 फरवरी, 2009 को दाखिल मुंबई क्राइम ब्रांच की अंतिम चार्जशीट में अपने अदालती रिकॉर्ड को सही करना है, जिसमें उल्लेख किया गया था कि भारतीय नागरिक फहीम अंसारी और सबाहुद्दीन शेख ने जनवरी 2008 में लश्कर-ए-तैयबा के कर्ता-धर्ताओं को मुंबई के ठिकानों के मामूली नक्शे सौंपे थे। बाद की जांच और पूछताछ से पता चला था कि वह अमेरिकी नागरिक डेविड कोलमैन हेडली था, जिसने सारी जगहों का वीडियो और विजुअल डाटा मुहैया करवाया था। मुंबई के इन ठिकानों को लश्कर-ए-तैयबा द्वारा खरीदे गए पांच गार्मिन रिनो जीपीएस सेटों में डाला गया और ये सेट उन दसों आतंकवादियों को दे दिए गए। यही वजह थी कि उन्हें बिल्कुल सही पता था कि उन्हें कहां जाना है। बहरहाल, 3 मई, 2010 को फहीम अंसारी और सबाहुद्दीन शेख को बरी कर दिया गया।

दूसरा कारण यह है कि हेडली की पूरी गतिविधियां, जो अमेरिकी शिकागो जिला न्यायालय के न्यायाधीश हैरी लेनेनवेबर द्वारा प्रकाश में लाई गई थीं, उन्हें हमारे न्यायिक रिकॉर्ड में नहीं रखा गया है। अमेरिकी न्यायिक विभाग के शब्दों में, ये भारत में सार्वजनिक स्थानों पर बमबारी करने; भारत में लोगों की हत्या करने, विदेशियों की हत्या में सहायता करने, भारत में आतंकवाद को भौतिक समर्थन प्रदान करने और लश्कर को समर्थन देने की साजिश थी, इसलिए, राणा के खुलासे और मुकदमा इन खाली जगहों को भरने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

बहरहाल, तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण से साफ संदेश गया है कि इंसानियत के दुश्मन दुनिया के किसी भी कोने में बच नहीं सकते। निश्चित रूप से इस सफलता में भारत के राजनीतिक व कूटनीतिक प्रयासों की भी बड़ी भूमिका रही है। भारतीय अधिकारियों ने इस दिन के लिये कड़ी मेहनत की है। हालांकि, अभी इस रहस्य से पर्दा उठना बाकी है कि अमेरिका ने क्यों अपने नागरिक डेविड कोलमैन हेडली को भारत को सौंपने से परहेज किया। जबकि उसने इस बड़े अपराध में बड़ी भूमिका निभाई थी। हेडली व राणा आतंकी हमले को अंजाम देने वाले आतंकी संगठनों व पाक खुफिया एजेंसियों के संपर्क में लगातार बने रहे थे। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए की तहव्वुर राणा से कड़ी पूछताछ के बाद भारतीय एजेंसियां मुंबई हमले में इस्लामाबाद की भूमिका, पाक सत्ता प्रतिष्ठानों की करतूतों,आईएसआई के नेटवर्क व आतंकी संगठनों को दी जाने वाली आर्थिक मदद की हकीकत देश-दुनिया के सामने ला सकेंगी।

दुनिया भर में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा सुधारने की कोशिश

स्वास्थ्य मिशन

> ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा सुविधा की कमी 56 प्रतिशत है, जबकि शहरी इलाकों में यह कमी 22 फीसदी ही है. अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर में 13 करोड़ स्वास्थ्यकर्मियों की कमी है, जिनमें से दो तिहाई स्वास्थ्यकर्मियों का अभाव ग्रामीण क्षेत्रों में है।

संजना ब्रह्मवार मोहन, लेखा रतनानी

एक गर्भवती स्त्री पहाड़ पर पांच किलोमीटर चलते हुए डॉक्टर के क्लिनिक में किस तरह रात को पहुंचती है? सिलिकोसिस और टीबी के शिकार कुपोषित युवा को, जो अंडे और दूध नहीं खरीद सकता, उसे कोई पौष्टिक भोजन करने की सलाह भला कैसे दे सकता है? एक बीमार बच्चे का इलाज भला कैसे संभव है, जब नजदीक का अस्पताल 20 किलोमीटर दूर हो और परिवहन की कोई व्यवस्था न हो? ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में साफ-सफाई के अभाव, बाढ़ और कुपोषण से होने वाली मलेरिया, डायरिया और हैजे जैसी बीमारियों पर अंकुश भला कैसे लगाया जा सकता है?

ग्रामीण भारत में ऐसे दृश्य आम हैं, लेकिन यह केवल भारत की सच्चाई नहीं है। दुनिया भर के गांवों में कमोबेश ऐसी ही स्थिति है। यह ठीक है कि विकसित और विकासशील देशों के बीच बहुत ज्यादा फर्क है, लेकिन दुनिया भर के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं तक मरीजों की पहुंच एक बड़ी समस्या है। इसकी वजह यह है कि संसाधन ज्यादातर शहरों में ही केंद्रित होते हैं। परिवहन और संचार के साधनों की समस्याएं हर देश में हैं, इस कारण ग्रामीण इलाकों में डॉक्टरों और स्वास्थ्य पेशेवरों की तैनाती में लगभग सभी देशों को मुश्किलें आती हैं। पिछले दिनों अप्रैल को बेंगलुरु में संपन्न हुए तीन दिवसीय वैश्विक ग्रामीण स्वास्थ्य सम्मेलन में भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, नेपाल और श्रीलंका के डॉक्टरों ने ही इन्हीं मुद्दों पर बात की। मेडिकल कॉन्फ्रेंसों में सिर्फ डॉक्टरों की ही मौजूदगी रहती है। लेकिन इस ग्रामीण स्वास्थ्य सम्मेलन की शुरुआत ही दाइयों और नर्सों के एक पैनल से हुई। गर्भावस्था, प्रसव होने और प्रसव के बाद की स्थिति में महिलाओं की मदद करने वाली दाइयां उन मध्य आय वाले देशों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जहां कुशल स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने वाले की भारी कमी रहती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 2024 में आंकड़ा दिया कि दुनिया में 2.9 करोड़ नर्सें और 22 करोड़ दाइयां हैं। उसका यह भी आकलन है कि 2030 तक दुनिया में 45 लाख नर्सों और 3.1 लाख दाइयों की कमी होगी। जाहिर है कि यह एक बड़ी समस्या होगी, क्योंकि ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा में नर्सें और दाइयां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अगर तुलना करें, तो हम पाते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा सुविधा की कमी 56 प्रतिशत है, जबकि शहरी इलाकों में यह कमी 22 फीसदी ही है। अंतराष्ट्रीय श्रम संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर में 13 करोड़ स्वास्थ्यकर्मियों की कमी है, जिनमें से दो तिहाई स्वास्थ्यकर्मियों का अभाव ग्रामीण क्षेत्रों में है।

विकसित देशों में ग्रामीण स्वास्थ्य-सेवा की स्थिति बहुत सुखद नहीं है। बड़ी संख्या में युवाओं का गांवों से शहरों की तरफ जाने से ग्रामीण इलाकों में बुजुर्गों की स्थिति खराब होती जा रही है, क्योंकि उनकी देखभाल करने वाले कम लोग बचे हैं। वर्ष 1992 से वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन ऑफ फेमिली डॉक्टर्स ने ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य-सेवा पर खास ध्यान केंद्रित किया है. लेकिन बहुत कुछ नहीं बदला है.

आजादी के सात दशक बीत जाने के बाद भी देश में जनस्वास्थ्य की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे अनेक स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं अभियानों के बाद भी हम अपेक्षित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सके हैं। महज़ आंकड़ों की बाजीगरी और झूठे प्रचार से जन-स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। भारत सरकार ने एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति बनायी थी जिसके अंतर्गत विभिन्न रोगों से बचाव एवं उपचार के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संचालन लंबे समय से किया जा रहा है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया और भारत इस समस्या का हल निकाल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में ग्रामीण इलाकों में काम करने वाले डॉक्टरों को प्रोत्साहन राशि मिलती है, जबकि भारत में युवा डॉक्टरों को ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों की समस्याओं के बारे में बताकर उन्हें वहां के प्रति संवेदनशील बनाया जाता है। इस साल अक्तूबर में युवा भारतीय डॉक्टरों का एक समूह उदयपुर सिटी से 25 किलोमीटर दूर इसवाल गांव में रूरल सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम (आरएसपी) में भाग लेने के लिए एकत्रित होगा। आरएसपी दरअसल एक तीन दिवसीय फील्ड प्रोग्राम होता है, जिसमें स्वास्थ्यकर्मियों को जानकारी देते हुए उन्हें वहां काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यह कार्यक्रम उन युवा डॉक्टरों के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है, जो शहरी इलाकों में रहते हैं और कॉरपोरेट दुनिया में पले-बढ़े हैं। भारत की स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जानकारी, जाहिर है, ग्रामीण भारत से ही मिल सकती है।

प्रसंगवश

राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो रहा हेराल्ड मामला

यहां से राजनीति नई करवट ले सकती है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'नेशनल हेराल्ड' अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) मामले में जो आरोप-पत्र अदालत में दाखिल किया है, उसमें सोनिया गांधी को पहला और राहुल गांधी को दूसरा आरोपी बनाया गया है। गांधी परिवार के खिलाफ यह पहला आरोप-पत्र है। मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज दोनों दिवंगत नेता हैं, फिर भी ईडी ने उन्हें आरोपी बनाया है। कांग्रेस ने इस कार्रवाई के खिलाफ देश भर में विरोध-प्रदर्शन शुरू किए हैं। धनशोधन कानून के मुताबिक, गांधी परिवार के नेताओं पर सजा की तलवार लटकी है, लेकिन दोनों नेता दिसंबर, 2015 से जमानत पर हैं। वह निर्णय भी विशेष अदालत का था। जब तक अदालत नया गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं करती, तब तक जमानत पर तत्काल संकट नहीं है। इसके अलावा, ईडी जुलाई, 2022 में लगातार तीन दिनों में 11 घंटे सोनिया गांधी और लगातार 5 दिनों में करीब 50 घंटे तक राहुल गांधी से सघन पूछताछ कर चुका है, लिहाजा आरोप-पत्र दाखिल करने और अदालत के संज्ञान लेने के बाद गांधी नेताओं की गिरफ्तारी संभव और प्रासंगिक नहीं लगती। अलबत्ता आरोप-पत्र में 'अपराध से अर्जित आय' 988 करोड़ रुपए मानी गई है।

संबद्ध संपत्तियों का बाजार मूल्य करीब 5000 करोड़ रुपए आंका गया है। आरोप एजेएल की 2000 करोड़ रुपए की संपत्तियों पर कब्जे के लिए उसका अधिग्रहण, निजी कंपनी 'यंग इंडियन' के जरिए, मात्र 50 लाख रुपए में किए जाने का भी है। ईडी ने पीएमएलए की धारा 4 के तहत सजा भी मांगी है। इसमें 7 साल तक की जेल का प्रावधान है। बहरहाल इस मामले के तमाम ब्योरे देश के सामने हैं। सवाल है कि करीब 13 साल के बाद एक आरोप-पत्र दाखिल क्यों किया गया? सघन पूछताछ के भी तीन साल गुजर चुके हैं, लिहाजा ऐसे अतिविशिष्ट मामले में जांच एजेंसिया इतनी लेट-लतीफी क्यों करती हैं? दरअसल कुछ सवाल ईडी की जांच की विश्वसनीयता और उसकी सजा-दर पर भी किए जा सकते हैं। करीब 96 फीसदी मामले विपक्षी नेताओं के ही खिलाफ क्यों दर्ज किए जाते हैं? गौरतलब यह है कि अशोक चव्हाण, नारायण राणे (दोनों महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री) सहित अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल, हिमंता बिस्व सरमा, सुवेंदु अधिकारी, नवीन जिन्दल सरीखे नेताओं की लंबी फेहरिस्त है, जो कभी गैर-भाजपा दलों में रहे और विभिन्न घोटालों में आरोपित हुए, लेकिन आज वे 'भाजपाई' हैं, लिहाजा तमाम आरोपों और जांच से मुक्त हैं। यह ईडी जैसी प्रमुख आर्थिक जांच एजेंसी की स्वायत्तता पर 'काला सवाल' है। कांग्रेस इसे ही 'प्रतिशोध की राजनीति' करार दे रही है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गांधी परिवार पर आरोप-पत्र को प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की 'बदले की राजनीति' के संदर्भ में देखा है और उसके खिलाफ 'सत्यमेव जयते' का नारा बुलंद किया है। बहरहाल यह मामला राजनीतिक रूप से संवेदनशील साबित हो सकता है।

> धनशोधन कानून के मुताबिक, गांधी परिवार के नेताओं पर सजा की तलवार लटकी है, दोनों नेता दिसंबर, 2015 से जमानत पर हैं। जब तक अदालत नया गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं करती, तब तक जमानत पर तत्काल संकट नहीं है।

॥गीता॥

श्लोक : यदा संहरते चायं कूर्मोऽङ्गानीव सर्वशः। इन्द्रियाणीन्द्रियार्थेभ्यस्तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता॥

भावार्थ : कछुवा जब अपने अंगों को जैसे समेट लेता है। वैसे ही यह पुरुष जब सब ओर से अपनी इन्द्रियों को इन्द्रियों के विषयों से परावृत्त कर लेता है, तब उसकी बुद्धि स्थिर होती है।

जीवन दर्शन

सर्वात्मभाव है अहंकार से मुक्त होने का रहस्य

क्या कोई ऐसा दृष्टिकोण हो सकता है जिससे हम हर व्यक्ति में स्वयं को देख सकें? क्या यह संभव है कि किसी अपरिचित की पीड़ा हमें अपनी सी लगे? किसी पशु का भय, किसी वृक्ष की सूखी शाखा, किसी नदी का सूखना- क्या ये सब हमारे भीतर कुछ अनुभव करा सकते हैं? सर्वात्मभाव का बीज श्रद्धा में है, इसका पुष्प करुणा है और इसका फल शांति है।

बहुत समय पहले की बात है। एक घने वन में एक अद्वितीय स्वर्ण हिरण रहता था, जिसका नाम रुरु था। उसकी कांति स्वर्ण के समान थी और उसका हृदय करुणा से परिपूर्ण। एक दिन, एक मनुष्य नदी में डूब रहा था। रुरु ने उसे देखा और बिना किसी भय के, अपनी जान की परवाह किए बिना, उसे बचाया। उस व्यक्ति ने रुरु से वादा किया कि वह उसकी उपस्थिति किसी को नहीं बताएगा।

किन्तु कुछ समय बाद, उस व्यक्ति ने लोभवश राजा को रुरु की जानकारी दे दी, यह सोचकर कि वह इनाम प्राप्त करेगा। राजा ने रुरु को पकड़ने के लिए सैनिक भेजे। जब रुरु को यह ज्ञात हुआ तो वह स्वयं राजा के पास गया और पूरी घटना सुनाई। राजा उसकी करुणा और सत्यनिष्ठा से प्रभावित हुआ और उस व्यक्ति को दंडित करने का आदेश दिया। परंतु रुरु ने राजा से उस व्यक्ति को क्षमा करने की प्रार्थना की। राजा ने रुरु की बात मानी और उस व्यक्ति को क्षमा कर दिया।

यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति। तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति॥ (भगवद्गीता 6.30)

अर्थात, जिसने मुझे हर जगह देखा और हर वस्तु को मुझमें देखा- उसके लिए मैं कभी विलीन नहीं होता और वह मुझसे कभी दूर नहीं होता। यह श्लोक सर्वात्मभाव का मूल है। सर्वात्मभाव का अर्थ है समस्त सृष्टि को अपने आत्म का ही प्रतिबिंब देखना। यह उस अद्वितीय अनुभव का संकेत है, जहां आत्मा की सीमित पहचान समाप्त हो जाती है और हम सबको एक ही चेतना के रूप में महसूस करते हैं। इसे आज भी हम अपनी जीवन के विभिन्न क्षणों में अनुभव कर सकते हैं। कल्पना करें, जब एक मां अपने शिशु की पीड़ा में बेचैन हो जाती है, जब एक डॉक्टर अपने रोगी के दर्द को अपने शरीर में महसूस करता है, जब एक साधक ध्यान में डूबकर श्वासों की गहरी गति से पूरी सृष्टि की धड़कन सुनने लगता है-तब वह सच्चे अर्थों में सर्वात्मभाव का अनुभव करता है।

अनन्या मिश्रा

संक्षिप्त खबरें

सीबीआई जांच हो चुकी, फिर भी इन्वेस्टिगेशन का स्वागत: दिग्विजय

विसं, भोपाल। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा है कि भाजपा सरकार के शासनकाल में सरला मिश्रा मामले की सीबीआई जांच हो चुकी है। फिर भी इन्वेस्टिगेशन होगी, तो उसका स्वागत है, इसमें किसी भी तरह की कोई दिक्कत नहीं है। बहुचर्चित सरला मिश्रा मामले की फिर से जांच के आदेश के बाद प्रदेश की सियासत ने करवट बदलनी शुरू कर दी है। इस मामले में गुरुवार को पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने नए सिरे से जांच का स्वागत किया है। हालांकि पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल ने कहा कि भाजपा की सरकार कांग्रेस नेताओं पर दुर्भावना पूर्वक दवाब बना रही है। इस तरह के जितने भी पुराने मामले हैं, जिसमें पहले जांच हो चुकी है, उन्हें फिर से निकाला जा रहा है। लेकिन कांग्रेसी इससे डरने वाले नहीं है।

मप्र राजपत्रित अधिकारी संघ के जिला सचिव बने गोयल

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ ने भोपाल जिला सचिव के पद पर होशियार सिंह (एचएस) गोयल की नियुक्ति की है। गुरुवार को जारी आदेश के अनुसार आबकारी विभाग के संभागीय उड़नदस्ता में तैनात सहायक जिला आबकारी अधिकारी और वर्तमान में जिला आबकारी नियंत्रक गोयल को तत्काल प्रभाव से अपनी नई जिम्मेदारी संभालने को कहा गया है। प्रांताध्यक्ष इंजीनियर डीके यादव समेत संघ के अन्य पदाधिकारियों ने एचएस गोयल को इस नियुक्ति पर बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की है।

फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी में गोलीबारी, कई छात्र घायल

नई दिल्ली, जेएनएन। फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी परिसर में गुरुवार को गोलीबारी की घटना हुई है। फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी ने ट्वीट कर इस बारे में जानकारी दी है। फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी के मुताबिक, गोलीबारी की घटना में बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं।

स्थानीय मेडिकल सेंटर के मुताबिक, अज्ञात संख्या में लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। अस्पताल की प्रवक्ता सारा कैनन ने बताया कि तल्लाहासी मेमोरियल हेल्थकेयर गोलीबारी में घायल हुए लोगों का इलाज कराया जा रहा है। अस्पताल ने अभी तक हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं की है।

सीआरपीएफ के रहते शांति का भरोसा पक्का: शाह

केंद्रीय रिजर्व बल के स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए शाह, सीएम यादव भी रहे मौजूद

विशेष संवाददाता, भोपाल। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि देश में कहीं भी आशांति होती है और जब उन्हें जानकारी मिलती है कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल तैनात है, तो मुझे भरोसा हो जाता है कि हम शांति कायम हो जाएगी। उनका यह भरोसा इसलिए मजबूत है, क्योंकि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल अपना सर्वोच्च प्रदर्शन करती है। शाह शुक्रवार को नीमच में सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे। शाह ने कहा कि सीआरपीएफ ने अपनी स्थापना से अब तक 2264 जवानों ने अलग-अलग मोर्चों पर देश की सुरक्षा के लिए बलिदान दिया है। अब जब देश 2047 तक सर्वोच्च बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तो मैं शहीदों के परिवारों को यह कहना चाहता हूं कि इसमें आपके परिवारजन के बलिदान का बड़ा योगदान है। सीआरपीएफ ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराए। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जहां जरूरत होती है, सीआरपीएफ के जवान सदैव कर्तव्य पथ पर तत्पर रहते हैं। शाह ने कहा कि सीमा क्षेत्रों से लेकर अंदरूनी इलाकों तक देश की सुरक्षा में सीआरपीएफ के योगदान को कोई भुला नहीं सकता। हमारी सरकार द्वारा सीएपीएफ कर्मियों को आयुष्मान कार्ड और आवास योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। सीआरपीएफ में अब महिलाओं की भी भर्ती हो रही है। उनके लिये भी आवास सुविधा विकसित की जा रही है। सीआरपीएफ को आधुनिक बनाए रखने के लिये केन्द्र सरकार की ओर से उत्कृष्ट सुविधा प्रदान की जा रही है। सीआरपीएफ को 2708 वीरता पदक प्राप्त हुए हैं, जो अद्भुत वीरता के परिचायक हैं।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते अमित शाह और मोहन यादव।

स्थापना दिवस पर शौर्य का प्रदर्शन करते सीअरपीएफ के जवान।

आठ टुकड़ियों ने किया मार्च पास्ट

स्थापना दिवस पर केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। परेड में सीआरपीएफ की 8 टुकड़ियों ने मार्च पास्ट किया। शाह ने कहा कि आज की परेड जवानों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने वीरता पदकों के लिए चयनित जवानों को सम्मानित कर विशिष्ट सेवाओं के लिये सुरक्षा बल के जवानों को पुरस्कृत भी किया। समारोह में कोबरा, आरएएफ वैली क्यूएटी और डॉग स्क्वॉड जैसी विशेष इकाईयों द्वारा प्रभावशाली एवं आकर्षक प्रदर्शन किया गया। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने सीआरपीएफ परिसर स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प-चक्र अर्पित कर वीर जवानों को श्रृद्धांजलि अर्पित की। सीआरपीएफ के स्थापना दिवस समारोह की परेड के बाद केन्द्रीय गृहमंत्री शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ सीआरपीएफ कैम्प नीमच के परिसर में ' 'राष्ट्र सेवा में समर्पित सीआरपीएफ के विभिन्न आयाम चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

प्रदेश के शत प्रतिशत बच्चे स्कूल में लें प्रवेश

स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने दिए निर्देश

विशेष संवाददाता, भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रयास होना चाहिये कि प्रदेश के शत-प्रतिशत बच्चों का स्कूल में नामांकन हो। इसके लिये उन्होंने टीम वर्क के साथ काम करने के निर्देश दिये। सिंह गुरुवार को मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस से विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग के जो अधिकारी-कर्मचारी श्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे, उनका सार्वजनिक रूप से सम्मान किया जायेगा। कार्य के प्रति गैर-जिम्मेदार रहने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। मंत्री ने कहा कि अप्रैल अंत तक स्कूल जाने योग्य बच्चों का नामांकन हो जाये, यह सुनिश्चित किया जाये। स्कूलों में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था की जानकारी भी ली। अतिथि शिक्षकों की पदस्थापना के लिये जल्द पोर्टल शुरू किये जाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अतिथि शिक्षकों की आवश्यकता की मैपिंग का कार्य जल्द पूरा किया जाये। उन्होंने विभाग के हॉस्टल्स का निर्धारित टाइम टेबल बनाकर निरीक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये,साथ ही कहा कि गर्ल्स हॉस्टल में सुरक्षा के इंतजामों की नियमित तौर पर समीक्षा की जाये। मंत्री सिंह ने कहा कि जिला और राज्य स्तर के अधिकारियों के बीच संभागीय अधिकारी कड़ी के रूप में काम करते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने कार्य क्षेत्र का निरंतर दौरा करें। कार्यालयों में लंबित पेंशन और अनुकम्पा नियुक्ति संबंधी प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता के साथ किया जाये।

लोकायुक्त ने पकड़े रिश्वतखोर बीआरसी और ग्राम सहायक

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लोकायुक्त पुलिस की भोपाल यूनिट ने नर्मदापुरम जिले के केसला ब्लॉक में पदस्थ स्कूल शिक्षा विभाग के ब्लॉक स्रोत समन्वयक (बीआरसी) कृष्णकुमार शर्मा को 5 हजार की घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। बीआरसी ने कुल चार स्कूलों के कंटेन्जेंसी फंड और मध्यान्ह भोजन के ऑडिट के लिए कुल 15 हजार की रिश्वत मांगी थी। केसला के सोमुखेड़ा प्राथमिक शाला में पदस्थ शिक्षक देवेंद्र पटेल ने इसकी शिकायत लोकायुक्त पुलिस को दी थी। गुरुवार को प्लान के तहत कृष्णकुमार शर्मा ने जैसे ही पहली किस्त के रूप में अपने ऑफिस में लिए, वैसे ही उसे पास मौजूद टीम ने रंगे हाथ धर दबोचा। घूस लेते पकड़ाए बीआरसी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

पीएम आवास के लिए घूस मांग रहा ग्राम सहायक पकड़ाया

गुरुवार को ही लोकायुक्त पुलिस की इंदौर यूनिट ने धार जिले के बदनावर तहसील की ग्राम पंचायत सांगवी में पदस्थ रोजगार सहायक मदन लाल डामर को भी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। मदन लाल ने गांव के ही रहने वाले अनिल निनामा और उसकी माँ को पीएम आवास की किस्त के तहत मिलने वाली 25-25 हजार की राशि जारी करने के एवज में 15 हजार की डिमांड की थी। शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त पुलिस के कहे अनुसार अनिल ने मदन को तीन किस्तों में पैसे देने की बात कही। गुरुवार को जैसे ही मदन लाल ने घूस की पहली किस्त के रूप में 5 हजार रुपए लिए, वैसे ही उसे रंगे हाथ पकड़ लिया गया। रोजगार सहायक के खिलाफ मामला कायम कर लिया गया है।

पंचायत सचिवों के लिए बनेगी स्थानांतरण नीति

विशेष संवाददाता भोपाल। प्रदेश में जल्द ही ग्राम पंचायत सचिवों तथा ग्राम रोजगार सहायकों के स्थानांतरण की नीति शीघ्र घोषित की जाएगी, जिसके आधार पर स्थानांतरण किए जाएंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने यह घोषणा की है। मंत्री पटेल ने कहा कि पंचायत और ग्रामीण विकास के कार्यों में पारदर्शिता लाना चाहती है। हमने कई अहम फैसले लिए हैं, जिसके परिणाम कुछ समय बाद दिखाई देने लगेंगे। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन करें। जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में इस अभियान में जल संरक्षण के कार्य कराएं। गत वर्षों में जिन गांवों में पानी का संकट रहा, वहां हैंडपंप तथा कुओं में रिचार्ज पिट प्राथमिकता से बनाएं। अभियान में शामिल जल संरक्षण कार्यों की तकनीकी और प्रशासकीय स्वीकृति तत्काल जारी करके निर्माण कार्य तेजी से पूरा कराएं। अभियान के तहत मनरेगा से मंजूर सभी अधूरे कार्य 15 मई तक पूरे कराएं। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान से 50 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण कराया जाएगा।

सरकार ने संभागीय अधिकारियों से मांगी प्रदेशभर में रिक्त पड़े पदों की जानकारी

पदोन्नत से पहले रिक्त होने वाले पदों को भरने की तैयारी में जुटी सरकार

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्य सरकार पदोन्नत से पहले रिक्त होने वाले पदों को भरने की तैयारी में जुट गई है। इसके लिए सरकार ने अपने संभागीय अधिकारियों के माध्यम से रिक्त पदों की इस माह के अंत तक जानकारी मांगी है। गौरतलब है कि शासन स्तर पर अधिकारी कर्मचारियों को पदोन्नत करने की तैयारी की जा रही है। लेकिन इससे पहले सरकार रिक्त होने वाले पदो को भरने की तैयारी पूरी करना चाहती है। इसी क्रम में सरकार ने अपने सभी संभागीय अधिकारियों के माध्यम से रिक्त होने वाले पदों के बारे में जानकारी मांगी है। विशेषकर जलसंसाधन,उच्च शिक्षा विभाग,जनजाति कार्य विभाग, लोकनिर्माण विभाग सहित दूसरे विभागों से अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक पूरी जानकारी भेजने को कहा गया है। इधर जानकारों का कहना है कि सरकार कुछ विभागों में रिक्त होने वाले पदों को प्रतिनियुक्ति से भरने की तैयारी में है। इनमें जनजातीय कार्य विभाग प्रमुख है। जहां पर नए तकनीकी सेटअप के आधार पर रिक्त पदों की भरपाई प्रतिनियुक्ति के आधार पर की जाएगी।

ये मांगी है जानकारी

उच्च शिक्षा विभाग से जिन पदों के बारे में पूछा है, उनमें मुख्य लिपिक, मुख्य लिपिक कम लेखापाल, हॉस्टल प्रबंधक और इससे नीचे के पदों के जानकारी मांगी गई है। इसी तरह चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियो के मामले में प्रयोगशाला, फर्राश, बुक लिफ्टर और उनसे नीचे के कर्मचारियों की भी सूची मांगी गई है। इसी तरह उच्च शिक्षा विभाग ने अपने सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यो से पूछा है कि उनके कॉलेज में कर्मचारियों के कितने पद रिक्त है। ये जानकारी एक हफ्ते में ही देने को कहा गया है,जिससे उन रिक्त पदों पर समीक्षा कर उनकी भर्ती प्रक्रिया शुरु की जा सके।

हाउसिंग बोर्ड की सीईओ को हटाया

सरकार के वित्त विभाग ने मध्यप्रदेश गृहनिर्माण मंडल की वित्त अधिकारी अल्पना ओझा को पद से हटा दिया है। यह कार्रवाई उनके खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत होने पर की गई है। जानकारी के अनुसार बीते दिसम्बर माह में अल्पना ओझा के खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत की गई थी। इस पर लोकायुक्त द्वारा हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त एंव सचिव से इस मामले में पत्र लिखकर जवाब मांगा था। बताया गया है कि इसी सिलसिले में वित्त विभाग ने गुरुवार को अल्पना ओझा को हटाए जाने का आदेश जारी कर दिया। उन्हें संयुक्त संचालक कार्यालय कोष एवं लेखा अटैच किया गया है।

वायरल वीडियो पर सियासत पूर्व सीएम बोले-छेड़छाड़ हुई

सारंग ने कहा- दिग्विजय सिंह का कबूलनामा आया सामने

विशेष संवाददाता, भोपाल। सरकार के मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह का वीडियो जारी कर निशाना साधा, तो भाजपा ने वीडियो में दिग्विजय सिंह के बयान को उनका काबूलनामा बता दिया। इस पर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा कि उनके बयान में छेड़छाड़ की गई है। गौरतलब है कि सूबे के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह का वीडियो साझा करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह का कबूलनामा सामने आ गया है। उन्होंने स्वयं कहा है कि बाबरी मस्जिद शहीद हुई व उसके बाद उन्होंने ही दंगे-फसाद करवाए. आज यह वीडियो वायरल हुआ है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि जो हम पहले से कहते हैं कि हर दंगा-फसाद के पीछे कांग्रेस है, अब दिग्विजय सिंह ने स्वयं इस बात को स्वीकार कर लिया है कि उन्होंने उस समय कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते दंगे करवाए थे। इससे शर्मनाक और कुछ नहीं हो सकता। हालांकि दैनिक जागरण इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। सारंग ने कहा कि कांग्रेस को जवाब देना पड़ेगा, बताना पड़ेगा कि उनके वरिष्ठ नेता कह रहे हैं कि उन्होंने दंगे-फसाद कराए. वे कह रहे हैं कि बाबरी मस्जिद शहीद हो गई। वह पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। पाकिस्तान परस्ती की बात करना, सनातन के विरोध में बात करना, भगवा आतंकवाद जैसी शब्दावली का इस्तेमाल कर सनातन को बदनाम करना और हर धर्म को धर्म से लड़ाना और जाति को जाति से लड़ाने की राजनीति करना, अब तो मन की बात और षड्यंत्र सामने आ गया है। अब कांग्रेस को सिंह पर कार्रवाई करनी चाहिए। इधर दिग्विजय सिंह ने वीडियो के कुछ हिस्सों से छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह देश मुझे दंगे-फसाद के खिलाफ और समाज में सद्भाव बढ़ाने के लिए जानता है। मैंने कहा था कि उस दौरान 15 दिन तक पीसीसी के दफ्तर में सोया था, हमारा प्रयास था कि दंगा-फसाद न हों। उनकी इस बात को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। उन्होंने दावा किया कि वीडियो से एक शब्द 'न को हटा दिया गया। यही बात भाजपा के लायक बन गई। उन्होंने कहा कि मस्जिद को मैंने शहीद कहा है क्योंकि जब किसी पूजा स्थल को जबरदस्ती गिराया जाए तो उसे और क्या कहेंगे।

थोकबंद किए तबादले, 450 पुलिसकर्मी इधर से उधर

भोपाल। मप्र पुलिस में गुरुवार को थेकबंद तबादले किए गए। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) से जारी सूची के अनुसार 1 इंस्पेक्टर, 34 सब इंस्पेक्टर(एसआई), 13 सहायक उप निरीक्षक (एएसआई), 55 प्रधान आरक्षक और 343 आरक्षकों के ट्रांसफर किए गए हैं। पुलिस मुख्यालय ने सागर में पदस्थ 2 स्टेनोग्राफरों के भी जिले के भीतर ही एक से दूसरे स्थान पर तबादले किए हैं। तबादला सूची के अनुसार दमोह में पदस्थ कार्यवाहक निरीक्षक आनंद सिंह ठाकुर को दमोह पदस्थ किया है। पीएचक्यू ने संबंधित जिलों के एसपी को इन सभी पुलिसकर्मियों को समय सीमा में रिलीव कर नई पदस्थापना पर भेजने के निर्देश दिए हैं।

फेरबदल : एमपी-सीजी के 25 आईआरएस अफसरों का ट्रांसफर

प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर, प्रिंसिपल डायरेक्टर का तबादला

मुख्य संवाददाता, भोपाल। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को आयकर विभाग और सीबीडीटी में पदस्थ आईआरएस अफसरों के थोकबंद तबादले किए हैं। इसमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में तैनात 17 अफसरों को ट्रांसफर किया गया है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में तैनात 8 अफसरों को एक विंग से दूसरी विंग में भेजा गया है। तबादला आदेश के तहत मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ रीजन के जो अधिकारी इधर से उधर हुए हैं, उनकी तबादला सूची के अनुसार भोपाल में पदस्थ पीसीआईटी अंजू अरोरा को एक विंग से दूसरे जोन में भेजा गया है। इसके अलावा पीसीआईटी इंदौर राहुल रमन को भी इंदौर में ही दूसरी विंग में भेजा गया है। लिस्ट के मुताबिक सुनील कुमार सिंह को रायपुर में एक विंग से दूसरे विंग में, जबकि दिल्ली में तैनात ओएसडी किशोर बी को भोपाल पीसीआईटी सेंट्रल बनाया गया है। ओएसडी प्रदीप हेडाऊ का तबादला इंदौर में सीसीआईटी के पद पर हुआ है। वित्त विभाग द्वारा जारी लिस्ट के अनुसार राजाराम शाह को दिल्ली से पीसीआईटी उज्जैन, माया माहेश्वरी को पीआर एडीजी भोपाल से पीसीआईटी मुंबई, सुखवीर चौधरी को पीसीआईटी गुवाहाटी से पीसीआईटी ग्वालियर और मुनीश कुमार को पीसीआईटी रायपुर तथा श्रुजनी मोहंती को एडीजी भोपाल पदस्थ किया गया है। आदेश के मुताबिक कोलाकलूरी रवि किरन अब पीडीआईटी रायपुर होंगे, जबकि राम तिवारी सीआईटी रायपुर, शिंदे सुधाकर नामदेव डीआईटी भोपाल और रघुनाथ सीआईटी भोपाल बनाए गए हैं। इसके अलावा सीबीडीटी के जिन अफसरों का ट्रांसफर किया गया है, उनमें अनूप सिंह का भोपाल, योगेश कुमार शर्मा का ग्वालियर, श्रवण कुमार मीना का रायपुर से जबलपुर, विजय कुमार सिंह का इंदौर से अहमदाबाद तबादला हुआ है। लिस्ट के अनुसार भारती महाजन सिंह और राजेश कुमार की पदस्थापना भोपाल में ही रखते हुए उनकी विंग बदल दी गई है।

नर्सिंग घोटाले के कारण 70 स्टाफ की विभागीय जांच शुरू

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। मप्र के चर्चित नर्सिंग घोटाले में राज्य शासन ने बड़ी कार्रवाई की है। इस घोटाले से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े 70 के करीब कर्मचारियों, अधिकारियों व नर्सिंग कॉलेजों की फैकल्टी के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश जारी हो गए हैं। इसी बीच भोपाल में जीएमसी के नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य राधिका नायर को शासन ने उनके पद से हटा दिया है। उनकी जगह अधीक्षिका लीला नलवंशी को प्राचार्य पद का प्रभार सौंपा है। शासन ने यह कार्रवाई एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार की शिकायत पर की है। परमार ने बताया कि हम शुरू से ही सरकारी नर्सिंग कॉलेज में काम करने वाले कर्मचारियों की भूमिका को संदिग्ध बता रहे हैं। उन्होंने वर्तमान चिकित्सा शिक्षा आयुक्त तरूण राठी की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। एक वर्ष पूर्व तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा आयुक्त ने 110 नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी किए थे, लेकिन वर्तमान आयुक्त द्वारा केवल 70 के लगभग लोगों के विरुद्ध ही आरोप पत्र जारी किए गए हैं। यह कहीं न कहीं गंभीर दोषियों को बचाने का प्रयास प्रतीत होता है। रवि परमार ने बताया कि नर्सिंग घोटाले में जिनको नोटिस जारी हुए थे उनमें जीएमसी के पूर्व प्राचार्य रोसी शाहुल समेत प्रोफेसर में डॉ जितेंद्र महावर, डॉ हरिसिंह मकवाना, डॉ संदीप कुमार मर्सकोले, डॉ वीरेंद्र धुर्वे वहीं नर्सिंग स्टाफ में रजनी नायर, प्रियदर्शनी डेहरिया, दीपिका कुंभारे, राजश्री मालवीय शामिल हैं लेकिन इन पर अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। गांधी मेडिकल कॉलेज की नर्सिंग प्राचार्य राधिका नायर को पद से हटाए जाने पर परमार ने कहा कि केवल पद से हटाना पर्याप्त नहीं है।

हत्या के मामले में गुमराह करने पर एआईजी पर पांच लाख का जुर्माना

मुख्य संवाददाता, भोपाल। एमपी हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच ने वर्तमान में इंटेलिजेंस की स्पेशल ब्रांच में पदस्थ एआईजी और दतिया जिले के पूर्व एसपी रहे मयंक अवस्थी पर हत्या के मामले में लापरवाही बरतने पर बड़ी कार्रवाई की है। अवस्थी पर एक मर्डर केस के कॉल रिकॉर्ड और मोबाइल लोकेशन से जुड़ी जानकारी छुपाने का आरोप है। हाईकोर्ट ने कहा कि उन्होंने पद पर रहते हुए एक पक्ष को लाभ पहुंचाने के लिए दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से काम किया था। इस दौरान कोर्ट ने यह सवाल भी उठाया कि क्या ऐसे अफसर विभाग में रहने के योग्य हैं? इस बारे में भोपाल में स्थित पीएचक्यू की इंटेलिजेंस शाखा के आला अफसर किसी तरह की टिप्पणी से इनकार कर रहे हैं। मयंक अवस्थी 2012 बैच के आईपीएस अफसर हैं और वे दतिया, पन्ना और सीहोर जिलो में एसपी रह चुके हैं।

उच्च न्यायालय की ग्वालियर पीठ ने न्यायिक निर्देश में सीनियर आईपीएस अधिकारी मयंक अवस्थी को तगड़ी फटकार लगाई है। अवस्थी वर्तमान में भोपाल में इंटेलिजेंस शाखा में एआईजी के पद पर पदस्थ हैं। उन पर दतिया में हुए एक हत्या मामले में कॉल डिटेल और मोबाइल लोकेशन की जानकारी छुपाने के आरोप हैं। मामला मयंक अवस्थी की दतिया में एसपी पद पर पदस्थापना के समय का है। तात्कालिक एसपी रहते हुए उन्होंने ट्रायल कोर्ट को गलत जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि कॉल रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्य सुरक्षित रखे गए हैं, जबकि बाद में पुलिस ने कहा कि विभाग यह डेटा सहेजना भूल गया।

पुलिस अफसर का रवैया चौंकाने वाला

ग्वालियर हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने मयंक अवस्थी की कार्यप्रणाली पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वे एक पक्ष को लाभ पहुँचाने के लिए गलत तरीके से काम कर रहे थे। वास्तव में इनका रवैया चौंकाने वाला है। एक परिवार ने इस कांड में अपना सदस्य खो दिया, जबकि दूसरा पक्ष आजीवन कारावास और मृत्युदंड जैसे केस का सामना कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि उन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच के मौलिक अधिकारों का भी उल्लंघन किया है। अदालत ने मयंक अवस्थी पर जानबूझकर जांच में बाधा डालने और महत्वपूर्ण रिकॉर्ड रोककर ट्रायल कोर्ट को गुमराह करने के लिए 5 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। उन्हें एक माह के भीतर ही जुर्माने की रकम जमा करने का आदेश भी दिया है। चेतावनी दी है कि इसका पालन न करने पर राशि की वसूली और अदालत की अवमानना का एक अलग मामला भी दर्ज किया जाए।

आयोजन | जल प्रबंधन पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला में गिरते हुए जल स्तर पर जताई चिंता

32 फीसदी घरों के नलों में अभी तक नहीं पहुंचा पानी: सीएस

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। समुदाय आधारित सतत जल प्रबंधन पर भोपाल में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जल निगम, पीएचईडी एवं पानी के मुद्दे पर काम करने वाले स्वैच्छिक संगठनों (समर्थन, वाटरएड और परमार्थ) द्वारां किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन उपस्थित थे। उन्होंने उपस्थित समुदाय, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि एवं जमीन पर कार्य करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में 68 फीसदी घरों में नल से जल पहुंच चुका है और बहुत ही जल्द शेष घरों में भी पानी पहुंचाया जाएगा। उन्होंने स्वीकार किया कि अभी भी 32 फीसदी घरों में नल से पानी पहुंच सका है। 2026 तक इस लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा। सीएस अनुराग जैन ने कहा कि हवा के बाद पानी हमारे जीवन की सबसे बड़ी जरूरत है, लेकिन लगातार नीचे गिरता जल स्तर बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश के 52 हजार गांवों में से 27 हजार गांव समूह जल प्रदाय योजना में शामिल हैं। नल जल योजनाओं की निरंतरता एवं जल स्रोतों के स्थायित्व में समुदाय की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने मंदसौर जिले में समुदाय की भागीदारी से निर्मित किए गए तालाबों एवं स्टाप डेमों का उदाहरण भी साझा किया। उन्होंने कहा कि नल जल योजनाओं का हेंडओवर लेते समय सरपंचों को जिम्मेवारी लेनी होगी कि गलत रिपोर्ट न दें और यह देखें कि उनके गांव में सभी घरों को शुद्ध एवं पर्याप्त पानी मिल रहा है, तभी हस्ताक्षर करें। यदि कोई कमी है जिसमें सुधार की जरूरत है तो स्पष्ट टीप लगाकर हस्ताक्षर करें।

85 से 90 फीसदी नल कनेक्शन

प्रमुख सचिव पीएचईडी पी नरहरि ने कहा कि अधिकांश गांव में 85 से 90 फीसदी नल कनेक्शन हो चुके हैं। एकल ग्राम योजना के गांवों में जो घर नल कनेक्शन से वंचित हैं उन्हें दिसम्बर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है। जबकि समूह जल प्रदाय योजना में जो घर नल कनेक्शन से वंचित है उन्हें 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों के द्वारा योजनाओं के हस्तांतरण के बाद चुनौतियां बढ़ जाती हैं, जिसकी जिम्मेवारी समुदाय एवं ग्राम पंचायतों को लेनी ही होगी। पीएस नरहरि ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत सभी घरों को नियमित पानी मिलता रहे इसके लिए ग्राम पंचायत को बड़ी जिम्मेदारी सौंपने के लिए नीति तैयार की जा रही है, जिसे हम जल्द साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि इस दो दिवसीय संवाद से जो भी मुद्दे और अनुसंशायें निकलेंगी उन पर गम्भीरता से विचार किया जायेगा।

कोई घर नल कनेक्शन से न छूटे

वाटरएड के सीईओ माधवन ने कहा सभी को यह जिम्मेवारी लेनी होगी कि एक भी बसाहट या घर नल कनेक्शन से वंचित न रहे। उन्होंने जिला जल एवं स्वच्छता मिशन को सशक्त बनाने पर जोर दिया। हेंडओवर की प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर देते हुए कहा कि इसे और औपचारिक बनाने के लिए पंचायतों के साथ अनुबंध किया जाये एवं क्रियान्वयन से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे डीपीआर, बिल व्हाउचर, गारंटी बारंटी कार्ड और संचालन हेतु पंचायतों से जुड़ी जिम्मेवारियां सौंपी जाये। जल कर संकलन के लिए स्व सहायता समूह के साथ अनुबंध किये जा सकते हैं। पम्प आपरेटर को जल कर संकलन से अलग रखना उचित होगा, क्योंकि उसके पास पहले से ही बहुत काम है। इस दौरान माधवन ने निकली मुख्य चुनौतियों को जल निगम के प्रबंध निदेशक वीएस चौधरी और पीएचईडी के इंजीनियर इन चीफ केके सोनगरिया के समक्ष रखते हुए कहा कि उक्त सब बिंदुओं पर नीतिगत निर्णय लेने एवं उन्हें गम्भीरता के साथ क्रियान्वित करने की आवश्यकता है। पंचायत प्रतिनिधियों, जल सहेलियों, जल समिति के सदस्यों ने नल जल योजना के संचालन एवं रखरखाव, जल कर संकलन में आ रही चुनौतियों से विभागीय प्रतिनिधियों को अवगत कराया साथ ही उनके द्वारा किये गए सफल प्रयासों को भी कार्यक्रम के दौरान साझा किया।

संक्षिप्त समाचार

रिहा बंधकों से पुतिन ने की मुलाकात

क्रेमलिन। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार शाम को मॉस्को के क्रेमलिन में हमास ने जिन बंधकों को रिहा किया उन से मुलाकात की। इन तीनों रिहा हुए बंधकों से पुतिन ने बातचीत की। पुतिन ने रिहा की गई बंधक साशा ट्रूफ़ानोव से मुलाकात की, साथ ही उनकी मां एलेना ट्रूफ़ानोवा और साथी सपिर कोहेन, जो दोनों भी पूर्व बंदी हैं से बातचीत की। पुतिन ने इस मुलाकात के दौरान पूर्व बंधकों को बताया, यह फैक्ट कि आप मुक्त होने में कामयाब रहे, यह इस वजह से है कि रूस के फिलिस्तीनी लोगों, उसके प्रतिनिधियों और कई तरह के संगठनों के साथ स्थिर और लॉन्ग टर्म संबंध हैं। पुतिन ने कहा, हमें हमारे साथ सहयोग करने और इस मानवीय कार्य को अंजाम देने के लिए हमास के प्रति आभार व्यक्त करने की जरूरत है। पुतिन ने सभी बंधकों के रिहा होने की कामना की। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, सभी लोग जो अभी भी उन्हीं परिस्थितियों में हैं, जिनमें आप थे, जल्द हा हो जाए।

ट्रंप से मिलने पहुंची पीएम मेलोनी, टैरिफ पर चर्चा

मॉस्को। यूरोपीय संघ (ईयू) के व्यापार वार्ताकारों को उम्मीद है कि इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की वाशिंगटन यात्रा और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी बैठक अमेरिकी टैरिफ मांगों पर मंजूरी मिल सकती है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्लॉक के वार्ताकारों ने कथित तौर पर शिकायत की है कि उन्हें अमेरिकी मांगों के बारे में जानकारी नहीं दी गई है और अब उन्हें उम्मीद है कि मेलोनी की यात्रा से स्थित स्पष्ट हो जाएगी। साथ ही नाटो में इटली के पूर्व राजदूत स्टेफानो स्टेफनिनी का मानना है कि इटली की पीएम मेलोनी को यूरोपीय संघ के मध्यस्थों पर इसका लाभ मिल सकता है, क्योंकि वह निर्णायकों से बात कर रही हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनके मधुर संबंध हैं। ६ यूरोपीय संघ देशों के अनाम राजनयिकों ने बताया कि पारस्परिक टैरिफ पर इटली के नरम रुख की कुछ सदस्य देशों द्वारा आलोचना की जाती है, लेकिन उन्होंने बताया कि ट्रंप के साथ मेलोनी के मधुर संबंध फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

61 साल की उम्र में शादी रचाएंगे भाजपा नेता घोष

कोलकाता। आखिरकार बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष 61वें वर्ष में शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। पूर्व लोकसभा सदस्य और पूर्व विधायक घोष शुक्रवार को अपने न्यू टाउन स्थित आवास पर दुल्हन रिंकू मजूमदार के साथ सात फेरे लेंगे। रिंकू भाजपा की दक्षिण कोलकताा की सक्रिय नेता और कार्यकर्ता हैं और दोनों की पहली मुलाकात पार्टी के कार्य के दौरान ही हुआ था। दिलीप के करीबी लोगों के अनुसार, पिछले लोकसभा चुनाव हार गए थे तो वे काफी उदास थे, तो रिंकू ही पहली व्यक्ति थीं जिन्होंने उन्हें प्रस्ताव दिया था कि वे साथ मिलकर परिवार शुरू करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि अब उनके साथ कोई नहीं है। वह दिलीप के साथ रहना चाहती है। अब तक कुवांरा रहे दिलीप ने पहले तो मना कर दिया था, लेकिन बाद में अपनी मां के आग्रह पर विचार कर सहमत हो गए। क्योंकि, छह महीने पहले भी उन्होंने शादी के बंधन में बंधने के बारे में नहीं सोचा था।

सुप्रीम कोर्ट ने आयोग से 3 सप्ताह में मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 1961 के चुनाव नियमों में हुए हालिया संशोधनों को चुनौती देने वाली कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और अन्य की याचिकाओं पर जवाब देने के लिए गुरुवार को चुनाव आयोग को तीन सप्ताह का समय और दिया। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने रमेश की याचिका पर 15 जनवरी को केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। श्यामलाल पाल और कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज की भी दो ऐसी ही याचिकाएं लंबित हैं। आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने जवाब दाखिल करने के लिए तीन और सप्ताह का समय मांगा। पीठ ने अनुरोध स्वीकार करते हुए सुनवाई के लिए 21 जुलाई की तारीख तय की। याचिका कर्ताओं ने कहा है कि 1961 की चुनाव संचालन नियमावली में संशोधन बेहद चतुराई से किया गया है। मतदाता की पहचान उजागर होने का दावा करते हुए मतदान के सीसीटीवी फुटेज तक पहुंच पर रोक लगा दी गई है। सरकार ने चुनाव नियमों में बदलाव करते हुए सीसीटीवी कैमरा और वेबकास्टिंग फुटेज के अलावा उम्मीदवारों की वीडियो रिकार्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रानिक दस्तावेज की सार्वजनिक जांच पर रोक लगा दी है, ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके।

महागठबंधन में तेजस्वी को चुना नेता को-ऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष बने

सीट से कैंपेनिंग तक सब तय करेंगे, सीएम फेस पर कांग्रेस ने नहीं खोले पत्ते

पटना, जेएनएन। पटना में गुरुवार को महागठबंधन की 3 घंटे चली बैठक के बाद आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को कोऑर्डिनेशन कमेटी का अध्यक्ष चुन लिया गया है। इससे ये साफ है कि महागठबंधन की तरफ से तेजस्वी ही सीएम फेस होंगे। कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने सीएम फेस पर सीधे तो कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन यह जरूर स्पष्ट कर दिया कि तेजस्वी ही महागठबंधन को लीड करेंगे। सीएम फेस पर कोई कंफ्यूजन नहीं है। उन्होंने कहा कि एनडीए में सीएम फेस को लेकर भारी कंफ्यूजन है। वहीं, सीएम फेस पर तेजस्वी से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, सभी बातों पर सहमति बन चुकी है, थोड़े इंतजार का मजा लीजिए, एक ही दिन में सब बता दें क्या। पशुपति पारस के महागठबंधन में शामिल होने के सवाल पर तेजस्वी ने कहा, आने वाली बैठक में इस बारे में निर्णय लिया जाएगा।

बैठक में आरजेडी, कांग्रेस, वीआईपी के साथ लेफ्ट की तीनों पार्टियां यानी सीपीएम, सीपीआई और माले तीनों के नेता शामिल थे। राज्य से लेकर प्रखंड स्तर पर कोऑर्डिनेशन कमेटी बनाने का निर्णय लिया गया है। ये कमेटियां समय-समय पर आपस में बैठक कर काम करेंगे और अपने एजेंडे को एकजुटता से आगे बढ़ाएंगी।

5 करोड़ से ज्यादा लोग पलायन को मजबूर

बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी ने कहा, हमने गरीब, नौजवान, महिलाओं, युवाओं के मुद्दों पर बात की। पलायन पर चर्चा की। बिहार के लोगों में बहुत गुस्सा है। 20 साल से यहां खटारा सरकार है। केंद्र की ही रिपोर्ट बताती है कि, बिहार में सबसे ज्यादा गरीबी है। 2 करोड़ से ज्यादा लोग पलायन कर चुके हैं, ये तो रजिस्टर्ड हैं। नॉन रजिस्ट्रेशन वाले 4 से 5 करोड़ लोग पलायन करने वाले हैं। बेरोजगारी, पलायन, अपराध में बिहार नंबर-1 है। गोपालगंज में लड़की को किडनैप करके गैंगरेप किया जाता है। सीएम के गृह जिला नालंदा में दुष्कर्म कर पैरों में कीलें ठोंक दी जाती हैं। पुलिस को भगाया जा रहा है। अपराधी बेलगाम हैं।

को-ऑर्डिनेशन कमेटी के 4 मुख्य काम

- सीट शेयरिंग पर निर्णय लेगी।
- चुनावी एजेंडा तय करेगी।
- चुनाव प्रचार की रणनीति बनाएगी।
- कॉमन मिनिमम प्रोग्राम बनाएगी।

सरकार पर बोला हमला

बिहार में कानून नाम की कोई चीज नहीं है। लॉ एंड ऑर्डर का क्रिमिनल डिसऑर्डर हो चुका है। इसके दोषी सिर्फ सीएम नीतीश नहीं हैं। उन्हें क्या कहें वो तो अचेत अवस्था में हैं लेकिन नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह बार-बार बिहार आते हैं, उनको जवाब देना चाहिए। अमित शाह के पास गृह मंत्रालय है। ये लोग मुद्दों पर बात नहीं करते। मोदी 11 साल से प्रधानमंत्री हैं, इन्होंने बिहार को क्या दिया।
केवल ठगने का काम किया है। लोगों ने भरोसा करके सबसे ज्यादा सांसद दिए। दर्जनभर मंत्री यहां से हैं, मंत्री अपनी एक उपलब्धि बता दें। 20 साल से डबल इंजन की सरकार का नेतृत्व मोदी-नीतीश कर रहे हैं। इनका एक काम बताएं। प्रति व्यक्ति आय में बिहार सबसे पीछे है। किसानों की आय में सबसे पीछे है। निवेश में सबसे पीछे है। इन लोगों ने कोई काम नहीं किया। महागठबंधन की बैठक में आरजेडी की ओर से तेजस्वी यादव, संजय यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी शामिल हुए।

ये दल हुए शामिल

कांग्रेस की तरफ से बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा बैठक में मौजूद रहे। वीआईपी से पार्टी अध्यक्ष मुकेश सहनी, देव ज्योति, सीपीआई से केडी यादव, सीपीआई—एम से अजय कुमार, सीपीआई—एमएल से राज्य सचिव कुणाल भी मीटिंग में शामिल होने पहुंचे थे। इधर, बैठक से पहले पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने सीमांचल से कांग्रेस को अधिक सीट देने की मांग की है।

पाक आर्मी चीफ के बयान पर भारत का करारा जवाब

पाकिस्तान को हर हाल में खाली करना पड़ेगा पीओके

इस्लामाबाद, जेएनएन। भारत ने गुरुवार को कहा कि पीओके भारत का अभिन्न अंग है। इस पर पाकिस्तान का अवैध रूप से कब्जा है। पाकिस्तान को पीओके हर हाल में खाली करना पड़ेगा। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ के कश्मीर और टू नेशन थ्योरी वाले बयान पर यह प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। उनके टू नेशन थ्योरी वाले बयान पर जायसवाल ने कहा कि यह थ्योरी 1971 में बांग्लादेश की आजादी के बाद ही खारिज हो चुकी थी। पाकिस्तान के आर्मी चीफ मुनीर ने बुधवार को कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था।

मुनीर ने कश्मीर को बताया था 'गले की नस'

मुनीर ने कश्मीर को पाकिस्तान की 'गले की नस' बताया था। उन्होंने कहा, हमारा रुख बिल्कुल साफ है। कश्मीर हमारी गले की नस था, है और रहेगा। हम इसे कभी नहीं भूलेंगे। हम अपने कश्मीरी भाइयों को उनके वीरतापूर्ण संघर्ष में अकेले नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कश्मीर को गाजा से जोड़ते हुए कहा, पाकिस्तानियों का दिल गाजा के मुसलमानों के साथ धड़कता है।

जनरल मुनीर बोले- हमारी सोच हिंदुओं से अलग

पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने कहा है कि पाकिस्तान की नींव कलमे (इस्लाम धर्म का मूल मंत्र) पर रखी गई है। हम हर मामले में हिंदुओं से अलग हैं। हमारा धर्म अलग है, हमारे रीति-रिवाज अलग हैं। हमारी संस्कृति और सोच अलग है। यही टू-नेशन थ्योरी की नींव थी। इस्लामाबाद में पहले ओवरसीज पाकिस्तानी सम्मेलन में जनरल मुनीर ने कहा था कि पाकिस्तान की कहानी अपने बच्चों को आपको जरूर सुनानी है। हमारे पूर्वजों ने सोचा कि हम हिंदुओं से अलग हैं। हमारी सोच, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। इसी वजह से हम दो देश हैं, एक देश नहीं हैं। इस देश के लिए हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया है। हम जानते हैं कि इसकी रक्षा कैसे करनी है। जनरल मुनीर ने कहा, आज तक सिर्फ दो रियासतों की बुनियाद कलमे पर पड़ी। पहली रियासत-ए-तैयबा, क्योंकि तैयबा को हमारे नबी (मोहम्मद साहब) ने नाम दिया था। आज उसे मदीना कहते हैं। वहीं, दूसरी रियासत 1300 साल बाद अल्लाह ने पाकिस्तान बनाई।

बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले में कोर्ट ने दी रियायत

दिसंबर तक पढ़ा सकेंगे टीचर

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में अपनी नौकरी गंवाने वाले बेदाग सहायक शिक्षकों को अपने पद पर बने रहने की अनुमति दी है। देश की सर्वोच्च अदालत ने छात्रों की पढ़ाई बाधित नहीं हो इस वजह से उन्हें अपने पद पर बने रहने की इजाजत दी है। हालांकि, राज्य सरकार को कड़ी शर्तों के तहत 31 मई 2025 तक नई भर्ती की प्रक्रिया शुरू करनी होगी और 31 दिसंबर 2025 तक यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी। यह आदेश

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने बेदाग अध्यापकों द्वारा शैक्षणिक वर्ष के अंत तक या नई भर्ती प्रक्रिया पूरी होने तक सेवा में बने रहने के लिए दायर आवेदन पर पारित किया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह आदेश केवल कक्षा 9-10 और 11-12 के सहायक शिक्षकों पर लागू होगा। यह भी कहा गया कि यह आदेश भविष्य में उन्हें कोई विशेष अधिकार नहीं देगा और नई नियुक्ति में उन्हें कोई अतिरिक्त लाभ नहीं मिलेगा।

ममता सरकार को सख्त निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने प. बंगाल सरकार के स्कूल सेवा आयोग और प्राथमिक शिक्षा बोर्ड को निर्देश दिया है कि वे 31 मई तक नई भर्ती का विज्ञापन जारी कर हलफनामा कोर्ट में दाखिल करें। 3 अप्रैल को कोर्ट ने 2016 की शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह रद्द कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि यह प्रक्रिया घोटाले, हेराफेरी से पूरी तरह दूषित थी, जिसे सुधारना संभव नहीं है। कोर्ट ने सभी चयनित शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मियों को सेवा से हटाने का आदेश दिया था।

पीडीए की आड़ में दलितों का शोषण कर रही सपा

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने गुरुवार को सपा पर निशाना साधते हुए पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) अभियान की आड़ में राजनीतिक लाभ के लिए दलितों का शोषण करने का आरोप लगाया। बसपा नेता ने एक्स पर एक के बाद एक पोस्ट में कहा, विदित है कि अन्य पार्टियों की तरह आए दिन सपा द्वारा भी पार्टी के खासकर दलित लोगों को आगे कर तनाव व हिंसा का माहौल पैदा करने वाले मामले सामने आ रहे हैं। इनकी अति विवादित बयानबाजी, आरोप-प्रत्यारोप और कार्यक्रम आदि का जो दौर चल रहा है,यह घोर संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति है। सपा भी दलितों के वोटों के स्वार्थ के लिए किसी हद तक जा सकती है। दलितों के साथ अन्य पिछड़ों,मुस्लिम समाज को भी किसी भी बहकावे में नहीं आकर राजनीतिक हथकंडों का शिकार होने से बचना चाहिए।

वजन घटाने की नई ओरफॉरग्लिप्रोन गोली क्लीनिकल परीक्षण में पास

मोटापे, डायबिटीज पर एक साथ वॉर करेगी नई दवा

नई दिल्ली, जेएनएन। दुनियाभर में मोटापे और मधुमेह की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए एक नई आशा की किरण सामने आई है। नई दैनिक गोली ओरफॉरग्लिप्रोन के क्लीनिकल परीक्षण में यह देखा गया कि यह न केवल वजन कम करती है, बल्कि टाइप-2 मधुमेह से जूझ रहे लोगों में रक्त शर्करा के स्तर को भी काफी घटाती है। यह गोली उन दवाओं की नई श्रृंखला का हिस्सा है जो मोटापे और डायबिटीज की संयुक्त समस्या से एकसाथ लड़ सकती हैं।
क्या है ओरफॉरग्लिप्रोन ? : यह एक ग्लूकागन-लाइक पेप्टाइड-1 (जीएलपी-1) प्रकार की औषधि है, जो शरीर में इंसुलिन स्राव को बढ़ाने, भूख को नियंत्रित करने और वजन घटाने में सहायक है। इससे पहले ऐसी औषधियां इंजेक्शन के रूप में दी जाती थीं, जैसे ओजेम्पिक, वेगोवी। ओरफॉरग्लिप्रोन पहली ऐसी दवा है जो गोली के रूप में दिन में केवल एक बार ली जा सकती है। इस तीसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षण में अमेरिका, चीन, भारत, जापान और मेक्सिको के 559 प्रतिभागियों को शामिल किया गया। ये सभी प्रतिभागी मोटापे के शिकार और टाइप-2 मधुमेह से पीड़ित थे। परीक्षण 40 सप्ताह तक चला और इसमें अलग-अलग मात्रा में ओरफॉरग्लिप्रोन दी गई। इसमें 3, 12 और 36 मिलीग्राम की दवा दी गई। सबसे अधिक खुराक (36 मिलीग्राम) लेने वाले प्रतिभागियों का औसत वजन 7.3 किलोग्राम (16 पाउंड) कम हुआ। उनके रक्त शर्करा के स्तर में भी औसतन 1.5 फीसदी की गिरावट आई। कम खुराक लेने वालों में भी सुधार दर्ज किया गया। 3 मिलीग्राम लेने वालों का वजन औसतन 4.5 फीसदी और 12 मिलीग्राम लेने वालों का 5.8 फीसदी तक घटा।

तीन चरणों में होगी यमुना की सफाई

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली में यमुना की साफ-सफाई का काम और तेजी से होगा। गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने यमुना की सफाई को लेकर एक समीक्षा बैठक की। इसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल हुईं। मोदी ने यमुना की सफाई को लेकर 3 महीने, डेढ़ साल और 3 साल की योजना बनाकर काम करने के निर्देश दिए। सफाई की रियल टाइम निगरानी का निर्देश दिया। पेयजल की समस्या दूर करने पानी की बर्बादी रोकने पर भी जोर दिया है। यमुना की सफाई के लिए व्यापक अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान को तैयार किए जाने की योजना है। इसे राजधानी के मास्टर प्लान से जोड़ा जाएगा। पीएम ने यमुना को जनांदोलन का स्वरूप देने और जनता की भागीदारी को बढ़ावा देने पर बल दिया। मोदी ने छठ पूजा में यमुना किनारे नागरिकों को बेहतर अनुभव देने के लिए ठोस प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में यमुना को साफ करने की योजना पर विस्तार से बात हुई।

नए अध्यक्ष को लेकर मोदी शाह और राजनाथ में मंथन

नई दिल्ली, जेएनएन। भाजपा के अध्यक्ष पद के चुनाव से पहले संगठनात्मक चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में उनके निवास पर एक अहम बैठक हुई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के महासचिव बीएल संतोष शामिल रहे। पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया एक हफ्ते में शुरू होने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार बैठक में विगत बुधवार को कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, बंगाल और मध्य प्रदेश के अध्यक्षों के नामों पर विचार किया गया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव भी फरवरी, 2025 तक ही पूरा हो जाना था, लेकिन हरियाणा समेत कुछ राज्यों में चुनाव के चलते इसमें देरी हो गई। पार्टी सूत्रों का कहना है कि 20 अप्रैल के बाद भाजपा अध्यक्ष को चुनने की प्रक्रिया कभी भी शुरू कर दी जाएगी। अगले दो-तीन दिनों में आधा दर्जन प्रदेश अध्यक्षों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी।

2020 से जेपी नड्डा ने संभाल रखा है अध्यक्ष पद : जनवरी, 2020 से जेपी नड्डा ने अध्यक्ष पद संभाला हुआ है, लेकिन अब उनका स्थान लेने वाले नेता की तलाश जोरशोर से जारी है। भाजपा के संविधान के अनुसार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल के लिए ही होता है, लेकिन नड्डा को विस्तार मिलता आ रहा था। माना जाता है कि भाजपा को एक युवा पार्टी अध्यक्ष की तलाश है।

वीडियो वायरल पर भड़की राव की बहन प्रीतिका

नई दिल्ली, जेएनएन। बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव की बहन प्रीतिका राव कुछ टीवी सीरियल्स में काम कर चुकी हैं। प्रीतिका ने करियर की शुरुआथ मॉडलिंग से की थी। फिर उन्होंने साल 2010 में आई फिल्म चिक्कू बुक्कू से तमिल इंडस्ट्री में कदम रखा। तमिल और कन्नड़ इंडस्ट्री में काम करने के बाद प्रीतिका ने 2013 में छोटे पर्दे पर एंट्री ली। वो सीरियल बेइंतहां, फिर लव का है इंतजार और लाल इश्क जैसे शोज में नजर आईं। बेइंतहां से प्रीतिका को काफी ज्यादा पहचान मिली। वहीं इस सीरियल में उनका नाम को-स्टार हर्षद अरोड़ा के साथ जोड़ा गया। हाल ही में एक यूजर ने हर्षद अरोड़ा के साथ उनके रोमांटिक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसे एक्ट्रेस ने जमकर लताड़ लगाई। यूजर को सबक सिखाते हुए उन्होंने हर्षद को वूमनाइजर भी कहा। दरअसल, रेडिट पर प्रीतिका की इंस्टाग्राम यूजर के साथ चैट का कथित स्क्रीनशॉट सामने आया। स्क्रीनशॉट में अभिनेत्री को हर्षद के साथ चुनिंदा वीडियो शेयर करने के लिए यूजर की फटकार लगाते हुए देखा जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने हर्षद के बारे में कई बाते बोलीं।

जमकर लगाई लताड़

प्रीतिका ने कथित तौर पर यूजर को मैसेज किया, शर्म आनी चाहिए! इन वीडियो को पेज पर डालने के लिए, जबकि मैंने आपसे बार-बार अनुरोध किया है कि आप मेरे वीडियो को ऐसे आदमी के साथ पोस्ट न करें जो इंडस्ट्री में मिलने वाली हर महिला के साथ सोता है! उन्होंने नोट भी लिखा, आप मेरी आत्मा की इच्छा के विरुद्ध कुछ कर रहे हैं! कर्मा आपका है! इसका सामना करें! बेइंतहां में प्रीतिका के साथ शिवांगी जोशी, सुचित्रा पिल्लई, नावेद असलम और अन्य ने भी प्रमुख भूमिकाएं निभाईं। यह शो बहुत हिट रहा और प्रशंसकों को प्रीतिका और हर्षद के बीच की केमिस्ट्री बहुत पसंद आई।

सबसे लंबी रेल सुरंग टनल-8 का कार्य पूरा

ऋषिकेश/कर्णप्रयाग। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग ब्रॉड गेज रेल परियोजना के तहत 14.57 किमी लंबी सौड-जनासू सुरंग का पहला ब्रेकथ्रू सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। यह ऐतिहासिक पल केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी की उपस्थिति में जनासू छोर पर संपन्न हुआ। इस उपलब्धि को 'शक्ति' नामक टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) द्वारा अंजाम दिया गया, जिसने मुख्य सुरंग की अंतिम चट्टान को भेदते हुए सुरंग को पार कर लिया। एक अन्य टीबीएम 'शिवा' के जरिए समानांतर सुरंग का कार्य जारी है, और इसका ब्रेकथ्रू जुलाई 2025 तक होने की उम्मीद है।

जैसे ही सुरंग की अंतिम परत टूटी, मौके पर मौजूद इंजीनियरों, अधिकारियों और मजदूरों में खुशी की लहर दौड़ गई। सभी ने वंदे मातरम के जयघोष के साथ एक-दूसरे को गले लगाकर यह गौरवपूर्ण पल मनाया।
रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्वयं स्थल का दौरा कर कार्य की प्रगति की समीक्षा की और निर्माण टीम को उनके परिश्रम, संकल्प और कठिन भूगोल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सराहा।
सौड-जनासू सुरंग इस महत्वाकांक्षी 125 किमी लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो देवप्रयाग, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, गौचर और कर्णप्रयाग जैसे पाँच जिलों को जोड़कर उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को नई दिशा देने का कार्य करेगी। इस रेल मार्ग का 83प्रतिशत से अधिक हिस्सा सुरंगों से होकर गुजरता है, जिससे इसका निर्माण तकनीकी रूप से अत्यंत चुनौतीपूर्ण है। यह ब्रेकथ्रू न केवल इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता का प्रतीक है, बल्कि यह सरकार की दूरस्थ क्षेत्रों तक मजबूत आधारभूत संरचना और कनेक्टिविटी पहुंचाने की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

खुलासा | वैज्ञानिकों के पास अब तक का सबसे पुख्ता प्रमाण, एक्सोप्लैनेट पृथ्वी से 8.5 गुना बड़ा

पृथ्वी से 120 प्रकाश वर्ष दूर मिले जीवन के संकेत

नई दिल्ली, जेएनएन। अंतरिक्ष में छुपे रहस्यों को खोजने को लेकर वैज्ञानिकों में हमेशा होड़ रही है। अब सौरमंडल के बाहर जीवन की तलाश कर रहे विज्ञानियों को बड़ी कामयाबी मिली हैं। शोधकर्ताओं ने कहा है कि सौरमंडल के बाहर के एक ग्रह पर डाइमिथाइल सल्फाइड और डाइमिथाइल डाइसल्फाइड के निशान मिले हैं, जो धरती पर समुद्री जीवों द्वारा जैव रासायनिक प्रक्रिया के तहत बनते हैं। यह सौरमंडल के बाहर जीवन का अब तक का सबसे ठोस साक्ष्य है। हालांकि, इस संबंध में और अधिक डाटा जुटाने की जरूरत है। के2-18 बी नाम का एक्सोप्लैनेट पृथ्वी से 8.5 गुना बड़ा है। यह एक्सोप्लैनेट पृथ्वी से 120 प्रकाश वर्ष दूर है।

जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से मिला डाटा

यह के2-18 तारे की परिक्रमा करता है। अध्ययन में ब्रिटेन के कैंब्रिज विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से मिले डाटा का विश्लेषण किया गया गया है। इस एक्सोप्लैनेट पर डाईमिथाइल सल्फाइड और डाईमिथाइल डाइसल्फाइड के निशान पाए गए, जो पृथ्वी पर समुद्री फाइटोप्लांकटन जैसे सूक्ष्मजीव जैव रासायनिक प्रक्रिया के तहत उत्पादित करते हैं। यह अध्ययन एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में प्रकाशित हुआ है।
इसकी स्वतंत्र समीक्षा की जानी है। एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में प्रकाशित 2023 के अध्ययन में, टीम ने के2-18 के वायुमंडल में कार्बन युक्त गैसों-मीथेन और कार्बन डाईऑक्साइड के साक्ष्य जुटाए थे। इस पर हाइड्रोजन भी प्रचुर मात्रा में मिला था। मधुसूदन ने कहा, हमें नहीं पता था कि पिछली बार जो संकेत हमने देखा था, वह (डाईमिथाइल सल्फाइड) के कारण था या नहीं, लेकिन इसका संकेत मात्र ही हमारे लिए इतना रोमांचक था कि हमने एक अन्य उपकरण का उपयोग करके जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से इसे दोबारा देखा। इस बार हमने पहले से भिन्न उपकरण का उपयोग किया है तथा प्रकाश की तरंगदैर्घ्य की रेंज भी अलग है।

थाना रैपुरा क्षेत्र में चोरी करने वाले 02 अज्ञात आरोपियों को घटना के 24 घण्टे के अन्दर किया गया गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से चोरी किये गये 17 नग मवेशी कीमती करीब 5 लाख रूपये के बरामद

जागरण, पन्ना । पुलिस अधीक्षक पन्ना साई कृष्ण एसण् थोटा के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान व अनुविभागीय अधिकारी ;पुलिसद्ध पवई राजेन्द्र मोहन दुबे के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी पवई उनि संतोष सिंह यादव के नेतृत्व में रैपुरा थाना स्तर पर गठित पुलिस टीम द्वारा 17 नग मवेशी कीमती करीब 5 लाख रूपये के चोरी करने वाले 02 आरोपियों को 24 घण्टे के अन्दर गिरफ्तार कर भेजा गया जेल । दिनांक 16৳04৳2025 को फरियादी वीरचन्द यादव उर्फ कल्लू यादव निवासी डोहली ने थाना रैपुरा में रिपोर्ट किया कि उसकी व उसके परिवार की कुल 17 नग भैस एवं पड़ा कीमती करीब 05 लाख रुपये को अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है । फरियादी की रिपोर्ट पर थाना रैपुरा में अज्ञात आरोपियो के विरुद्ध अपण् क्र 77৳25 धारा 303;2द्ध बीएनएस कायम किया जाकर विवेचना मे लिया गया । मामले की जानकारी थाना प्रभारी रैपुरा उनि संतोष यादव द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई । उक्त सूचना को पुलिस अधीक्षक पन्ना श्री साई कृष्ण एसण् थोटा द्वारा गंभीरता से लिया गया । मामले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में थाना स्तर पर गठित पुलिस टीम द्वारा तत्परतापूर्वक कार्यवाही करते हुये घटना कारित करने वाले आरोपियों के संबंध में अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया । मुखबिर सूचना के आधार पर गठित पुलिस टीम द्वारा थाना में सूचना प्राप्त होने के 24 घंटे के अन्दर मामले में शामिल 02 संदिग्ध व्यक्तियों को पुलिस अभिरक्षा में लिया जाकर पूँछताछ की गई । उक्त व्यक्तियों द्वारा पूँछताछ पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया । पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के कब्जे से घटना में चोरी किये गये 17 नग मवेशी कीमती करीव 05 लाख रुपये के बरामद किये जाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है । संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी रैपुरा उण्निण् सतोष सिंह एसउनि यशवंत सिहए प्र आर नीरज वागरीएआर राजेश पटेलए राहुल सिह एवं आलोक सिह का सराहनीय योगदान रहा । पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा उक्त पुलिस टीम को कार्य की सराहना करते हुये पुरुस्कृत किये जाने की घोषणा की गई है ।

विधायक हरिशंकर की जीत का ट्रेक रिकार्ड देख स्वयं का अवलोकन करें कांग्रेसी : रोहित

टीकमगढ़। जिले में नामांतरण प्रक्रिया को सरल बनाते हुये 2015 की नकल को लेकर कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय द्वारा किये गए जनहित संबंधी फैसले को लेकर राजनैतिक क्षेत्र में मची श्रेय लेने की होड़ के चलते कांग्रेस ने भाजपा विधायक व प्रदेश महामंत्री हरिशंकर खटीक पर श्रेय लेने का आरोप लगा दिया। जिस पर तीखा पलटवार करते हुये भाजपा जिला उपाध्यक्ष रोहित खटीक ने कांग्रेस नेताओं से कहा है कि विधायक हरिशंकर खटीक पर आरोप लगाने के पहले कांग्रेसी नेता पहले विधायक हरिशंकर की जीतए क्षेत्र विकास कार्य और सफलता का ट्रेक रिकार्ड देख लें। भाजपा जिला उपाध्यक्ष रोहित खटीक ने कांग्रेसियों पर पलटवार करते हुए प्रदेश महामंत्री भाजपा व जतारा विधायक हरिशंकर खटीक द्वारा क्षेत्र की जनता को दी हुई सोगातें गिनाते हुये कहा कि जतारा विधायक हरिशंकर खटीक ने जिले के विकास के लिए क्षेत्र जमीन से लेकर विधानसभा तक लोगों की समस्याओं को उठाई हैं। विधानसभा सत्र के दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव कोशिश की। लोगों तक सरकारी योजनाएं का लाभ दिलाने के लिए प्रक्रिया को सरल बनाया। जमीन नामांतरण को आसान बनाने के लिए 1959৳2015 नकल को समाप्त करवाया। हरिशंकार खटीक जिले के इकलौते ऐसे विधायक हैं जिन्होंने जनता की समस्या को अपनी समस्या समझ कर हर संभव लोगों तक मदद पहुंचाने का कार्य किया है। उनकी सरलता ए सहजताए सादगी और राष्ट्र के प्रति उनकी निष्ठा देखकर हर कोई उनसे प्रभावित व प्रेरित रहता है। उनके प्रयास से क्षेत्र के युवाओं को रोजगार उपलब्ध हुआ है। जनता तक आवास की सुविधाए इलाज की सुविधा आसानी से लोगों तक पहुंची है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था व प्रशासनिक व्यवस्था को सशक्त बनाया गया है।

पुलिस ने रेड कार्यवाही कर 14 पेटी, 126 लीटर अवैध शराब पकड़ी, आरोपी को किया गिरफ्तार

दिगौड़ा । पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में नशे पर अंकुश लगाने हेतु ष्नशामुक्ति अभियानष् चलाया जा रहा है। इस अभियान में अवैध मादक पदार्थों के विक्रयए परिवहनए स्टॉक करने वाले आरोपियों पर रेड कार्यवाहियां की जा रही है। साथ ही आमजन को नशामुक्ति हेतु प्रेरित करने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है।इसी अभियान के तहत थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक पंकज शर्मा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने 17 अप्रैल को अवैध शराब के संबंध में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई। पुलिस टीम में शामिल चौकी प्रभारी खिरिया उप निरीक्षक रामसेवक झा द्वारा पुलिस स्टाफके मुखबिर की सूचना अनुसार आरोपी नीरज सिंह पिता सुरेश पाल सिंह सौलंकी उम्र 32 साल निवासी ग्राम कुण्डेश्वर के यहां रेड कार्यवाही की गईए जिसमें आरोपी के कब्जे से अवैध देशी शराब कुल 14 पेटीए 700 क्वाटरए कुल मात्रा 126 लीटर कीमती 63000৳. रूपया की जप्त की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर धारा 34 ;2द्ध आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली पंकज शर्माए चौकी प्रभारी खिरिया रामसेवक झाए प्रधान आरक्षक संजीव यादवए राकेश सिंह घोषए आरक्षक अरविंद सिंहए भूपेंद्र सिंहए संतोष वर्माए अभय पाठक एवं थाना कोतवाली से आरक्षक नागेन्द्र यादवए गौरीशंकर लोधीए महिला आरक्षक रजीना खानए एनआरएस मठूए आरिफकी सराहनीय भूमिका रही।

गुनौर विधायक ने मुख्यमंत्री से भेंट कर मिड़ासन नदी के पुनरूद्धार की मांग की

जागरण, पन्ना । विधायक गुनौर डॉ. राजेश वर्मा ने गुनौर विधानसभा में पानी की समस्याओं के निराकरण के संबंध में आज भोपाल प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉण् मोहन यादव से भेंट की और जीवनदायिनी मिड़ासन नदी के संरक्षण के लिए जरूरी सर्वेक्षण तथा पुनरूद्धार की मांग की। इस मौके पर विधायक द्वारा अवगत कराया गया कि यह नदी किसानों की आजीविका का मुख्य आधार है तथा वर्तमान में ग्राम गढ़ीपड़रिया के निकट निर्मित बांध की जल संग्रहण क्षमता कम होने से अधिकांश वर्षा जल व्यर्थ बह जाता है। नदी का जल स्तर गिरने से यह धीरे.धीरे सूखने की स्थिति में पहुंच रही है। विधायक डॉण् वर्मा द्वारा क्षेत्र के अन्य विकास कार्यों के संबंध में भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया।

पवई मंडी के खरीदी केंद्रों में पानी की किल्लत

चिलचिलाती धूप में प्यास बुझाने तरस रहे किसान

जागरण, पवई । रवि फसलों की सरकारी खरीदी प्रक्रिया इन दिनों ज़ोरों पर है और पवई कृषि उपज मंडी में इस समय तीन.तीन खरीदी केंद्र संचालित हो रहे हैं कृ मुराछए पवई एवं पड़रिया। इन सभी केंद्रों पर किसानों की भारी भीड़ जुट रही हैए लेकिन भीषण गर्मी के बीच पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधा का घोर अभाव किसानों को परेशान कर रहा है। इन खरीदी केंद्रों पर ठंडे पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। व्यवस्था के नाम पर केवल एक.एक प्लास्टिक की केन रख दी गई हैए जो ना तो पर्याप्त है और ना ही उसमें समय पर पानी भरवाया जाता है। इससे किसानों को अपनी प्यास बुझाने के लिए या तो मंडी परिसर से बाहर दुकानों तक जाना पड़ता है या फिर कुछ दूरी पर लगे सार्वजनिक नल का सहारा लेना पड़ रहा है। कृषि उपज मंडी का बोरवेल भी बीते छह महीनों से खराब पड़ा हैए जिसकी मरम्मत अब तक नहीं करवाई गई है। प्रशासन की इस लापरवाही के कारण किसान गर्मी और धूप में बेहाल हैंए लेकिन फिर भी अपने अनाज को बेचने के लिए घंटों कतारों में खड़े रहने को मजबूर हैं। किसानों ने नाराजगी जताते हुए मांग की है कि खरीदी केंद्रों पर तत्काल ठंडे और स्वच्छ पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था की जाएए साथ ही मंडी के खराब बोरवेल की मरम्मत भी जल्द से जल्द करवाई जाएए ताकि किसानों को थोड़ी राहत मिल सके।

जनपद अध्यक्ष को धमकी देने वाले जनपद सीईओ अस्थाना गिरफ्तार

पन्ना । मैहर जिले की अमरपाटन जनपद पंचायत में पदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी ओ पी अस्थाना द्वारा जनपद अध्यक्ष को मोबाइल के माध्यम से जान से मारने की धमकी दी गई थी जिसको लेकर जनपद अध्यक्ष द्वारा थाना अमरपाटन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी अस्थान के खिलाफमामला दर्ज कराया था पुलिस ने श्री अस्थान के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था उसी प्रकरण के संबंध में पन्ना जिले के देवेंद्र नगर थाना पुलिस द्वारा श्री अस्थाना को गिरफ्तार किया गया है तथा शून्य पर मामला दर्ज करते हुए अमरपाटन पुलिस केसुपुर्द कर दिया है ज्ञात हो की श्री अस्थाना पन्ना जिले की जनपद पंचायत गुनौर में भी कई वर्ष तक मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर रहे हैं तथा यहां पर भी उनका विवादों से नाता रहा है ।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा आज

पन्ना । मुख्यमंत्री डॉण् मोहन यादव शनिवारए 19 अप्रैल को सुबह 11 बजे जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियों के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी व्हीसी कक्ष में निर्धारित समय पर जानकारी के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

बृजपुर पशु अस्पताल से चिकित्सक हमेशा रहते हैं गायब पशुपालक परेशान

पन्ना । पन्ना तहसील अंतर्गत ब्रिज पर में पशु चिकित्सा अस्पताल संचालित है लेकिन उक्त अस्पताल मे पदस्थ सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संदीप करेरिया चिकित्सालय से अक्सर गायब रहते हैं जिससे क्षेत्र के पशुपालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है पशुपालकों द्वारा बताया गया कि पशुओं को इलाज के लिए अस्पताल लाते हैं तो पशु चिकित्सक ही नहीं मिलते हैं जिससे पशुओं के इलाज नहीं हो पा रहा है इसके अलावा पशु मोबाइल बैन को भी फोन लगाने पर पशु चिकित्सक नहीं पहुंचते हैं इस क्षेत्र के अंतर्गत आधा सैकड़ा से अधिक ग्राम आते हैं क्षेत्र में अधिक मात्रा में लोगों द्वारा पशुपाल रखे हैं लेकिन इस प्रकार की लापरवाही से पशुपालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है स्थानीय लोगों ने जिला कलेक्टर से तथा उपसंचालक पशुपालन से संबंधित चिकित्सक के खिलाफकार्यवाही की मांग की है।

कृषि स्थाई समिति की हुई बैठक

पन्ना । जिला स्तरीय कृषि स्थाई समिति की बैठक गत दिवस किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के जिला कार्यालय के सभागार में समिति के सभापति संतोष यादव की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष मीना राजे एवं समिति के सदस्यगण भी उपस्थित रहे। बैठक में बीज ग्राम योजना व बीज मिनी किट वितरण तथा खरीफएवं रबी कार्यक्रम अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के प्राप्त लक्ष्य का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

रैपुरा थाना क्षेत्र में नाबालिग बालिका को फोन पर बात करने को मजबूर करने शादी करने का दबाव बनाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने वाले आरोपी को किया गया गिरफ्तार

नाबालिग बालिका द्वारा युवक से प्रताड़ित होने पर की गई थी आत्महत्या

जागरण, पन्ना । फरियादी द्वारा दिनांक 20ण्03ण्25 को थाना रैपुरा आकर रिपोर्ट की गई कि मै बघवार कलां का रहने वाला हूं खेती किसानी का काम करता हू। मेरी तीन लड़किया है जिसमे से मेरी मझली;बीच वालीद्ध नाबालिग बेटी सुहानी कोरी उम्र 15 साल द्वारा घर की सीलिंग मे लगी रॉड मे रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है मामले मे रैपुरा पुलिस टीम द्वारा मर्ग क्रमांक 05৳25 कायम कर विवेचना मे लिया गयाएमर्ग विवेचना के दौरान मृतिका द्वारा मानसिक रुप से प्रताड़ित होने से आत्महत्या की जाने के तथ्य् सामने आने पर मामले मे थाना रैपुरा मे अपराध क्रमांक 79৳25 धारा 107 बीएनएस का कायम किया जाकर विवेचना मे लिया गया। उक्त मामले मे मर्ग विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा मृतिका के रिश्तेदारो व पड़ोसियो के कथन लिये गये थे जिनके द्वारा बताया गया था की कुछ दिन पूर्व पड़ोस मे रहने वाले एक व्यक्ति की बेटी की शादी समारोह मे नीरज कोरी नाम का लड़का भिलसांय से आया था जिसके द्वारा मृतिका सुहानी कोरी का मोबाइल नम्बर कहीं से प्राप्त कर लिया था जो आये दिन सुहानी को फोन लगाकर बात करने के लिये मजबूर करता था एवं उसके साथ शादी करने की बात को लेकर दबाव बनाकर परेशान व प्रताड़ित करता था जिस बात को मृतिका द्वारा अपनी बड़ी बहिन एवं पड़ोस मे रहने वाली सहेलियो को बताया था जिस पर आरोपी के विरूद्ध थाना रैपुरा मे अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया। मामले मे पुलिस अधीक्षक पन्ना श्री साई कृष्ण एसण्थोटा द्वारा आरोपी की शीघ्र पतारसी कर गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था। पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान एवं एसण्डीण्ओण्पी पवई राजेन्द्र मोहन दुबे के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी रैपुरा उनिण् संतोष सिंह यादव के नेतृत्व मे पुलिस टीम द्वारा आरोपी की लगातार तलाश.पतारसी की गई जिसपर थाना प्रभारी रैपुरा को उक्त आरोपी के सलैया रेल्वे स्टेशन कटनी मे होने की सूचना प्राप्त हुई जिस पर पुलिस टीम द्वारा उक्त आरोपी नीरज कोरी को आज दिनांक 18ण्04ण्25 को सलैया रेल्वे स्टेशन थाना रीठी जिला कटनी से गिरफ्तार किया गया।

बल्देवगढ़ कलेक्टर विवेक श्रोतिय द्वारा जिले से पलायन को रोकने के लिए एक अच्छी पहल की

टीकमगढ़। जनपद पंचायत की 20 ग्राम शामिल हैं। प्रभारी जनपद सीईओ एवं एसडीएम भारती देवी मिश्रा ने बताया कि गांव में रोजगार पलायन पर वार अंतर्गत गांव में ही श्रमिकों को रोजगार मुहैया कराये जाने हेतु कलेक्टर सर के निर्देशा में जनपद स्तर से जनपद पंचायत बल्देवगढ़ में 20 ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है। जिनमें ग्राम पंचायत में बाहर से आये व्यक्तियों को चिन्हित कर गांव में ही काम दिया जा रहा है। सहायक यंत्री रोहित सागरिया और मनरेगा एपीओ योगेश समाधिया सरपंच सचिव रोजगार सहायको द्वारा मजदूरी कार्य हेतु ग्राम पंचायत में दीवार लेखनए मुनादी एवं ष्प्रिय मित्रष् पत्र का वितरण कर श्रमिकों को गांव में ही चल रहे निर्माण कार्यों में मजदूरी कार्य किये जाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। जिससे मजदूर बाहर ना जायेए गांव में ही रहकर मजदूरी करें एवं गांव में अच्छे निर्माण कार्य हो जिससे ग्रामीण क्षेत्र का विकास संभव हो साथ ही मजदूर वर्ग गांव में ही आर्थिक रूप से सशक्त रहें और गांव से बाहर रोजगार हेतु पलायन ना करें। ग्राम पंचायत सरकनपुर के सरपंच मनीष राय ने कहा कि कलेक्टर सर की इस अनूठी पहल एवं प्रयास से गांव में ही रोजगार मिलने से पलायन की स्थिति में निश्चित ही सुधार होगा और पलायन पर अंकुश लगेगा।

भीड़ भरे मेला में घुसी कार पांच लोगों को किया घायल महिला की मौत, बनौली का प्रसिद्ध कुआं ताल मेला का मामला

जागरण, पन्ना । पन्ना जिले के पवई विकासखंड अंतर्गत सिमरिया तहसील में ग्राम पंचायत बनौली में प्रति वर्ष कंकाली माता के स्थान कुआं ताल में नवरात्रि के अवसर पर प्रतिवर्ष मेला लगता है जिसमें दूर दराज से दुकानदार एवं श्रद्धालु लाखों की संख्या में पहुंचते हैं इस वर्ष भी विशाल मेला लगा हुआ था दिनांक 16 अप्रैल को मेला में झूला चलाने वाले रघुवीर शर्मा की कार द्वारा पांच लोगों को लापरवाही पूर्वक कुचल दिया गया जिसमें एक महिला की मौत भी हो गई बताया जाता है कि मेला में अंदर जाने के लिए बड़े वाहन प्रतिबंधित है उसके बावजूद झूला संचालक की कार ने मेला में प्रवेश किया तथा चालक द्वारा लापरवाही पूर्वक कार चलाई जिससे पांच लोग कार की चपेट में आ गए तथा गंभीर रूप से घायल हो गए जिसमें एक महिला की मौत हो गई महिला प्यारी बाई पति दूधिया 60 वर्ष ग्राम बरखेड़ा की मौत हो गई तथा पंचू प्रजापति 13 वर्ष टिकरी पिपरिया लक्ष्मी अहिरवार 40 वर्ष ग्राम टपरिया मनीषा पिता कृपाल आदिवासी 18 वर्ष गे सा बाद निर्मल अहिरवार 73 वर्ष निवासी बिल्हा घायल है जिनका इलाज चल रहा है का ़क्रमांक यू पी 16 सी इ 2721 है पुलिस ने मामला कम कर लिया है।

सचिव एवं रोजगार सहायक को नोटिस जारी

पन्ना । जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी द्वारा समग्र एवं पेंशन ई.केवायसी सहित प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण तथा मनरेगा योजना अंतर्गत न्यूनतम प्रगति वाली 25 ग्राम पंचायतों के सचिव एवं रोजगार सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इनमें अजयगढ़ विकासखण्ड की ग्राम पंचायत कटर्राए बरकोलाए मोहाना एवं बीराए शाहनगर विकासखण्ड की फत्तेपुरए गजन्दाए बिलपुरा एवं बोरीए पन्ना विकासखण्ड की मकरी कुठारए गजनाए सिलधराए रमखिरियाए सकरियाए कुड़ारए जनवार एवं मनौरए गुनौर विकासखण्ड की पगराए गंजए सिंघौराए सुंगरहाए विक्रमपुर एवं सिरी तथा पवई विकासखण्ड की ग्राम पंचायत देवराए मुड़वारी और गूढ़ा के सचिव व रोजगार सहायक शामिल हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नगर में किए जा रहे हैं जल संरक्षण कार्य

पलेरा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉण् मोहन यादव द्वारा जल गंगा सवंर्धन अभियान को 30 मार्च से प्रारंभ किया है जो कि 30 जून तक संचालित होगा। जल संरक्षणए जल संवर्धन तथा प्राचीन जल स्त्रोतों की साफसफाई के लिए राज्य शासन के निर्देश पर नगर परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत संपूर्ण नगर क्षेत्र की 15 वार्डो में जल स्त्रोतों की जनभागीदारी से साफसफाई कराई जा रही है। साथ ही आम जनों को जल संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न आयोजन भी किए जा रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिवंगत उप निरीक्षक नाथू लाल कौल को दी श्रद्धांजलि

टीकमगढ़ पुलिस द्वारा पुलिस लाइन में दिवंगत उप निरीक्षक को श्रद्धांजलि देने हेतु आयोजित किया गया कार्यक्रम

जागरण, टीकमगढ़। थाना बड़ागांव जिला टीकमगढ़ में पदस्थ उप निरीक्षक नाथू लाल कौल सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे जिनका इलाज के दौरान स्वर्गवास हो गया । उनके पार्थिव शरीर को टीकमगढ़ लाया गया एवं पुलिस लाइन में टीकमगढ़ पुलिस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई सहित टीकमगढ़ पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई । पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई स्वर्गीय उप निरीक्षक नाथू लाल कौल के परिजनों से मिले उन्हें इस दुख की घड़ी में सांत्वना दी एवं उनके पुत्र को तात्कालिक सहायता राशि ?100000৳. प्रदान की गई साथ ही उन्हें हरसंभव मदद का टीकमगढ़ पुलिस की ओर से आश्वासन दिया गया । श्रद्धांजलि उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वर्गीय नाथू लाल कौल के पार्थिव शरीर को पुलिस स्टाफ के साथ पुलिस लाइन की एम्बुलेंस से ससम्मान उनके गृह नगर मैहर रवाना किया गया जहां उनका अंत्येष्टि कार्यक्रम किया जाएगा ।

विधानसभा क्षेत्र का होगा चहुंमुखी विकास . चंदा सिंह

जनसमस्या निवारण शिविर में विधायक ने ली अधिकारियों की क्लास

जागरण, पलेरा। खरगापुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती चंदा सुरेंद्र सिंह गौर की उपस्थिति में बुधवार को जनपद पंचायत क्षेत्र की ग्राम पंचायत आलमपुरा में ग्राम पंचायत बेलाए ग्राम पंचायत लारौनए ग्राम पंचायत हनोता संयुक्त जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित किए गए शिविर में जनपद कार्यालयए वन विभागए राजस्व विभाग के तमाम कर्मचारी उपस्थित हुए। विधायक श्रीमती गौर ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से अपने.अपने विभाग से संबंधित जानकारियां मांगी। ग्रामीणों की शिकायत के समाधान को लेकर उन्होंने संबंधित विभाग के कर्मचारियों की क्लास लगाई। श्रीमती गौर के द्वारा विभागों के अधिकारियों को सख्त निर्देशित किया गया कि जो भी अपने.अपने विभाग वार जानकारी है उसे अप टू डेट रखें। इसके साथ ही उपस्थित आमजनों के समस्याओं का निराकरण तत्काल करें । उन्होंने मौके पर समस्याओं का निपटारा करने को लेकर लगाए जा रहे जनता समाधान शिविर में जिन विभागों की समस्याओं का निष्तारण नही हो पायाए व कम से कम समय में ज्यादा से ज्यादा समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही भीषण गर्मी के समय में पेयजल समस्या को ध्यान में रखते हुए विधायक श्रीमती चंदा सुरेंद्र सिंह गौर ने निर्देशित किया कि जहां भी पेयजल की समस्या हो वहां पर पानी टैंकरों की व्यवस्था की जाए। इस मौके पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजू रायए नरेशदत्त तिवारीए अवधेश रावतएप्रदीप मिश्रा महिला बाल विकास एविवेक तम्मकारए अमर राजपूत एमहेंद्र महाराज नीरज देशमुख एरवि यादव सहायक यंत्री एकता तिवारीए उपयंत्री हरिओम रायए राजेश द्विवेदी समेत ग्राम सरपंच सचिव एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

डीपीएस निगाही में हिंदी तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

झेलम सदन पाँच पुरस्कार प्राप्त कर रहा अव्वल

बच्चों ने हिंदी में विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत किए अपने आशु सोच विचार

जागरण निगाही। दिल्ली पब्लिक स्कूल निगाही में हिंदी भाषा में अन्तर.सदनीय तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसकी जानकारी देते हुए प्राचार्य सुखवन्त सिंह थापर ने बताया कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना उनके वाक्य चातुर्यता को विकसित करना और उन्हें सामाजिक व राष्ट्रीय मुद्दों पर सोचने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता प्रति वर्ष कराई जाती है। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र.छात्राओं के अलावा शिक्षक और अभिभावक भी उपस्थित रहे। तात्कालिक भाषण की इस प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों से समूह बी की चौथी और पाँचवीं समूह सी की छठी से आठवीं एवं समूह डी की नौवीं से बारहवीं तक के छत्तीस प्रतिभागियों ने भाग लिया और तत्काल दिए गए विषयों पर अपनी हिंदी वकृत्व शैली की प्रस्तुति की। इसके पूर्व हिंदी शिक्षक डॉ. नारायण प्रसाद मिश्र ने प्रतियोगिता का परिचय दिया और तत्संबंधी नियमों के बारे में बताकर विद्यालय के विद्यार्थी परिषद के कनिष्ठ वर्ग के उप. प्रधान छात्र अद्विक सिंह चंदेल को स्वागत भाषण के लिए आमंत्रित किया । तत्पश्चात विद्यालय के विद्यार्थी परिषद के वरिष्ठ वर्ग के सांस्कृतिक सचिवों रोचक जैन और आसिता शुक्ला को मंच.संचालन के लिए निर्देशित किया। तीनों समूहों के प्रतिभागियों के लिए उनके मानसिक स्तर के अनुकूल विषय विभिन्न पुरजों में निर्धारित थेजिन्हें वे चुनकर अपनी प्रस्तुति कर रहे थे। इन प्रतिभागियों ने दिए गए सामाजिक सांस्कृतिक साहित्यिक तकनीकी खेलकूद तथा समसामयिक विषयों पर अपने विचार रखे। इनके विचारों और शैलियों से श्रोतागण प्रभावित थे और तालियों से उत्साहवर्धन भी कर रहे थे। निर्णायक मण्डल के सदस्यों. प्राचार्य श्री थापर अजीत सिंह एवं भगवान प्रसाद द्विवेदी ने विषय की गहराई भाषा की शुद्धता वक्तृत्व शैली समय का सदुपयोग और प्रस्तुति जैसे मापदंडों के आधार पर निरीक्षण करके समुचित निर्णय दिये। भगवान प्रसाद द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में तात्कालिक भाषण एक महत्वपूर्ण कौशल बन गया है जो व्यक्तित्व विकास और कैरियर में सफलता के लिए सहायक सिद्ध होता है। अपने विचारों को व्यक्त करते समय आप डरे नहीं बल्कि सहजता के साथ उसे प्रस्तुत करें। अजीत सिंह ने अपने सम्बोधन में बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उन्हें भाषण के पूर्व के मिले समय में विषय को भली.भाँति समझकर उनसे संबंधित आत्मबोध को मन में सजा लेना चाहिए और तब उन्हें प्रकट करना चाहिए जिससे वे विषयांतर से बच सकेंगे। स्पष्ट सोच आत्मविश्वास सरल भाषा और प्रभावी प्रस्तुति तात्कालिक भाषण को सफल बनाते हैं । प्राचार्य श्री थापर ने अपने सम्बोधन में बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन और संप्रेषण की क्षमता के अभ्यास के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि भाषा की स्किल को अपग्रेट करना आज के दौर में बहुत जरूरी है। प्रभावी संप्रेषण से आत्मविश्वास बढ़ता है कैरियर में तरक्की मिलती है और सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं। अच्छी भाषा स्किल्स विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में मदद करती है। भाषा की स्किल से हम व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में खुद को बेहतर बना सकते हैं। इसके पश्चात विद्यालय के विद्यार्थी परिषद के वरिष्ठ वर्ग के प्रधान छात्र सत्यम आनंद ने धन्यवाद ज्ञापन किया और डॉ.नारायण प्रसाद मिश्र द्वारा विजित प्रतिभागियों के नामों की घोषणा की गई । जिसके अनुसार समूह बी के सतलज सदन की रितिका पांडे ने तीसरा झेलम सदन के क्रमशः अनुभव त्रिपाठी नाविका शुक्ला और अंबर पांडे ने दूसरा एवं गंगा सदन की आराध्या भूषण ने पहला। समूह सी के झेलम सदन के वीर प्रताप सिंह ने तीसरा सतलज सदन के सक्षम त्रिपाठी ने दूसरा तथा झेलम सदन की अंशिका कटियार ने पहला जबकि समूह डी के रावी सदन के उत्कर्ष पांडे ने तीसरा इसी सदन की साक्षी कुमारी ने दूसरा एवं गंगा सदन के जे राज रतन गुप्त ने पहला स्थान प्राप्त किया। झेलम सदन पाँच पुरस्कार लेकर अव्वल रहा जबकि गंगा सतलज और रावी सदन को क्रमशः दो. दो पुरस्कार से संतोष करना पड़ा। अन्तर सदनीय प्रतियोगिता प्रभारियों. प्रियंका राज जसवीर कौर मान और मनोज कुमार मिश्र के प्रबन्ध.सहयोग द्वारा इन प्रतिभागियों को प्राचार्य ने स्मृति.चिह्न प्रदान कर प्रोत्साहित किया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ और प्रतियोगिता सम्पन्न हुई।

एन सी एल NCL
नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(मिनिरत्न कंपनी)
(कोल इण्डिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी)
निविदा सुचना
"सीआईएल एवं अनुषंगी कम्पनियों द्वारा सामाग्री,कार्य एवं सेवाओं हेतु निर्गत सभी निविदाएँ www.coal india.in/ सम्बंधित अनुषंगी कम्पनी, सीआईएल ई-प्रक्योरमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in एवं केंद्रीय लोक प्रक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतरिक्त GeM Portal https://gem.gov.in के द्वारा भी प्रक्योरमेंट किया जाता है।" R-05

अब चेहरा स्कैन कर होगा ई.केवाईसी बायोमेट्रिक सत्यापन

जागरण बैढ़न। जिला आपूर्ति अधिकारी पी.सी चन्द्रवंशी ने बताया कि खाद्य विभाग द्वार निशुल्क राशन के लिए ई.केवाईसी होना अनिवार्य कर दिया गया है और इसके लिए अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित की गई है। ई.केवाईसी नहीं होने पर हितग्राही निशुल्क राशन से वंचित हो सकते हैं ई.केवाईसी में बुजुर्गों और 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के फिंगरप्रिंट मिलान में समस्या आ रही थी जिसके कारण उनका बायोमेट्रिक सत्यापन नहीं हो पा रहा था इस कारण से जिले में 1081034 पंजीकृत हितग्राहियों में से 286523 हितग्राहियों की ई.केवाईसी नहीं हो सकी इनमें अधिकांश वृद्ध और बच्चे है। फिंगरप्रिंट मिलान नहीं होने से 1 मई 2025 से इनके सामने राशन का संकट आ सकता है। जिला आपूर्ति अधिकारी पीसी चंद्रवंशी के अनुसार इस समस्या से निपटने के लिए अब विभाग द्वारा मोबाइल एप तैयार किया गया है जिसके माध्यम से चेहरे को स्कैन कर ई.केवाईसी अपडेशन किया जा सकता है। इसमें खास बात यह है कि कोई भी हितग्राही खुद भी इस ऐप को डाउनलोड कर अपडेशन कर सकता है। इसके लिए उसे प्ले स्टोर से ऐप डाउनलोड करना होगा और मांगी गई जानकारी भरनी होगी। इसमें फ्रंट कैमरा चालू कर दो बार पलक झपकते ही ही केवाईसी अपडेट हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि हितग्राही ई केवाईसी का सत्यापन इस तरह कर सकते हैं सबसे पहले गूगल प्ले स्टोर में जाकर ई.केवाईसी ऐप को डाउनलोड करना होगा इसमें मोबाइल की लोकेशन चालू रखना होगी ई.केवाईसी करते समय फेस ई.केवाईसी का पेज खुलेगा इसमें राज्य मध्य प्रदेश का चयन करना है और अपना 12 अंकों की आधार संख्या डालना है जिसके उपरांत मोबाइल पर एक 6 अंक का ओटीपी आएगा इसके बाद नाम राज्य समग्र आईडी सहित अन्य जानकारी भरना होगी। फेस ई.केवाईसी पर सहमति घोषणा देने के बाद मोबाइल का फ्रंट कैमरा चालू करना होगा। मोबाइल कैमरे में चेहरा जिस गोले के अंदर दिखाई देगा उसका रंग हरा हो जाए तो हितग्राही को दो बार पलक झपकाना होगा ई.केवाईसी पूरी होने के बाद उसका स्क्रीन शॉट ले ले।

ग्राम पंचायत भरसेड़ा का विकास कार्य है अवरुद्ध

जागरण सरई। जनपद पंचायत क्षेत्र देवसर के ग्राम पंचायत भरसेड़ा में शासन के सभी विकास कार्य अवरुद्ध हैं। सरपंच सचिव की तानाशाही रवैये से सभी ग्रामीण जनता परेशान हैं। ग्राम पंचायत के विकास में सरपंच सचिव पंच उपसरपंच सभी उदासीन नजर आ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक सरपंच पार्वती प्रजापति सचिव सुंदर सिंह व रोजगार सहायक राजेश प्रजापति तीनों की आपसी सामंजस न बैठने से गांव के सभी विकास कार्य ठप हैं। जहां सरपंच सचिव व रोजगार सहायक एक. दूसरे के ऊपर आरोप मढ़ते देखे जा रहे हैं। जबकि ग्रामीण जनता गांव की एससी पढ़ी.लिखी महिला को अपना सरपंच कई आशाओं के साथ चुने थे। जिससे कि भरसेड़ा गांव का समुचित विकास हो एवं ग्राम पंचायत भरसेड़ा के ग्रामीणों को शासन की सभी तरह की योजनाओं का लाभ मिले। एवं भरसेड़ा पंचायत का जिले व जनपद में विकास के क्षेत्र में नाम रोशन हो । परंतु ग्रामीणों के सोच के मुताबिक ग्राम पंचायत भरसेड़ा में बिल्कुल उल्टा हो रहा है। ग्राम पंचायत के समस्त जागरूक लोगों ने इस समस्या से निजात पाने के लिए जिला कलेक्टर से गुहार लगाया हैं।

थाना परिसर बना करुणा का केन्द्र, सरई थाना प्रभारी की अद्वितीय पहल

जागरण बैढ़न। जिले के सरई थाना परिसर में इन दिनों एक सुखद और प्रेरणादायी दृश्य साकार हो रहा है। जहां एक ओर पुलिस थाने अक्सर कठोर अनुशासन अपराध की जाँच और व्यस्त दिनचर्या के लिए जाने जाते हैं वहीं सरई थाना ने करुणा संवेदना और मानवीय मूल्यों की एक नई मिसाल पेश की है। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह भदौरिया की दूरदर्शिता और संवेदनशील सोच से प्रेरित यह पहल न केवल समाज में एक सकारात्मक संदेश देती है बल्कि थानों की पारंपरिक छवि को भी नया आयाम प्रदान करती है। थाना परिसर मे एक विशेष व्यवस्था की गई है प्यासे पशुओं के लिए जल की उपलब्धता। हरे.भरे वृक्षों की छांव में जहां पुलिसकर्मी और आमजन कानून की भाषा में संवाद करते हैं वहीं अब गौवंश और अन्य मूक जीव भी शांति से अपनी प्यास बुझाते हुए दिखाई देते हैं। यह दृश्य न केवल आंखों को सुखद अनुभूति देता है बल्कि मन को भी शीतल करता है। थाना प्रभारी श्री भदौरिया द्वारा न केवल पशुओं के लिए जल की समुचित व्यवस्था करवाई गई है बल्कि फरियादियों एवं आम जनमानस के लिए भी मिट्टी के घड़ों में स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यह कार्य छोटा सा हैं लेकिन गहराई से भरा कार्य प्रशासनिक सेवा के साथ मानवीय मूल्यों का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करता है। थाना परिसर में लगे जल पात्रए मिट्टी के घड़े और सीमेंट के पक्के हौद इस बात के साक्षी हैं कि सेवा केवल मनुष्यों तक सीमित नहींए अपितु हर उस जीव तक पहुंचनी चाहिए जो इस धरती का हिस्सा है।

यह पहल यह सिद्ध करती है कि प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ यदि संवेदनशीलता और मानवता को जोड़ा जाए तो समाज में विश्वास और अपनापन स्वतः ही प्रस्फुटित होता है। यह कार्य न केवल पशुप्रेम का प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जीवों के प्रति दायित्वबोध की भी एक प्रभावशाली अभिव्यक्ति है। ऐसे समय में जब शहरीकरण के कारण जीव.जंतुओं और आमजन के लिए शुद्ध जल की उपलब्धता एक चुनौती बनती जा रही है सरई थाना की यह पहल एक प्रेरणा स्रोत है जिसे प्रदेश भर के अन्य

थानों द्वारा भी अपनाया जाना चाहिए। यह कहना अनुचित न होगा कि सरई थाना ने प्रशासनिक कार्यों के साथ.साथ करुणा और सेवा की वह बुनियाद रखी है जिस पर एक समावेशी जागरूक और संवेदनशील समाज की कल्पना की जा सकती है।

भविष्य की पीढ़ी को जल संकट से बचाने के लिए हमें आज से की करना होगा जल संरक्षण : राम निवास शाह

ग्राम पंचायत बसौड़ा में बहने वाले नाले पर 325 बोरीयों से किया गया बोरी बंधान

जागरण बैढ़न। जल है तो कल है कि अवधारणा को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा जन जन को जागरूक करने और जल स्रोतों के संरक्षण को लेकर 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया गया है। इसी कड़ी में आज ग्राम पंचायत बसौड़ा में बड़ी नाले पर 325 बोरीयों का बोरी बंधान कार्यक्रम जिला प्रशासन एवं मप्र जन अभियान परिषद् और ग्रामीण जन के सहयोग से किया गया । जिसके मुख्य अतिथि सिंगरौली विधानसभा के विधायक रामनिवास शाह ग्राम पंचायत बसौड़ा के सरपंच श्रीमती सुभाऊ देवी जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक राजकुमार विश्वकर्मा रहे। सिंगरौली विधायक द्वारा उपस्थित जनों को जल संरक्षण की महत्वत्ता के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि जल के बिना जीवन संभव नही है जल अमूल्य है इसे बचाने के लिए हम सभी को सामूहिक प्रयास करना होगा जल को बचाने के लिए केवल एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नही बल्कि हम सभी कि जिम्मेदारी है कि आने वाले पीढ़ियों के लिए पानी का संचयन करें। कार्यक्रम के अंत में विधायक द्वारा जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान जनपद पंचायत के एसडीओ विनोद शाह जनपद पंचायत के पीसीओ विजय कुमार जैसल ग्राम पंचायत बसौड़ा के सचिव शैलेन्द्र सिंह नवांकुर संस्था नर्मदा सेवा समिति के अध्यक्ष सुश्री प्रीता गुर्जर कार्यक्रम समन्वयक रमेश कुमार गुर्जर नवांकुर संस्था पिछड़ा वर्ग विश्वकर्मा समाज कल्याण संगठन समिति से कार्यक्रम समन्वयक जग प्रसाद विश्वकर्मा परामर्श दाता अभिषेक कुमार उपाध्याय रोजगार सहायक रमेश प्रसाद कुशवाहा गांव के समाजसेवी अनिल कुमार प्रजापति आशिष प्रजापति एवं अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर अग्रणी महाविद्यालय परिचर्चा सम्पन्न

जागरण बैढ़न। भारतीय जनता पार्टी संगठन के द्वारा बैढ़न के अग्रणी महाविद्यालय मे एक राष्ट्र एक चुनाव संबंधित परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह परिचर्चा भारतीय जनता पार्टी की और से गठित समिति के संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल चतुर्वेदी की अगुवाई में सम्पन्न हुई। परिचर्चा मे मुख्य रूप से समिति के सह संयोजक एडवोकेट प्रदीप शाह मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय अधिवक्ता आर एन शाह तथा समिति के सदस्य अशोक शाह उपस्थित रहे। इस परिचर्चा मे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो एम यू सिद्दीकी की विशेष उपस्थिति रही। परिचर्चा मे महाविद्यालय छात्र छात्राओं ने बड़ी संख्या मे हिस्सा लिया तथा अपनी जिज्ञासाओं को समिति के समक्ष रखा। समिति के सदस्यों ने एक राष्ट्र एक चुनाव के महत्व तथा आवश्यकता पर बारीकी से छात्रों को बताया तथा वर्तमान परिस्थितियों मे राष्ट्र को एक चुनाव की आवश्यकता क्यों है इस पर ध्यानाकर्षण किया। बड़ी संख्या मे उपस्थित छात्रों ने इस मुहिम को अपना समर्थन दिया तथा एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान को देश मे लागू करने के पक्षधर दिखाई दिये। सभी ने राष्ट्रीय प्रगति तथा विकसित भारत की रफ्तार बनाए रखने के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव कराने के लिए सरकार को अपना प्रस्ताव भेजने की सहमति प्रकट की।

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं संजय गुप्ता पिता मदन लाल गुप्ता उम्र 41 वर्ष, एच.बी. 141 शिमला कॉलोनी शॉपिंग सेंटर के पीछे झिंगुरदह सिंगरौली थाना.मोरवा तह. व जिला.सिंगरौली म.प्र. का निवासी हूँ। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे पुत्र का वास्तविक नाम SHIVANSH GUPTA है जो मेरे पुत्र के आधार कार्ड 5893 0745 0824 से भी प्रमाणित है। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि पहले मेरे पुत्र का नाम PRATEEK GUPTA था परन्तु अब मैं अपनी स्वेच्छा से अपने पुत्र का नाम PRATEEK GUPTA की जगह SHIVANSH GUPTA करना चाहता हूँ जिसको सूचना में लोकल समाचार पत्र के माध्यम से आम जनमानस को सूचित किया जा चुका है तथा सभी दस्तावेज नए नाम से बनाया जा चुका है जिससे प्रमाणित होता है कि PRATEEK GUPTA ही SHIVANSH GUPTA और इसे इसी नाम से जाना पहचाना जाये। मेरे पुत्र के स्कूलीय रिकार्ड में जहाँ.जहाँ मेरे पुत्र का नाम PRATEEK GUPTA अंकित हो वहाँ.जहाँ उसे मेरे पुत्र का वास्तविक नाम SHIVANSH GUPTA पढ़ा व माना जाये। नाम भिन्नता के संबंध में शपथ पत्र निष्पादित कराया है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज-शाखा) कटनी, मध्यप्रदेश

E-mail ID :- modgmkat@mp.gov.in

क्रमांक 1811/खनिज/2021 // सूचना // कटनी, दिनांक 17.04.2025

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-क)

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक मेसर्स/श्री/श्रीमती मेसर्स श्री बजरंग पावर एण्ड इस्पात लिमिटेड, बोरझरा उरला इण्डस्ट्रियल एरिया, उरला गुमा रोड, रायपुर (छ.ग.) के द्वारा म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18-क के तहत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 16.07.2021 को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है-

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/अन्य भूमिस्वामी की सहमति प्राप्त	खनिज का नाम	रिमार्क
1	2	3	4	5	6	7	8
कटनी	बड़वारा	अमराडोंड़	74	0.98	निजी एवं अन्य भूमिस्वामियों की भूमि	डोलोमाइट	
			75	0.74			
			91	0.60			
			92	0.12			
			94	0.32			
			95	3.38			
			96	0.47			
			111/4	0.59			
			111/5	0.59			
			114	0.66			
			115	0.76			
			116	0.98			
			117	1.32			
			119	0.62			
			120	1.21			
			121	0.57			
			73	0.96			
			72	0.49			
			90/2	0.40			
			90/1	0.45			
			112	0.88			
			111/1	0.19			
			111/2	0.19			
			111/3	0.20			
			योग	16.67			

उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपति हो अथवा इस संबंध में कोई अन्य दावा प्रस्तुत करना चाहता है तो इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा, जिला कटनी में आपति का लेख/कारण दर्शाते हुये लिखित रूप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करे।

नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत किसी भी आपति/दावे पर विचार नही किया जाएगा।

उपसंचालक (खनिज प्रशासन)
जिला कटनी (म.प्र.)

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

जागरण बैढ़न। जल गंगा संवर्धन अभियान जल है तो कल की भवना का चरितार्थ करने का अभियान है प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वरा जन भागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण का बड़ावा देने के लिए 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान जल संरचनाओं की साफसफाई कराये जाने के साथ ही उकना जीर्णोद्धार, नवीन जल संरचनाओं का निर्माण जिलें में कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला के मार्गशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपापलन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश के नेतृत्व में निरंतर चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज विकास खंड चितरंगी मुख्याल की सीएम राइज विद्यालय चितरंगी में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन नवांकुर संस्था रामचंद्र सेवा समिति द्वारा किया गया । जिसमे कक्षा 9 से 12 तक के छात्र छात्राओं ने 9 ग्रुपो में प्रतिभागी रहे। विद्यालय के छात्रो ने आकर्षक चित्रकारी कर आम लोगो का संरक्षण का संदेश दिया।

अमहिया सड़क 40 फीट चौड़ी है लेकिन दिन में 10 फीट बचती है, जाम से सब परेशान

सिरमौर चौराहा से अस्पताल चौराहा तक दिन भर में कई जगह लगता है जाम

जागरण, रीवा। शहर के सिरमौर चौराहे से लगाकर अमहिया मार्ग पर अस्पताल चौराहे तक दिनभर में कई बार जाम की स्थिति निर्मित होती है। जिसका कारण यहां किए जाने वाले निर्माण कार्य की निर्माण सामग्री सड़क किनारे ही डाल दी जाती है। इसके अलावा यहां स्कूल होने के चलते स्कूल लगने और छूटने के समय सड़क के किनारे वाहनों के खड़े होने से कई बार यहां जाम लग जाता है, जिससे यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार तो मरीजों को ले जा रही एम्बुलेंस भी जाम में फंसी सायरन बजाती रहती है, लेकिन उसे भी निकलने के लिए जगह नहीं मिल पाती।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
दिल्ली	06	05	01	10	0.744
गुजरात	06	04	02	08	1.081
बेंगलुरु	06	04	02	08	0.672
पंजाब	06	04	02	08	0.172
लखनऊ	07	04	03	08	0.086
कोलकाता	07	03	04	06	0.547
मुंबई	07	03	04	06	0.239
राजस्थान	07	02	05	04	-0.714
हैदराबाद	07	02	05	04	-1.217
चेन्नई	07	02	05	04	-1.276

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

निकोलस (लखनऊ)	357
साई सुदर्शन (गुजरात)	329
मिचेल मार्श (लखनऊ)	295
सूर्यकुमार यादव(मुंबई)	265

पर्पल कैप (गेंदबाज)

नूर अहमद (चेन्नई)	12
कुलदीप यादव (दिल्ली)	11
खलील अहमद (चेन्नई)	11
हार्दिक पंड्या (मुंबई)	11

बाउंड्री मीटर

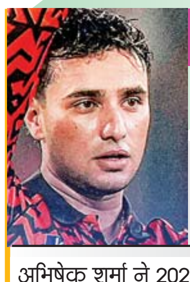

578 छक्के
1014 चौके
63 अर्धशतक

अभिषेक शर्मा ने 2025 में टी-20 में 500 रन बनाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने इस साल 12 पारियों में 511 रन बनाए हैं। तिलक वर्मा इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं, उन्होंने 10 पारियों में 343 रन बनाए हैं।

मैदान से हटकर

अथिया-केएल राहुल ने शेयर किया बेटी का नाम

अथिया शेट्टी ने अपने पति और क्रिकेटर केएल राहुल के बर्थडे के मौके पर बेटी का नाम अनाउंस किया है। अथिया ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, हमारी बेबी गर्ल, हमारी सब कुछ है। इवारा- गिफ्ट ऑफ गॉड। अथिया ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर कर बेटी के नाम का मतलब भी बताया है। कपल की बेटी का पूरा नाम इवारा विपुला राहुल है। इवारा का मतलब- गिफ्ट ऑफ गॉड, विपुला- अथिया की नानी के सम्मान में और राहुल- इवारा के पापा। इंडस्ट्री के कई सेलेब्स

और क्रिकेटर्स पोस्ट पर रिएक्ट कर रहे हैं। अथिया के पिता और एक्टर सुनील शेट्टी, अनुष्का शर्मा, मलाइका अरोड़ा, सामंथा रुथ प्रभु, शोभिता धुलिपाला, अर्जुन कपूर ने कपल के इस पोस्ट पर रिएक्ट किया है। अथिया शेट्टी ने 24 मार्च को बेटी को जन्म दिया था। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट और स्टोरी शेयर कर बताया था कि उन्होंने बेटी को जन्म दिया है। अथिया शेट्टी ने 8 नवंबर 2024, शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी। अपने पोस्ट में राहुल ने लिखा था- 'हमारा खूबसूरत वरदान जल्द आने वाला है, 2025'। इस अनाउंसमेंट में एक कोइंसिडेंस ये था कि राहुल की शादी भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले हुई थी। और उन्होंने पहले बच्चे के जन्म की खुशखबरी भी ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले सुनाई थी। अथिया शेट्टी ने 23 जनवरी, 2023 को क्रिकेटर के.एल. राहुल से शादी की थी। शादी से पहले दोनों करीब 4 सालों तक रिलेशनशिप में रहे थे। सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी ने साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म हीरो से सूरज पंचोली के साथ बॉलीवुड डेब्यू किया था। हालांकि, यह फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी थी। (जेएनएन)

आईपीएल 2025 का 35वां मुकाबला अहमदाबाद में

दिल्ली और गुजरात की जंग में सिराज और स्टार्क पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली, जेएनएन। आईपीएल 2025 का 35वां मुकाबला शनिवार को गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। इस मैच में दोनों टीमों के बीच शीर्ष स्थान के लिए जंग होगी। फिलहाल दिल्ली 10 अंकों के साथ पहले स्थान पर है जबकि गुजरात आठ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। अहमदाबाद में खेले जाने वाले इस मुकाबले में सभी की नजरें मिचेल स्टार्क और मोहम्मद सिराज पर होंगी।

स्टार्क गेंदबाजी से दिल्ली मजबूत : सुपरओवर में राजस्थान को हराकर दिल्ली के हौसले बुलंद हैं। उनकी इस जीत में स्टार्क का अहम योगदान रहा। आस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स ने तीन सटीक यॉर्कर डालने के अलावा सुपर ओवर भी फेंका। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाद चैंपियंस ट्रॉफी नहीं खेलने वाले स्टार्क पूरी तरह से तरोताजा होकर आईपीएल में उतरे हैं। अभी तक 10 से ऊपर की इकोनॉमी से 10 विकेट ले चुके स्टार्क दिल्ली के तेज आक्रमण की अगुवाई कर रहे हैं जिसमें मुकेश कुमार और मोहित शर्मा भी हैं। उनके सामने अब गुजरात टाइटंस के शीर्षक्रम पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी होगी जिसमें कप्तान शुभमन गिल, साई सुदर्शन, जोस बटलर शामिल हैं। अब तक इन तीनों ने

बल्लेबाजी का दारोमदार संभाल रखा है। गुजरात के मध्यक्रम को किसी कठिन परीक्षा से गुजरना नहीं पड़ा और जब लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ इसकी नौबत आई तो वे नाकाम रहे। दूसरी ओर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में औसत प्रदर्शन और चैंपियंस ट्रॉफी विजेता भारतीय टीम से बाहर रहने के बाद सिराज ने ब्रेक में अपनी कमियों पर काफी मेहनत की है और नतीजे सामने हैं। सिराज अभी तक 8.50 की इकोनॉमी से 10 विकेट ले चुके हैं।

दिल्ली कैपिटल्स : अभिषेक पोरेल, करुण नायर, राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल (कप्तान), स्टब्स, आशुतोष, विप्रज निगम, स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा। जेक फ्रेजर-मैकगर्क, डोनोवन फरेरा, फाफ डुप्लेसिस इम्पैक्ट प्लेयर-मुकेश कुमार।

गुजरात टाइटंस : साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शेरफेन रदरफोर्ड, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, अरशद खान, राशिद खान, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर-प्रसिद्ध कृष्णा।

ऋषभ पंत-सैमसन मुकाबले से तय होगा राजस्थान रॉयल्स का भविष्य

राजस्थान और लखनऊ के बीच अहम मुकाबला 19 को जयपुर में

नई दिल्ली, जेएनएन। पूर्व चैंपियन राजस्थान रॉयल्स की टीम लखनऊ सुपरजायंट्स से शनिवार को दो-दो हाथ करेगी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में लगातार 3 हार झेल चुकी संजू सैमसन की टीम पर जीत की राह पर लौटने का दबाव है। राजस्थान रॉयल्स अब तक 7 मैचों में 2 ही जीत सकी है। वह पॉइंट टेबल में आठवें स्थान पर है। लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम 7 में से 4 मैच जीतकर पांचवें स्थान पर है। राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल 2025 के पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने सुपर ओवर में हराया था। उसे अब इस हार को भुलाकर ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम से भिड़ना है। राजस्थान की टीम बैटिंग और बॉलिंग दोनों में निरंतरता के अभाव से जूझ रही है। कप्तान संजू सैमसन पिछले मैच में मांसपेशियों में खिंचाव के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। हालांकि उन्होंने बाद में कहा कि वे अब फिट हैं। राजस्थान रॉयल्स का टॉपऑर्डर शुरुआत नहीं दे पा रहा है और मिडिलऑर्डर दबाव नहीं झेल पा रहा है। ओपनर यशस्वी जायसवाल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में लौटने के संकेत दिए हैं।

लखनऊ : पंत (कप्तान), पूरन, मार्श, मार्करम, मिलर, समद, शाहबाज, आयुष, शार्दुल दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, मयंक यादव, रवि बिश्नोई, हिम्मत सिंह, ब्रीट्जके, युवराज चौधरी, राजवर्धन , अर्शिन कुलकर्णी, आवेश, आकाश दीप, मणिमारन, जुयाल (विकेटकीपर), शमर जोसेफ, प्रिंस यादव।

राजस्थान: संजू (कप्तान), यशस्वी, शुभम दुबे, नीतिश, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), हेटमायर, हसरंगा, आर्चर, तीक्ष्णा, तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, फजलहका, कुणाल सिंह राठौड़, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय, क्वेन मफाका, युद्धवीर सिंह चरक, अशोक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी।

लखनऊ बेहतर स्थिति में

दूसरी ओर पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स से हारने के बावजूद लखनऊ सुपरजायंट्स बेहतर स्थिति में है। लखनऊ के बैटर्स खासकर निकोलस पूरन (357 रन) और मिचेल मार्श (295 रन) ने धमाल मचा रखा है। दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारकमर भी फॉर्म में हैं। हालांकि उनके हमवतन डेविड मिलर अभी कुछ खास नहीं कर पाए हैं। चेन्नई के खिलाफ कप्तान पंत ने भी 63 रन बनाए। हालांकि वे टीम को जीत नहीं दिला सके।

संजू और राजस्थान के बीच आई दरार

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन चर्चा का केंद्र हैं। स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 19 गेंदों में तेजतर्रार 31 रन बनाने के बाद रिटायर्ड हर्ट हुए। दिल्ली कैपिटल्स ने सुपर ओवर में मुकाबला जीता। दोनों टीमों का स्कोर निर्धारित 20 ओवर में 188 रन था। सुपर ओवर में राजस्थान रॉयल्स ने फॉर्म में चल रहे नितीश राणा को नहीं भेजा बल्कि शिमरोन हेटमायर और रियान पराग की जोड़ी पर विश्वास जताया व यशस्वी जायसवाल को तीसरे नंबर के लिए रखा।

राणा को किया नजरअंदाज

फैंस को उम्मीद थी कि सुपर ओवर में राजस्थान रॉयल्स बल्लेबाजी के लिए पहले नितीश राणा पर भरोसा जताएंगे। मगर तब सभी लोग हैरान रह गए कि उनकी जगह शिमरोन हेटमायर और रियान पराग को भेजा गया। यशस्वी जायसवाल को तीसरे नंबर पर रखा गया।

राणा ने क्या कहा

राजस्थान रॉयल्स की रणनीति कामयाब नहीं हुई और वह 11 रन बनाकर ऑलआउट हुई। आखिरी दो गेंदों में दो रन आउट हुए। दिल्ली ने 4 गेंदों में लक्ष्य हासिल करके जीत दर्ज की। मैच के बाद नितीश राणा ने कहा कि मैदान पर लिए गए फैसले टीम प्रबंधन के हाथ में हैं। उन्होंने कहा, यह कभी एक व्यक्ति का फैसला नहीं हो सकता। यह हमेशा प्रबंधन और सपोर्ट स्टाफ पर निर्भर करता है कि वो विचार करके इन चीजों पर फैसला लेते हैं। मेरा मानना है कि अगर यह नतीजा हमारे पक्ष में होता तो सवाल अलग पूछा जाता। तो इस तरह के मैच नतीजे पर निर्भर करने वाले होते है।

सैमसन दूर जाते दिखे

नितीश राणा ने दिल्ली के खिलाफ 28 गेंदों में 51 रन बनाए थे। एक सोशल मीडिया यूजर ने वीडियो पोस्ट किया, जो वायरल हो चुका है। फुटेज में दिखा कि राजस्थान रॉयल्स के वरिष्ठ टीम प्रबंधन में शामिल हेड कोच राहुल द्रविड़ और साईराज बहुतले सुपर ओवर से पहले टीम हडल ले रहे हैं। सैमसन भी इस फुटेज में नजर आ रहे हैं, लेकिन वो किसी से बातचीत नहीं कर रहे हैं। ऐसी संभावना है कि रॉयल्स के कप्तान हताश हो या अपने ख्यालों में खोए हुए हो, लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि फ्रेंचाइजी और कप्तान के बीच दरार है। टीम हडल में एक खिलाड़ी सैमसन से कुछ कहता हुआ नजर आ रहा है, लेकिन वह दूर चले गए।

हेटमायर के पक्ष में राणा

राणा ने कहा, प्रबंधन है, जो फैसला करता है। वहां दो सीनियर खिलाड़ी और कप्तान उपस्थित था। मेरे ख्याल से वो फैसला सही था। अगर हेटमायर दो छक्के जड़ देते, तो आप अलग सवाल करते। हेटमायर हमारे फिनिशर हैं। सभी यह जानते हैं और वो पहले प्रदर्शन करके दिखा चुके हैं।

भूल गया था कि लार का इस्तेमाल कर सकता हूं : भुवनेश्वर

बेंगलुरू, जेएनएन। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने स्वीकार किया कि वह नए नियमों के बावजूद गेंद को चमकाने के लिए लार का इस्तेमाल करना भूल गए हैं और उन्होंने शुक्रवार को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच में इसकी भरपाई करने का वादा किया।

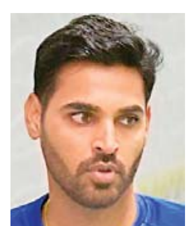

भुवनेश्वर ने कहा कि लार के इस्तेमाल पर से प्रतिबंध हटने के बावजूद वह गेंद को चमकाने के लिये इसका इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैं भूल ही गया कि लार का प्रयोग कर सकता हूं। कल किसी स्टाफ ने मुझे बताया तो मुझे याद ही नहीं कि इसका इस्तेमाल करना है। कल के मैच में प्रयोग करके देखूंगा कि इससे फायदा मिल रहा है या नहीं।

बीसीसीआई ने दिग्वेश राठी मामले में अपनाया नरम रुख

नोटबुक सेलिब्रेशन पर नहीं लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली, जेएनएन। लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिनर गेंदबाज दिग्वेश राठी आईपीएल 2025 में एक नया सितारा बनकर उभरे हैं। इस सीजन में डेब्यू करने के बाद उन्होंने अब तक 7 मैचों में 9 विकेट लेकर सबका ध्यान खींचा है। जहां एक ओर उनके प्रदर्शन की सराहना हो रही है, वहीं उनके अनोखे नोटबुक सेलिब्रेशन ने भी चर्चा बटोरी है। बीसीसीआई ने उन पर दो बार जुर्माना लगाया था, लेकिन अब बोर्ड को अपने नियमों में ढील देनी पड़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई ने आईपीएल के अंपायरों को खिलाड़ियों के जश्न मनाने के मामले में थोड़ा नरम रुख अपनाने के लिए कहा है।

घास पर करने लगे थे सेलिब्रेशन : दिग्वेश राठी ने पहली बार पंजाब किंग्स के युवा ओपनर प्रियांश आर्या का विकेट लेने के बाद नोटबुक सेलिब्रेशन किया था। इसके लिए वो उनके पास चले गए थे। बाद में उन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत (375000 रुपये) का जुर्माना लगाया गया था। साथ ही 1 डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया था। वहीं मुंबई इंडियंस के खिलाफ नमन धीर को आउट करने के बाद भी उन्होंने फिर से इसे दोहराया था। इस बार उनकी मैच फीस पर 50 प्रतिशत (562500 रुपये) जुर्माना लगाया गया और 2 डिमेरिट पॉइंट दिए गए।

बीसीसीआई ने क्यों दिखाई नरमी

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआईने हाल ही मेंआईपीएल अंपायरों की समीक्षा बैठक में खिलाड़ियों केसेलिब्रेशन पर नरम रुख अपनाने के निर्देश दिए। यह फैसला दिग्वेश राठी के मामले में फैंस के गुस्से और सोशल मीडिया पर आलोचना के बाद लिया गया। बोर्ड ने महसूस किया कि विकेट लेने के बाद जश्न मनाने के तरीके पर ज्यादा सख्ती अनावश्यक है। यानि अब राठी बिना डर के अपने स्टाइल में जश्न मना सकेंगे।

गुजरात टाइटंस ने चोटिल ग्लेन फिलिप्स का खोजा रिप्लेसमेंट

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने चोटिल ग्लेन फिलिप्स के विकल्प के रूप में श्रीलंकाई ऑलराउंडर दासुन शनाका को अपने साथ जोड़ा है। ग्लेन फिलिप्स चोटिल होने के कारण शेष आईपीएल 2025 से बाहर हो गए हैं। फिलिप्स को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ फील्डिंग करते समय ग्रोइन चोट लगी, जिसके कारण वो टूर्नामेंट से बाहर हो गए। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर को मौजूदा सीजन में खेलने का एक भी मौका नहीं मिला था, लेकिन ऑरेंज आर्मी के साथ वो पांचवें ओवर में बतौर स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में फील्डिंग करने आए थे। हालांकि, फील्डिंग करते समय फिलिप्स चोटिल हो गए और कुछ ही मिनटों में उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। इसके बाद गुजरात टाइटंस ने दासुन शनाका के साथ 75 लाख रुपये में करार किया। 33 साल के शनाका इससे पहले 2023 सीजन में हिस्सा ले चुके हैं। बता दें कि शुभमन गिल के नेतृत्व वाली गुजरात टाइटंस ने मौजूदा आईपीएल में दमदार प्रदर्शन किया और छह में से चार मुकाबले जीते। 8 अंकों के साथ गुजरात टाइटंस की टीम आईपीएल 2025 की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। गुजरात को अपनी दूसरी शिकस्त लखनऊ सुपरजायंट्स के हाथों झेलनी पड़ी थी। पंत के नेतृत्व वाल सुपरजायंट्स ने गुजरात द्वारा मिले 181 रन के लक्ष्य को 19.3 ओवर में हासिल किया। गुजरात की टीम अपना अगला मुकाबला शनिवार को टेबल टॉपर दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी।

सीएसके में हुई ब्रेविस की एंट्री 81 मैच में ठोक चुका है 123 छक्के

नयी दिल्ली। आईपीएल 2025 के बीच अचानक एक और खिलाड़ी की एंट्री हो गई है। ये एंट्री हुई है एमएस धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स में, जो इस सीजन में संघर्ष कर रही है। ऋतुराज गायकवाड़ की चोट के बाद चेन्नई का एक और खिलाड़ी चोटिल हो गया है और टूर्नामेंट से बाहर हो गया है। इस खिलाड़ी के बदले चेन्नई ने साउथ अफ्रीका के विस्फोटक युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को साइन कर लिया है? ब्रेविस के आने से कमजोर दिख रही चेन्नई की बैटिंग को ताकत मिलने की उम्मीद है। चेन्नई सुपर किंग्स ने शुक्रवार 18 अप्रैल को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ब्रेविस को साइन करने का ऐलान किया। साउथ अफ्रीका के 21 साल के इस युवा बैटिंग-ऑलराउंडर को इंजरी रिप्लेसमेंट के तौर पर लाया गया है। ब्रेविस के ऐलान से पहले चेन्नई ने बताया था कि अनकैप्ड तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। गुरजपनीत को इस सीजन में अभी तक एक बार भी मौका नहीं मिला था।

सीएसके की बैटिंग को ताकत देंगे ब्रेविस : अब फ्रेंचाइजी ने गुरजपनीत की जगह ही दाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज को टीम में शामिल किया है। तेज गेंदबाज के बदले बल्लेबाज को शामिल करने के पीछे चेन्नई की कमजोर बल्लेबाजी वजह रही है। इस सीजन में चेन्नई की टीम बड़े स्कोर बनाने में या तेज बैटिंग करने में नाकाम रही है। खास तौर पर टॉप ऑर्डर इस मामले में एकदम फेल रहा है। ऐसे में चेन्नई ने ब्रेविस को शामिल किया है, जो टी20 फॉर्मेट में धुआंधार बैटिंग के लिए जाने जाते हैं। उनका रिकॉर्ड भी इसका गवाह है। इस बल्लेबाज ने 81 टी20 मैच में ही 123 छक्के ठोक दिए हैं।

आईपीएल में करियर : सिर्फ इतना ही नहीं, ब्रेविस इस वक्त बेहतरीन फॉर्म में भी हैं। उन्होंने हाल ही में क्रिकेट साउथ अफ्रीका के डिविजन-1 टी20 टूर्नामेंट की पिछली 6 पारियों में एक शतक और 3 अर्धशतक भी जमाए थे। अपने टी20 करियर में इस बल्लेबाज ने 145 के स्ट्राइक रेट से 1787 रन बनाए हैं। इसमें आईपीएल भी शामिल है, जहां उन्होंने 2 सीजन खेले थे। ब्रेविस ने 2022 में मुंबई इंडियंस की ओर से डेब्यू किया था और पहले सीजन में ही 7 मैच में 142 के स्ट्राइक रेट से 161 रन बनाए थे।

एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स

भारतीयों ने तीसरे दिन 2 कांस्य पदक जीते

नयी दिल्ली, जेएनएन। भारत ने बृहस्पतिवार को सऊदी अरब के दम्मम में एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन चक्का फेंक एथलीट लक्षिता महलावत और 100 मीटर बाधा दौड़ की एथलीट शौर्या अंबुरे के बदौलत कांस्य पदक जीते। लक्षिता ने अंडर-18 लड़कियों की चक्का फेंक स्पर्धा में 41.30 मीटर के प्रयास से कांस्य पदक जीता। चीन की मा चेनयी (53.81 मीटर) और झाओ अंकी (47.89 मीटर) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। शौर्या ने अंडर-18 लड़कियों की 100 मीटर बाधा दौड़ में 13.80 सेकेंड का समय लेकर एक और कांस्य पदक जीता। चीन की बाओ यिनयिन (13.71) और ही यिहुई (13.76) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता। बुधवार को नितिन गुप्ता (लड़कों की 5000 मीटर पैदल चाल), तन्नू (लड़कियों की 400 मीटर रेस) ने रजत पदक जीता जबकि निश्चय (लड़कों की चक्का फेंक स्पर्धा) और आरती (लड़कियों की 100 मीटर रेस) ने कांस्य पदक जीता।

कमिंस हुए आईपीएल से विदा? पत्नी के इंस्टाग्राम पोस्ट से मचा हड़कंप

नई दिल्ली, जेएनएन। क्या पैट कमिंस आईपीएल 2025 के बीच में ही विदा होने वाले हैं। दरअसल, उनकी पत्नी बेकी कमिंस के इंस्टाग्राम पोस्ट इस इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं। सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल 2025 के बीच झटका लगा है। दरअसल, हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस कथित तौर पर टूर्नामेंट को बीच में ही छोड़ सकते हैं। हालांकि सनराइजर्स हैदराबाद या कमिंस की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन पैट की पत्नी बेकी कमिंस के इंस्टाग्राम पोस्ट से इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं। इस पोस्ट में बेकी और पैट के संभावित ब्रेक की बात कही गई है। जिससे भ्रम की स्थित पैदा हो गई है। पैट कमिंस की पत्नी बेकी ने इंस्टाग्राम पर दो स्टोरी शेयर कीं। पहली स्टोरी में उनके पैक हुए लगेज दिख रहे हैं। जो संभवतः किसी एयरपोर्ट के हैं। वहीं दूसरी स्टोरी में बेकी कमिंस पति पैट के साथ दिख रही हैं। जहां उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा है- गुडबाय इंडिया... हमें इस सुंदर से देश में आकर अच्छा लगा।

बीच में छोड़ने पर बैन हो सकते हैं कमिंस

बीसीसीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार, कोई भी विदेशी खिलाड़ी जो नीलामी में सेलेक्ट होने के बाद टूर्नामेंट से हटता है (जब तक कि वह चोटिल न हो), उसे दो सीजन के लिए बैन किया जाएगा।

5 मैच हारने वाली हैदराबाद की टीम प्लेऑफ में पहुंचेगी

नई दिल्ली, जेएनएन। मुंबई इंडियंस के खिलाफ 17 अप्रैल की शाम मिली हार, आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद की 5वीं हार रही। मतलब अब तक खेले 7 मैचों में से 5 मुकाबले सनराइजर्स हैदराबाद हार चुकी है। मगर प्लेऑफ में पहुंचने का मौका उसके पास अब भी है। 5 मैच हारने के बाद भी आईपीएल में ऑरेंज आर्मी के नाम से मशहूर ये टीम टॉप फोर का टिकट कटा सकती है। वो क्रिकेट में कहावत है ना, जब तक आखिरी गेंद पड़ ना जाए, तब तक गेम ओवर नहीं समझो। कुछ ऐसा ही किस्सा सनराइजर्स हैदराबाद का भी है। आईपीएल 2025 में खेले पहले 7 में से 5 मैच तो वो हार चुके हैं। मगर बाकी के 7 मुकाबले अभी बचे हैं, जो उसे प्लेऑफ में पहुंचा सकते हैं। आईपीएल 2025 के ग्रुप स्टेज पर सभी टीमों को 14-14 मुकाबले खेलने हैं। उसमें से 7 तकरीबन सभी ने खेल लिए हैं। पहले 7 मैचों में से 5 हार के बाद पॉइंट्स टेबल में सनराइजर्स हैदराबाद की हालत

पतली है। 10 टीमों के दंगल वाले इस लीग में वो फिलहाल 9वें नंबर पर है। मगर उसके बाद टॉप फोर में पहुंचने का रास्ता हमेशा खुला है। अब सवाल है कि वहां तक वो पहुंचेंगे कैसे? सनराइजर्स हैदराबाद को टॉप फोर में जाने के लिए बाकी बचे हुए अपने 7 मैचों में कोशिश तो सभी जीतने की करनी होगी। मगर ऐसा नहीं हुआ तो उन्हें कम से कम 7 में से 6 मैच जरूर जीतने होंगे। उसके बिना उनका काम नहीं चलेगा। पहले 7 मैच में से 2 जीतकर उनके खाते में 4 अंक हैं।

काम मुश्किल है, नामुमकिन नहीं

बाकी बचे 7 मैचों में सनराइजर्स को 3 मुकाबले अपने होम ग्राउंड हैदराबाद में खेलने हैं। कहने को तो कह सकते हैं कि घर में मैच है तो डर कैसा? लेकिन पहले 7 मैचों में से जो 4 मैच इस टीम ने हैदराबाद में खेले हैं, उसमें से 2 जीते और 2 हारे हैं। मतलब मामला 50-50 का रहा है। उस सूरत में कहना होगा कि कदम जरा फूंक-फूंक कर रखना होगा। अगले 7 मैच में से 3 हैदराबाद में हैं तो बाकी के 4 मुकाबले चेन्नई, अहमदाबाद, बेंगलुरु और लखनऊ में खेले जाने हैं। साफ है चुनौती आसान नहीं है। लेकिन 2 बार की आईपीएल चैंपियन रह चुकी सनराइजर्स के लिए मुश्किल भी नहीं है। खासकर तब जब सवाल प्लेऑफ का हो।

18 साल में किंग बने विराट गेंदबाजी के बादशाह हैं चहल

इंडियन प्रीमियर लीग के 18 साल

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अपना 18वां जन्मदिन मना रहा है। इस टूर्नामेंट, जिसने क्रिकेट में क्रांति ला दी और खेल के परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया। लीग की शुरुआत कुछ कम नाटकीय नहीं थी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के ब्रेंडन मैकुलम ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ सिर्फ 73 गेंद पर दस चौकों और तेरह छक्कों की मदद से अविस्मरणीय 158* रन बनाकर धूम मचा दी थी। उस एक पारी ने क्रिकेट के उत्सव के आगमन की घोषणा कर दी थी। जैसा कि लीग अपने 18वें सीजन में है, विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। सिर्फ एक फ्रेंचाइजी, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व करते हुए कोहली ने 258 मैच में आठ शतक और 58 अर्द्धशतक सहित 8,252 रन बनाए हैं।

चहल के नाम सर्वाधिक विकेट : गेंदबाजी में बात करें तो युजवेंद्र चहल 166 मैच में 211 विकेट लेकर चार्ट में सबसे आगे हैं। उनका आईपीएल सफर मुंबई इंडियंस के साथ शुरू हुआ, लेकिन वह आरसीबी में ही थे जहां उन्होंने सही मायने में तरक्की की। बाद में, उन्होंने राजस्थान रॉयल्स का प्रतिनिधित्व किया।

दैनिक जागरण
रीवा, 19 अप्रैल 2025
सतना जागरण
www.dainikjagranmpcg.com

नरवाई प्रबंधन के तहत किसान संगोष्ठी का आयोजन

सतना। नरवाई प्रबंधन के तहत शुक्रवार को किसान संगोष्ठी का आयोजन ग्राम पंचायत गंगवारियां मे किया गया। जिसमे किसानों को नरवाई प्रबंधन अपनाने से मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता शक्ति के बढ़ने के साथ ही नरवाई जलाने से शासकीय कार्यवाही और अर्थ दण्ड के बारे में किसानों को बताया गया। खेत में बचे भूसे एवं अन्य अवशेष से नाडेप विधि (टांका/टटिया), वर्मी कंपोस्ट द्वारा भी नरवाई का उपयोग करके खाद बनाने के बारे मे जानकारी दी।

जल गंगा संवर्धन अभियान की आज मुख्यमंत्री करेंगे समीक्षा

सतना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान की जिलेवार समीक्षा करेंगे। डॉ. मोहन यादव 19 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित वीडियो कान्फेंसिंग में प्रदेश में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत जिलों में अब तक कराये गये कार्यों व कार्ययोजना के अनुसार आगामी दिनों में कराये जाने वाले कार्यों की जिलेवार समीक्षा करेंगे।

कोठी थाना की करोड़ों की आराजी को कराया अतिक्रमण मुक्त

अवैध कब्जा कर किया जा रहा था निर्माण, ट्रेनी आईपीएस मनीष भारद्वाज ने जिला स्तरीय दल से कराया सीमांकन

जागरण, सतना

शासकीय आराजी पर भू माफिया की गिद्ध नजर हमेश बनी रहती है । क्योंकि जहां भी इस तरह की आराजी दिखी उस पर तुरंत कब्जा कर लिया जाता है। कुछ यही हालात कोठी थाना की आराजी पर भी निर्मित हुये मगर भू माफिया के मंसूबो पर ट्रेनी आईपीएस मनीष भारद्वाज ने पानी फेर दिया।

सीमांकन में त्रुटि दिखी तो जिला स्तरीय दल से कराया दोबारा सीमांकन

बताया जाता है कि मार्च महीने में कोठी थाना की कमान सम्हालने वाले ट्रेनी आईपीएस मनीष भारद्वाज को जैसे ही पता चला कि थाना से लगी जमीन पर निर्माण किया जा रहा है। उन्होने तुरंत सीमांकन की कॉपी मंगाई मगर उन्हे सीमांकन में त्रुटि नजर आई जिसके बाद उन्होने कलेक्टर से अनुरोध कर जिला स्तरीय दल से सीमांकन कराये जाने की मांग की जिस पर कलेक्टर ने दोबारा सीमांकन के आदेश जारी किये। जिसके बाद जो स्थिति सामने आई उसे देखकर सभीलोग दंग रह गये।

तकरीबन दो करोड की डीलिंग की चर्चा जोरो पर : इस संबंध में आईपीएस मनीष भारद्वाज ने बताया कि थाना कि शासकीय आराजी क्रमांक 199/1 में 0.627 हे. भूमि थाना को आबंटित थी मगर लोगो ने अवैध कब्जा कर रखा था। इस कार्यवाही के बाद करोडो की जमीन थाना को फिर से प्राप्त हुई है। इस कार्यवाही के बाद भू माफिया के बीच हडकम्प मच गया। इतना ही नही क्षेत्र में तकरीबन दो करोड की डीलिंग इस जमीन पर हुई है ऐसी चर्चा सुनने में आ रही है। यह सीमांकन की कार्यवाही 16 अप्रैल को कलेक्टर सतना के निर्देश पर की गई है। जिसमें गठित जिला स्तरीय दल ने सीमांकन किया है।

> मार्च महीने में मैने कोठी थाने की कमान सम्हाली तभी ऐसा लगा कि थाना की आराजी पर लोगो ने अतिक्रमण कर रखा है। सीमांकन देखा तो वह भी त्रुटि पूर्ण दिखा जिससे दोबारा सीमांकन कराने कलेक्टर सतना से आग्रह किया जिस पर उन्होने जिला स्तरीय दल को सीमांकन करने के निर्देश दिये। 16 अप्रैल को की गई इस बडी कार्यवाही के बाद करोड़ो की जमीन कोठी थाना को प्राप्त हुई है। उक्त आराजी पर फिनसिंग करा दी गई है।
> **मनीष भारद्वाज, ट्रेनी आईपीएस थाना कोठी**

अब प्रतिदिन 5-5 स्कूलो का आकस्मिक निरीक्षण करेगें बीईओ व बीआरसीसी

जागरण, सतना। गर्मी के दिनो में संचालित सरकारी स्कूलो में शिक्षको की मनमानी को देखते हुये उस पर लगाम लगाने जिला शिक्षा अधिकारी तरूणेन्द्र प्रताप सिंह ने आदेश जारी कर बीईओ व बीआरसीसी को 5-5 स्कूलो का प्रतिदिन औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिये है। उल्लेखनीय है कि जिला शिक्षा अधिकारी को ऐसी शिकायत प्राप्त हुई है कि विद्यालयो में शिक्षक समय पर उपस्थित नही हो रहे। विद्यालय का समय सुबह साढे 7 बजे से दोपहर साढे 12 बजे तक निर्धारित किया गया है।

उसी दिन शाम 5 बजे तक प्रतिवेदन भेजना अनिवार्य

जिला शिक्षा अधिकारी ने समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं बीआरसीसी को निर्देशित करते हुये कहा है कि 19 अप्रैल से प्रतिदिन 5-5 स्कूलो का औचक निरीक्षण करे एवं उसी दिन शाम 5 बजे तक प्रतिवेदन अनिवार्य रूप से जिला शिक्षा अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें।

नरवाई जलाने वाले 30 किसानों के विरूद्ध दर्ज हुई एफआईआर

तूमिन व भूमकहर बताये जा रहे किसान, चौकीदार व पटवारी की शिकायत पर सिविल लाइन थाना में दर्ज हुआ अपराध

जागरण सतना। नरवाई नहीं जलाने किसानो को बार-बार चेतावनी दिये जाने के बाद जब किसान अपनी आदतो से बाज नही आ रहे थे तो कलेक्टर ने इस मामले में नरवाई नही जलाने के आदेश जारी किए थे लेकिन किसानो ने कलेक्टर के आदेश का भी उल्लंघन कर दिया। इस मामले में चौकीदार और पटवारी द्वारा सिविल लाइन थाना में शिकायत दर्ज कराई गई। जिसके बाद 30 किसानो के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कर ली गई है। ये किसान ग्राम तूमिन व भूमकहर के बताये जा रहे है। इनके विरूद्ध बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

इन पर हुई एफआईआर

जिन किसानो के विरूद्ध एफआईआर दर्ज हुई है उसमें बृजेश गर्ग, विवेकानंद गर्ग, शैलेस गर्ग, कृष्ण कुमार मिश्रा, बद्री प्रसाद पाण्डेय, देवराज सिंह, द्वारिका अग्रवाल , रामप्रसाद सिंह , गयाप्रसाद पाण्डेय, आशीष गर्ग, देवराज सिंह, सभी निवासी तूमिन , मनीष गर्ग , शंकर प्रसाद, सीता प्रसाद, हिमांशू गर्ग, राजकुमार, महीप गर्ग, बृजकुमार गर्ग, रजनीश गर्ग, सतीश गर्ग, राकेश गर्ग, उमेश गर्ग, ब्रजेन्द्र नाथ गर्ग, रामभगत, रामचन्द्र, सुखदेव , मारकंड प्रसाद, आवेन्द्र , अजय गर्ग , व ऋषि गर्ग सभी निवासी भूमकहर के विरूद्ध सिविल लाइन थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

उद्गम ऊर्जा देता है और संगम जीवन प्रदान करता है : प्रहलाद पटेल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री सतना में जल गंगा संवर्धन अभियान में हुए शामिल

जागरण, सतना। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि किसी भी उद्गम से हम सबको ऊर्जा मिलती है वहीं संगम जीवन का प्रतीक है चाहे वह मानव, नदियों या वृक्षो का संगम हो। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल सतना जिले के मझगवां विकासखण्ड में ग्राम भटवां के ब्रम्ह कुण्ड और नागौद विकासखण्ड के झिगोंदर में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रमुख नदियों के उद्गम स्थल पर पूजन और जन संवाद कर रहे थे। झिगोंदर के इस कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी भी उनके साथ उपस्थित रही। प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने चित्रकूट क्षेत्र की मां मंदाकिनी पैश्वनी नदी के उद्गम स्थल भटवां ग्राम पंचायत के ब्रम्ह कुण्ड आश्रम और राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी के साथ नागौद विकासखण्ड के ग्राम पंचायत झिगोदर में अमरन नदी के उद्गम स्थल की पहाडी पर पूजन किया और जन चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान इस बार तीन महीने तक आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान जनता के सरोकार का कार्यक्रम और जन आंदोलन है। इसके पहले पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल और राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने झिगोंदर की पहाडी पर लगभग डेढ किलोमीटर पैदल चलकर अमरन नदी के स्त्रोत तक पहुंचे और उद्गम स्थल पर विधिवत पूजा अर्चना की। इस मौके पर विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, जनपद अध्यक्ष मझगवां रेणुका जायसवाल, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, अनिल जायसवाल, विजय तिवारी, मनसुख पटेल, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, एसडीएम एपी द्विवेदी, जितेन्द्र वर्मा, सीईओ जनपद सुलभ सिंह, अशोक द्विवेदी, कार्यपालन यंत्री आरईएस सीएल साकेत, प्रधानमंत्री सडक योजना के महाप्रबंधक गणेश मिश्रा सहित पंचायत प्रतिनिधि एवं बडी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

दो चरणों में सभी भवन विहीन पंचायतों के बनेंगे साढ़े 37 लाख के भवन : प्रहलाद पटेल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने मैहर में पंच, सरपंच सम्मेलन को सम्बोधित किया

सतना। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मैहर जिले के प्रवास के दौरान शुक्रवार को मैहर के एकलव्य छात्रावास के हॉल में आयोजित पंच सरपंच सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी भवन विहीन ग्राम पंचायतों के भवन दो चरणों में साढे 37 लाख रूपये प्रत्येक की लागत से तैयार किये जायेंगे। प्रथम चरण में 1153 ग्राम पंचायत भवनों को मंजूरी दी गई है। इन दोनों चरणों के बाद तीसरे चरण में पुराने और जर्जर भवन वाली ग्राम पंचायतों को डिसमेंटल कर नये भवन स्वीकृत किये जायेंगे। इन कार्यों की एजेंसी ग्राम पंचायतों को बनाया गया है। इस अवसर पर विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, जनपद अध्यक्ष आकांक्षा लोधी, माया पाण्डेय, नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी, जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने सहित मैहर, अमरपाटन, रामनगर जनपद पंचायतों के पंचायत पदाधिकारी और सरपंच उपस्थित थे। पंच सरपंच सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि पंचायतो के सुदृढीकरण के लिए किए गए प्रबंधो के साथ-साथ जल गंगा संवर्धन अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने जल का सदुपयोग करने पर बल देते हुए कहा कि पंचायतों को जो राशि प्राप्त होती है। उसका क्रियान्वयन कार्ययोजना के चिन्हित कार्यो को सुव्यवस्थित रूप से पूर्ण कराने पर व्यय करें। उन्होंने बताया कि हर एक पंचायत को 15वें वित्त आयोग, राज्य का पांचवां वित्त आयोग, स्टाम्प ड्यूटी, गौण खनिज, रायल्टी की राशि दी जाती है वहीं मांग के आधार पर मनरेगा की राशि अनुपातिक आधार पर पंचायतो को उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पंचायत भवनो के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मंत्री ने किये मां शारदा देवी के दर्शन

सतना। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शुक्रवार को मैहर जिले के प्रवास के दौरान मां शारदा देवी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। मंत्री श्री पटेल ने प्रदेश वासियों की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पटरी खोदकर कर डाली फिलिंग ठेकेदार ने डकारी मोटी रकम

जागरण, सतना। रामपुर बघेलान हनुमानगंज से जमुना चोरमारी जाने वाली सड़क डामरीकरण के 6 माह बाद सड़क निर्माता कंपनी ने पटरी फीलिंग दिखाने के लिए पटरी की ही मिट्टी खोदकर सड़क किनारे डाल दी और मोटी रकम आहरित कर ली। देखा जाए की रामपुर बघेलान के हनुमानगंज से जमुना चोरमारी जाने वाली सकरी सड़क पर भारी.भरकम टेलर की होड़ लगी रहती है और आये दिन दुर्घटनाए होती रहती हैं। जिसमें सामने से आ रही मोटरसाइकिल को भी सड़क से पटरी पर उतार कर निकालना पड़ता है मगर इस बड़ी समस्या को नजरंदाज करते हुए सड़क निर्माता कंपनी द्वारा पटरी को खोदकर सड़क फीलिंग करने का कार्य किया गया है। मगर सोचने वाली बात यह है कि सड़क निर्माता कंपनी का निर्माण कार्य का मूल्यांकन किस आधार पर कर दिया गया यह सोच से परे है अगर विभाग के जवाबदार अधिकारियों का यही हाल रहा तो सड़क किनारे बनाई गई पटरी का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा और आए दिन दुर्घटनाएं बढ़ जाएंगी।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता**। आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालय:- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com